10 तिलक वर्मा....



झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

12 कटरीना...



रांची, शुक्रवार, 30 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -127 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

श्रद्धा और उल्लास के साथ मना करवा चौथ, सुहागिनों ने की पति की लंबी उम्र की कामना



झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। रांची में करवा चौथ का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए दिनभर निर्जला व्रत रखा और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। हालांकि, चक्रवात 'अर्नब' के प्रभाव के चलते आसमान में बादलों के कारण चंद्रमा के दर्शन नहीं हो सके। इसके बावजूद महिलाओं की आस्था और परंपरा के प्रति समर्पण कम नहीं हुआ। मौसम की बेरुखी के बीच भी राँची में करवा चौथ पर प्रेम, विश्वास और अटूट आस्था की झलक देखने को मिली। इस अवसर पर पंजाबी समाज सहित विभिन्न समाजों की सुहागिन महिलाओं ने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अपने पति की दीघार्यु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

करवा चौथ को लेकर महिलाओं में सुबह से ही खासा उत्साह देखने को मिला। पर्व के अवसर पर पंजाबी समाज की महिलाओं ने एक सुहागिन के घर एकत्रित होकर सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की। इस दौरान पंजाबी समाज की महिलाओं के अलावा अन्य समाजों की सुहागिन महिलाएं भी मौजूद रहीं। सभी ने मिलकर पारंपरिक रीति रिवाजों का पालन करते हुए पूजा की और एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस सामूहिक आयोजन में विभिन्न समाजों की महिलाओं के बीच आपसी प्रेम, सौहार्द और एकता की खूबसूरत झलक देखने को मिली। इस मौके पर सभी महिलाएं आकर्षक पारंपरिक परिधानों और साज-शृंगार में नजर आईं। पूजा के दौरान सुहागिन महिलाओं को उनकी सास और अन्य सुहागिन महिलाओं ने मांग में टीका लगाकर आशीर्वाद दिया।

पूरे आयोजन में पारिवारिक प्रेम और भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिली। वंही मौके पर चांद के दीदार के बाद खोला निर्जला व्रत व्रत कर रही महिलाओं ने बताया कि करवा चौथ के दिन वे सुबह से ही निर्जला उपवास रखती हैं। दिनभर उपवास करने के बाद शाम को विधिवत पूजा-अर्चना की जाती है।

राज्य रक्षा मंत्री संजय सेठ ने कहा त्याग, तपस्या, प्रेम और अटूट विश्वास के पावन पर्व करवा चौथ की समस्त मातृशक्ति एवं सुहागिन बहनों को हार्दिक शुभकामनाएँ। ईश्वर से प्रार्थना है कि आप सभी का सुहाग अक्षय एवं अखंड रहे। आपके जीवन में प्रेम, सुख, समृद्धि और खुशहाली सदैव बनी रहे।

आज का विचार

झारखण्ड उजाला



आलमगीर आलम
पूर्व ग्रामीण विकास विभाग मंत्री झारखंड सरकार

कामयाबी मंज़िल तक पहुँचने वालों को ही नहीं मिलती, बल्कि उन लोगों को मिलती है जो हर असफलता के बाद भी अपने हौसले, मेहनत और विश्वास को ज़िंदा रखते हैं। धैर्य, अनुशासन और लगातार प्रयास ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी हैं।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,38,150**

चांदी (प्रति किलो) : **2,26,450**

(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **74,151.04**

निफ्टी :- **22,882.90**

मौसम

अधिकतम तापमान : **24**

न्यूनतम तापमान : **20**

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:53**

संध्या :- **17:12**

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1485 को हेनरी ट्यूडर इंग्लैंड के राजा बने और उन्होंने हेनरी सप्तम के रूप में ट्यूडर वंश की स्थापना की।

संक्षिप्त समाचार

उत्तराखंड में बर्फबारी, झारखंड-बिहार में बढ़ेगी ठिठुरन, 10 नवंबर को बंद होंगे गंगोत्री धाम के कपाट

देहरादून। उत्तराखंड के गंगोत्री धाम में 29 अक्टूबर से बर्फबारी शुरू हो गई है. गुरुवार को गंगोत्री धाम और आसपास के इलाकों में बर्फ गिरने लगी. मौसम विभाग के अनुसार 3500 मीटर से ऊंचे क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है. इससे पहले केदारनाथ और यमुनोत्री में भी बर्फबारी हुई थी. बर्फबारी शुरू होने के साथ ही उत्तराखंड प्रशासन ने फैसला लिया है कि 10 नवंबर से गंगोत्री धाम के कपाट शीतकालीन अवधि के लिए बंद कर दिए जाएंगे. उत्तराखंड के ऊपरी इलाकों में बर्फबारी का मतलब है कि मैदानी इलाकों में ठंड तेजी से बढ़ेगी. उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में ठिठुरन बढ़ने की संभावना है. अभी रात में ठंड महसूस हो रही है. अर्नब तूफान के कारण हुई बारिश के बाद दिन में भी हवाओं में ठंडक बनी हुई है. मौसम विभाग के मुताबिक पहाड़ी इलाकों से आने वाली ठंडी हवाएं मैदानी क्षेत्रों तक पहुंचेंगी, जिससे झारखंड और बिहार जैसे राज्यों में तापमान में तेजी से गिरावट शुरू हो जाएगी. नवंबर के पहले हफ्ते से ठंड बढ़नी शुरू हो जाएगी.

गुमला में वाहन से एक एके-47 और कार्बाइन बरामद, एक युवक भी पुलिस के हत्थे चढ़ा

गुमला। जिले के भरनो थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक वाहन से एके-47 और कार्बाइन बरामद की है. जिसके बाद एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. हथियार कहां से आया और कहां इस्तेमाल होने वाला था, इसका पता लगाया जा रहा है. एसपी हारिश बिन जमां ने हथियार बरामदगी की पुष्टि की है. गुमला एसपी हारिश बिन जमां ने बताया कि हथियार के साथ एक युवक को भी पकड़ा गया है. उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है.

झारखंड में आज भी होगी झमाझम बारिश रांची समेत 7 जिलों में येलो अलर्ट, 11 ट्रेनें रद्द

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। झारखंड के मौसम को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि रांची में गुरुवार को दिनभर रुक-रुक कर बारिश होती रही। सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा।

कई जिलों में भारी बारिश का येलो और ऑरेंज अलर्ट

'अर्नब' का असर आज भी झारखंड में देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए रांची, जमशेदपुर, खूंटी, रामगढ़, हजारीबाग, चतरा और कोडरमा में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं गढ़वा, पलामू, लोहरदगा, लातेहार, गुमला और सिमडेगा जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

चक्रधरपुर और राउरकेला-हटिया मार्ग की 11 ट्रेनें आज रद्द

दक्षिण पूर्व रेलवे ने सुरक्षा के मद्देनजर बड़ा फैसला लिया है। टाटानगर-चक्रधरपुर और राउरकेला-हटिया रेल मार्ग पर चलने वाली 11 महत्वपूर्ण ट्रेनों को शुक्रवार 30 अक्तूबर को रद्द कर दिया गया है। दक्षिण भारत के विशाखापत्तनम सहित कई प्रमुख स्टेशनों में पानी भरने की वजह से हावड़ा, शालीमार और संतरागाछी से चलने वाली कई महत्वपूर्ण रेल सेवाएं ठप हो गई हैं। ओडिशा की ओर जाने वाली छह प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों को टाटानगर के रास्ते परिवर्तित मार्ग से चलाया जा रहा है। चक्रधरपुर रेल मंडल ने टाटानगर स्टेशन पर विशेष आपातकालीन हेल्प डेस्क स्थापित किया है। टाटानगर स्टेशन पर 24 घंटे कार्यरत हेल्प डेस्क और विशेष हेल्पलाइन नंबर शुरू किए हैं।



अर्नब के साथ नए तूफान की आशंका

अर्नब के कमजोर पड़ने के बाद बंगाल की खाड़ी में बने नए मौसमी तंत्र से एक और तूफान की आशंका गहरा गई है। आईएमडी के अनुसार, दक्षिण अंडमान सागर में बना कम दबाव का क्षेत्र अगले 72 घंटों में चक्रवात का रूप ले सकता है। इधर, अर्नब के असर से ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भारी तबाही हुई है। हजारों पेड़ उखड़ गए हैं। यातायात बाधित है।

खराब मौसम से फ्लाइट डायवर्ट, कई की उड़ान में देरी

लगातार बारिश और खराब मौसम के कारण गुरुवार को इंडिगो का कोलकात से रांची आ रहा एक विमान डायवर्ट हो गया। वहीं, कुछ विमान विलंब से आए। इससे एयरपोर्ट पर यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्हें अपने गंतव्य शहरों तक जाने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। दिन में 11.45 बजे कोलकाता से रांची आने वाली इंडिगो की फ्लाइट रांची के करीब पहुंचने के बाद डायवर्ट होकर वापस कोलकाता लौट गई। इससे कोलकाता जानेवाले यात्रियों को पांच घंटे तक सफर के लिए इंतजार करना पड़ा। शाम में यात्रियों को इंडिगो के दूसरे विमान से रांची भेजा गया।

झारखंड में कर चोरी रोकने को 6 माह में तैयार होगा 'आइरिस' सिस्टम, एआई से होगी निगरानी

केंद्र की नीतियों से राज्य को 22 हजार करोड़ की क्षतिः वित्त मंत्री

एआई और बिजनेस इंटेलिजेंस से पकड़ी जाएगी टैक्स चोरी

खान, परिवहन और जमीन निबंधन समेत ये पोर्टल जुड़ेंगे

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



रांची। झारखंड में कर चोरी पर लगाम लगाने और राजस्व संग्रहण बढ़ाने के लिए राज्य सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद लेगी. इसके लिए अगले 6 महीने में 'इंटीग्रेटेड रेवेन्यू इंटेलिजेंस सिस्टम' (आइरिस) विकसित किया जाएगा. गुरुवार को प्रोजेक्ट भवन में वित्त एवं वाणिज्य-कर मंत्री राधाकृष्ण किशोर की उपस्थिति में यह समझौता हुआ. इसमें वाणिज्य-कर विभाग और निविदा से चयनित एजेंसी चॉइस कंसल्टेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के बीच एकरारनामा (एमओयू) किया गया.

वाणिज्य-कर सचिव अमित कुमार ने बताया कि आइरिस प्रणाली को 6 माह में विकसित कर 3 वर्षों तक संचालित किया जाएगा. इसके माध्यम से राजस्व जुटाने वाले सभी प्रमुख विभागों के ऑनलाइन पोर्टल को आपस में जोड़ा जाएगा. विभिन्न विभागों के डेटाबेस का विश्लेषण करने के लिए बिजनेस इंटेलिजेंस और एआई टूल्स का इस्तेमाल होगा. इससे किसी भी स्तर पर होने वाली टैक्स चोरी की तुरंत पहचान कर संबंधित विभाग नियमानुसार कार्रवाई कर सकेंगे.

इस प्रणाली के तहत जीएसटीएन के साथ खान विभाग के जिम्स पोर्टल और परिवहन विभाग के वाहन पोर्टल को जोड़ा जाएगा. इसके साथ ही कार्य विभागों के वामिस पोर्टल और राजस्व विभाग के भूमि पंजीकरण पोर्टल को भी एकीकृत किया जाएगा. इसके अलावा नगर विकास के प्रॉपर्टी टैक्स व ट्रेड लाइसेंस पोर्टल, श्रम विभाग के लेबर सेस, उत्पाद विभाग और ऊर्जा विभाग के बिजली बिल पोर्टल भी जुड़ेंगे. वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि केंद्र की आर्थिक नीतियों से झारखंड को लगभग 22 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है. एमएमडीआर एक्ट से 14 हजार करोड़ तथा जीएसटी सुधार और मनरेगा अनुदान में कमी से 4-4 हजार करोड़ रुपये की आर्थिक क्षति हो रही है. खनिजों के दोहन व परिवहन से सड़कों, वन क्षेत्र और जनस्वास्थ्य को होने वाले नुकसान की भरपाई भी राज्य को अपने संसाधनों से करनी पड़ रही है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सोच के अनुरूप राज्य को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए यह समझौता मील का पत्थर साबित होगा.

सरकार का बड़ा फैसला, कैंसर की दवाओं के 93 फीसदी तक घटाए दाम, नई कीमतें 9 नवंबर से लागू होंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। कैंसर के इलाज को और सस्ता बनाने के मकसद से नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने बुधवार को एंटी-कैंसर दवाओं के 543 ब्रांड के लिए बदले हुए अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) जारी किए. नए रेट 9 नवंबर से लागू होंगे. सरकार ने लोगों के हित में 137 नॉन-शेड्यूल्ड एंटी-कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को सही करने का फैसला किया है. इसके बाद कीमतों में बदलाव किया गया है. इस पहल का मकसद बहुत ज्यादा ट्रेड मार्जिन को कम करना और मरीजों को जरूरी कैंसर दवाओं तक बेहतर पहुंच देना है. फार्मास्युटिकल्स डिपार्टमेंट के अनुसार रिवाइज्ड प्राइस लिस्ट में फार्मास्युटिकल कंपनियों द्वारा 27 अक्टूबर तक सबमिट की गई जानकारी शामिल है. डिपार्टमेंट ने कहा कि जैसे-जैसे मैन्युफैक्चरर्स नॉन-शेड्यूल्ड एंटी-कैंसर दवाओं के लिए रिवाइज्ड प्राइस सबमिट करेंगे, एनपीपीए लिस्ट को अपडेट करता रहेगा. रिवाइज्ड लिस्ट में ब्रेस्ट, प्रोस्टेट, कोलन, ओवेरियन और सर्वाइकल कैंसर जैसे अलग-अलग तरह के कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाएं शामिल हैं. इसमें इम्यूनोथेरेपी, टारगेटेड कैंसर ट्रीटमेंट और कीमोथेरेपी करा रहे मरीजों की सपोर्टिव केयर में इस्तेमाल होने वाली दवाएं भी शामिल हैं.



ट्रेड मार्जिन 30% पर लिमिट किया गया

17 अक्टूबर को अनाउंस की गई बेसिक पॉलिसी, ड्रग्स (प्राइस कंट्रोल) ऑर्डर, 2013 के तहत 137 पहचानी गई नॉन-शेड्यूल्ड एंटी-कैंसर दवाओं के लिए ट्रेड मार्जिन को 30 फीसदी पर लिमिट करती है. शेड्यूल्ड दवाओं के उलट, जिनकी कीमतें नोटिफाइड सीलिंग प्राइस के तहत आती हैं, नॉन-शेड्यूल्ड दवाओं को इस हस्तक्षेप के जरिए टारगेट किया गया ताकि डिस्ट्रीब्यूशन और रिटेल चेन में ज्यादा मार्जिन को कम किया जा सके. सरकार का अनुमान है कि इस बड़ी पहल से कैंसर के मरीजों को हर साल करीब 2,500 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है. यह पॉलिसी 2019 की उस कोशिश पर आधारित है जिसमें 42 एंटी-कैंसर दवाओं को शामिल किया गया था, जिससे सैकड़ों ब्रांड की दवाओं की कीमतों में कमी आई थी. डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्युटिकल्स के अनुसार 9 नवंबर से रिटेलर्स और अस्पतालों को बदली हुई कीमतें लेनी होंगी.

कई दवाओं की कीमतों में भारी कटौती

आरपीजी लाइफ साइंसेज की बनाई एनास्ट्रोजोल 1ˇ टैबलेट, जो एनाजील ब्रांड नाम से बिकती है, के 10 टैबलेट के पैक की कीमत 695.76 रुपये से घटकर 73 रुपये हो जाएगी. इसी तरह डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज की बनाई एजासिटिडाइन इंजेक्शन (एजासिटिन) की कीमत 6,337 रुपये से घटकर 1,495.04 रुपये हो जाएगी. एवॉट हेल्थकेयर के बेवासिजैब इंजेक्शन, जो 4ˇ की शीशी है, की कीमत 21,767.70 रुपये से घटकर 5,930.13 रुपये हो जाएगी. दूसरे उदाहरणों में दसनत 20 mg टैबलेट शामिल हैं, जिनकी कीमत 2,812.50 रुपये से घटकर 1,085.93 रुपये हो जाएगी, और फुलब्रेका इंजेक्शन, जिसकी कीमत 26,072.16 रुपये से घटकर 5,491 रुपये हो जाएगी. इन बदलावों से प्रभावित ब्रांड लेने वाले मरीजों के लिए दवा का खर्च कम होने की उम्मीद है.

THE RANCHI RIFLE CLUB (RRC)
(Registered under -Society Registration Act: 21,1860. Government of Jharkhand)
JOIN US TO BECOME A NATIONAL or INTERNATIONAL SHOOTER
Your ambition is our mission...



Our facilities:-
- 10m/ 25m Fully Air Conditioned Hitech indoor shooting range.
- All Types of Air/ Fire weapons are available for practice.
- All types of shooting equipments & accessories for sale available here.
- We teach the civilians how to handle weapons/ safety rules and way of firing.
- Special For School Girls & Boys.
- Above 8 years Girls & Boys May Join us.
- National Level Shooting Coach Facility Available Here.

Justdial
Contact: +91 8002397001, 7050607001
House No. 01, Shanti Nagar, Hatia, Near Hatia Tonko Bridge, P.O- Hatia, P.S.- Jagannathpur, Ranchi - 834003 (Jharkhand)
E-mail: theranchirifleclub@gmail.com | Website: http://www.theranchirifleclub.org



भारत विकास परिषद ने किया छावनी परिषद के नामित सदस्य अनमोल सिंह का किया स्वागत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

छावनी परिषद के नामित सदस्य बनने पर परिषद ने जताया हर्ष, कहा कैंट क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई गति



रामगढ़। भारत विकास परिषद, रामगढ़ द्वारा कल देर रात होटल शिवम इन के सभागार में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में भारत सरकार द्वारा भारत विकास परिषद के पूर्व अध्यक्ष एवं रामगढ़ छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सरदार अनमोल सिंह को छावनी परिषद का नामित सदस्य बनाए जाने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस उपलब्धि पर उपस्थित सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे रामगढ़ के लिए गौरव का विषय बताया।इस अवसर पर भारत विकास परिषद के जिलाध्यक्ष अनिल गोयल, जिला सचिव प्रदीप कुमार शर्मा सहित परिषद के पूर्व अध्यक्षों, पूर्व सचिवों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सरदार अनमोल सिंह को अंगवस्त्र भेंट कर तथा पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया। उपस्थित सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव, कार्यकुशलता एवं जनसेवा के प्रति समर्पण से छावनी क्षेत्र में विकास कार्यों को नई दिशा और गति मिलेगी। जिलाध्यक्ष अनिल गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि सरदार अनमोल सिंह का छावनी परिषद का नामित सदस्य बनना भारत विकास परिषद, रामगढ़ के साथ-साथ पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और प्रसन्नता का विषय है। उन्होंने कहा कि अनमोल सिंह जी पूर्व में छावनी परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। छावनी क्षेत्र की समस्याओं, विकास संबंधी आवश्यकताओं एवं जनहित के मुद्दों पर उनका अनुभव निश्चित रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। हमें पूर्ण विश्वास है कि उनके नेतृत्व, अनुभव एवं सक्रिय सहभागिता से कैंट क्षेत्र में विकास कार्यों को और अधिक गति मिलेगी तथा जनसमस्याओं के समाधान की दिशा में सार्थक पहल होगी। समारोह में उपस्थित सदस्यों ने सरदार अनमोल सिंह को इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सभी ने आशा व्यक्त की कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ करते हुए रामगढ़ छावनी क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इस सम्मान समारोह में परिषद के संस्थापक अध्यक्ष गोविंद मेवाड़, पूर्व अध्यक्ष अमित साहू, पूर्व अध्यक्ष उमेश राजगढ़िया, जिलाध्यक्ष अनिल गोयल, जिला सचिव प्रदीप कुमार शर्मा, पूर्व अध्यक्ष सरदार अनमोल सिंह, कोषाध्यक्ष नीलेश गुप्ता, उपाध्यक्ष मनमोहन सिंह लांबा, उपाध्यक्ष रामप्रवेश गुप्ता, अखिलेश कुमार सिंह, सितु सिंह सलूजा, सत्येंद्र नारायण सिंह, भरत गोयल, विशाल अग्रवाल, आदर्श चौधरी, सूरज अग्रवाल, विजय जायसवाल, रोहित पंसारी, अजय अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल सहित परिषद के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में जिला सचिव प्रदीप कुमार शर्मा ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। भारत विकास परिषद, रामगढ़ ने सरदार अनमोल सिंह को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की मंगलकामना की।

गोला में मां दक्षिणेश्वरी काली मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 2 नवंबर को

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

कलश यात्रा के साथ धार्मिक अनुष्ठान शुरू



रामगढ़/गोला। रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड स्थित महादेव मंडा में श्री श्री मां दक्षिणेश्वरी काली मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भक्तिमय माहौल बना हुआ है। मंदिर में विशेष धार्मिक अनुष्ठानों की शुरूआत गुरुवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुई। इस आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।कलश यात्रा मंदिर परिसर से निकलकर भैरवी नदी पहुंची, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने पवित्र जल भरा। इसके बाद श्रद्धालु कलश लेकर पैदल मंदिर परिसर पहुंचे। वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक विधि-विधान के बीच मंदिर में अनुष्ठान का शुभारंभ किया गया।

2 नवंबर को होगी प्राण प्रतिष्ठा

आयोजन समिति के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 30 अक्टूबर को पूजन, अग्नि स्थापना एवं अधिवास, जबकि 31 अक्टूबर को पूजन, पाठ एवं अधिवास का कार्यक्रम होगा। वहीं, 1 नवंबर को पूजन-पाठ, देव स्थान, श्रृंगार एवं शय्याधिवास की धार्मिक प्रक्रिया संपन्न की जाएगी। दो नवंबर को मां दक्षिणेश्वरी काली मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एवं पूणार्हुति होगी। इसके बाद 3 नवंबर को छप्पनभोग और भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

प्रतिदिन होगा श्रीमद्भागवत पाठ

धार्मिक अनुष्ठान के दौरान प्रतिदिन संध्या आठ बजे से रात 11 बजे तक श्रीमद्भागवत पाठ किया जाएगा। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर परिसर में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आयोजन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को धार्मिक आस्था से जोड़ना और क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण को बढ़ावा देना है।इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में मुख्य आयोजनकर्ता महेंद्र कुमार रंजन, मुखिया सुनीता देवी, सचिन कुमार, अंकित कश्यप, अशोक कुमार सहित अन्य लोग सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। प्राण प्रतिष्ठा एवं भंडारे को लेकर श्रद्धालुओं में उत्सुकता बनी हुई है।

अनुष्का चक्रवर्ती को न्याय दिलाने की मांग पर डीवीसी चौक गोला तक निकला कैंडल मार्च, दोषियों को फांसी देने की उठी आवाज

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़/गोला। अनुष्का चक्रवर्ती को न्याय दिलाने की मांग को लेकर गुरुवार को गोला में कैंडल मार्च निकाला गया। राजरप्पा मोड़ से डीवीसी चौक तक निकले इस मार्च में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने एकजुट होकर न्याय की आवाज बुलंद की और मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग की। कैंडल मार्च के दौरान लोगों में काफी आक्रोश देखने को मिला। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए दोषियों को फांसी देने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़िता को न्याय मिल सके। इस मामले को लेकर स्थानीय विधायक ममता देवी भी पहले से सक्रिय रही हैं। उन्होंने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले का जायजा लिया था और त्वरित कार्रवाई के साथ निष्पक्ष जांच की मांग की थी। घटना को लेकर लगातार उठ रही आवाज के कारण यह मामला अब पूरे झारखंड में चर्चा का विषय बन गया है। इधर, पुलिस मामले की जांच में जुटी है। लोगों को उम्मीद है कि जांच जल्द पूरी कर दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। कैंडल मार्च के माध्यम से शामिल लोगों ने प्रशासन से मांग की कि मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़िता को जल्द न्याय दिलाया जाए। मार्च में शामिल लोगों ने एक स्वर में कहा कि न्याय मिलने तक उनकी आवाज बुलंद होती रहेगी।

19 गांवों में डिजिटल शिक्षा की शुरूआत, आचायाओं को मिले टैबलेट

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



एकल अभियान की पहल से आधुनिक तकनीक से पढ़ेंगे ग्रामीण बच्चे, साप्ताहिक पाठशाला और सत्संग पर भी जोर

पतरातू: ग्रामीण बच्चों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से एकल अभियान के पतरातू संच की ओर से गुरुवार को कटिया स्थित कम्युनिटी हॉल में एकदिवसीय आचार्य अभ्यास वर्ग आयोजित किया गया। स्वाभिमान पर्व के तहत आयोजित कार्यक्रम में पतरातू संच के 19 गांवों की 19 आचार्या दीदियों को दो-दो ई-शिक्षा टैबलेट प्रदान किए गए। अब इन टैबलेट के माध्यम से ग्रामीण बच्चों को ऑनलाइन एवं डिजिटल शिक्षा दी जाएगी। इससे बच्चों को आधुनिक तकनीक से पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा और उनकी शिक्षा को अधिक रोचक बनाने में मदद मिलेगी। इस दौरान सभी आचायाओं को प्रत्येक विद्यालय ग्राम में साप्ताहिक पाठशाला और सत्संग का नियमित आयोजन करने का निर्देश भी दिया गया। कार्यक्रम में दक्षिण झारखंड संभाग अभियान प्रमुख राजू पांडेय, अंचल अभियान प्रमुख हीरालाल महतो, पतरातू संच समिति के सचिव किशोर कुमार महतो, उपाध्यक्ष गणेश कुमार ठाकुर, समिति सदस्य नंदकिशोर महतो, पतरातू संच प्रशिक्षिका शांति देवी, भुरकुंडा संच प्रशिक्षक नागेश्वर महतो सहित आचार्या लीलावती देवी, यशोदा देवी, वीणा देवी, ललिता देवी, पुष्पा देवी, सुनीता देवी, प्रिया देवी एवं अन्य आचायाएं उपस्थित रहीं।

रामगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्रीज ने किया अनमोल सिंह का स्वागत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़।रामगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्रीज के द्वारा आज चेंबर के पूर्व अध्यक्ष आनंद अग्रवाल (अधिवक्ता)के आवास पर छावनी परिषद के नवनियुक्त नामित सदस्य सरदार अनमोल सिंह को बुके एवं माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया इस अवसर पर चेंबर अध्यक्ष मनजीत साहनी ने कहा कि यह हम सबके लिए बहुत गौरव की बात है कि हमारे बीच का एक सक्रिय सदस्य जिसको छावनी परिषद में पिछले कई वर्षों से छावनी परिषद के सदस्य एवं उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करने का अनुभव रहा है जो छावनी परिषद के कार्यों से भली भांति अवगत है हमें पूरा विश्वास है कि आपके इस कार्यकाल में रामगढ़ कैंटोनमेंट क्षेत्र विकास के नए आयाम स्थापित करेगा और आम जनता से जुड़ी समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान होगा ईश्वर से आपके उत्तम स्वस्थ दीघार्यु और सफल कार्यकाल की कामना करते हैं उसको केंद्र सरकार द्वारा छावनी परिषद रामगढ़ का नामित सदस्य बनाया गया है इस अवसर पर जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष आनंद अग्रवाल ने कहा कि सरदार अनमोल सिंह के छावनी परिषद के नामित सदस्य नियुक्त होने से छावनी परिषद एरिया में विकास की एक नई पहल शुरू होगी सरदार अनमोल सिंह को यह गौरवपूर्ण दायित्व मिलना उनकी कर्मठता जनसेवा के प्रति अटूट निष्ठा और कुशल नेतृत्व की क्षमता का प्रत्यक्ष प्रमाण है अनमोल सिंह का जो शहर के विकाश के प्रति विजन है उस विजन का लाभ छावनी परिषद के क्षेत्र के आम जनों को मिलेगा उन्होंने आशा व्यक्त की अनमोल सिंह के प्रयास से शीघ्र ही वार्ड नंबर 8 जो प्रतिबंधित क्षेत्र है वह भी प्रतिबंध से मुक्त होने का रास्ता साफ होगा इस अवसर पर रामगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष अमरेश गणक कार्यकारिणी सदस्य विवेक अग्रवाल (अधिवक्ता) उप समिति के सभापति रमेश बौंदिया पलविंदर सिंह जसल विमल जाजू आदि उपस्थित थे उपरोक्त बातों की जानकारी चैंबर ऑफ कॉमर्स के मिडीया प्रभारी अमरेश गणक ने दी

››: संक्षिप्त खबर :‹‹‹

रामगढ़ सदर अस्पताल में अब कैंसर मरीजों को मिलेगी विशेष चिकित्सा सुविधा, शुरू होगी ऑन्कोलॉजी ओपीडी



रामगढ़। झारखंड सरकार की जनकल्याणकारी पहल और जिला प्रशासन रामगढ़ के प्रयासों से जिले के कैंसर मरीजों के लिए एक राहत भरी शुरूआत की जा रही है। अब सदर अस्पताल, रामगढ़ में कैंसर मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श और उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष कैंसर चिकित्सा ओपीडी का संचालन किया जाएगा। इससे मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही कैंसर से संबंधित चिकित्सकीय परामर्श, प्रारंभिक जांच और उपचार की दिशा में आवश्यक मार्गदर्शन मिल सकेगा।

हर महीने के प्रथम और तृतीय गुरुवार को बैठेंगे विशेषज्ञ:सदर अस्पताल रामगढ़ के कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय गुरुवार को दोपहर 12:00 बजे से 02:00 बजे तक विशेष ऑन्कोलॉजी ओपीडी संचालित होगी। इस ओपीडी में मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ.कांत अन्ने अपनी सेवाएं देंगे। इस व्यवस्था को लेकर 29 अक्टूबर 2026 को सदर अस्पताल स्थित डीएस चैंबर में सिविल सर्जन सह उपाधीक्षक डॉ. अनिल कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें ओपीडी के संचालन और अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज से इस व्यवस्था के लिए अंतिम अनुमोदन भी प्राप्त हो चुका है।

कैंसर की स्क्रीनिंग और कीमोथेरेपी की मिलेगी सुविधा:इस विशेष ओपीडी के माध्यम से कैंसर की प्रारंभिक पहचान (स्क्रीनिंग), विशेषज्ञ परामर्श, उपचार का मार्गदर्शन और पूर्व की जांच रिपोर्ट की समीक्षा जैसी सुविधाएं मिलेंगी। इसके अतिरिक्त, सदर अस्पताल में कीमोथेरेपी की सुविधा भी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है, जिससे पात्र मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही उपचार प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

बड़े शहरों में जाने की परेशानी होगी कम:कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज के लिए मरीजों और उनके परिजनों को अक्सर बड़े शहरों के अस्पतालों का रुख करना पड़ता था, जिससे आर्थिक बोझ और आवागमन की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। सदर अस्पताल में यह सुविधा शुरू होने से विशेष रूप से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को काफी राहत मिलेगी।जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने आमजनों से अपील की है कि कैंसर से संबंधित किसी भी प्रकार के लक्षण या स्वास्थ्य परेशानी होने पर समय रहते चिकित्सकीय परामर्श लें और आवश्यकतानुसार जांच व उपचार कराएं।

चक्रवाती तूफान और बारिश का कहर: रामगढ़ में पतरातू प्रखंड की महिला होमगार्ड अभ्यर्थियों की दौड़ परीक्षा स्थगित



रामगढ़। रामगढ़ जिला अंतर्गत इन दिनों चल रही होमगार्ड (गृह रक्षा वाहिनी) बहाली प्रक्रिया को लेकर जिला प्रशासन ने एक आवश्यक और महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। क्षेत्र में सक्रिय चक्रवाती तूफान और लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण उत्पन्न प्रतिकूल मौसम तथा जलभराव की स्थिति को देखते हुए, अभ्यर्थियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए यह बड़ा निर्णय लिया गया है।प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, केवल आज गुरुवार (29 अक्टूबर 2026) को निर्धारित पतरातू प्रखंड की महिला अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता (दौड़) परीक्षा को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है।

आपसी सहमति से लिया गया निर्णयपरीक्षा स्थल पर मौजूद सभी संबंधित अभ्यर्थियों के साथ विचार-विमर्श करने और उनकी पूर्ण सहमति व रजामंदी प्राप्त करने के पश्चात ही इस दौड़ प्रक्रिया को स्थगित करने का निर्णय लिया गया। अन्य प्रखंडों की परीक्षाएं रहेंगी यथावतजिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह स्थगन सिर्फ आज (29 अक्टूबर 2026) पतरातू प्रखंड की महिला अभ्यर्थियों के लिए है। इसके अलावा अन्य सभी शेष प्रखंडों की शारीरिक दक्षता परीक्षाएं अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यथावत चलती रहेंगी।

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश:नई तिथियां: स्थगित हुई दौड़ और आगामी नई तिथियों से जुड़ी सभी आधिकारिक जानकारियां एनआईसी (NIC) की वेबसाइट तथा जिला प्रशासन के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स पर जारी की जाएंगी।

अफवाहों से बचें: प्रशासन ने सभी संबंधित अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और सटीक जानकारी के लिए नियमित रूप से एनआईसी पोर्टल व जिला प्रशासन के आधिकारिक पेजों का अवलोकन करते रहें।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पतरातू अनुमंडल पुलिस की एसआईटी ने बासल और पतरातू थाना क्षेत्र में की कार्रवाई, 18 एटीएम कार्ड समेत ठगी में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद







पतरातू : एटीएम मशीन से पैसे निकालने के दौरान लोगों को अपने जाल में फंसाकर कार्ड बदलने और धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के खिलाफ पतरातू अनुमंडल पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 18 एटीएम कार्ड, मोबाइल फोन, नकदी और ठगी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राघवेंद्र शर्मा ने पतरातू से 29 अक्टूबर 2026 को प्रेस कॉन्फ्रेंस जारी कर बताया कि हाल के दिनों में क्षेत्र में एटीएम मशीन से छेड़छाड़, लोगों के एटीएम कार्ड का इस्तेमाल कर अवैध रूप से रुपये निकालने तथा फर्जी हेल्पलाइन नंबर के जरिए बैंक अधिकारी बनकर ठगी करने की शिकायतें सामने आ रही थीं। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी जांच और प्राप्त सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ा। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों के पास से विभिन्न बैंकों के 18 एटीएम कार्ड, चार मोबाइल फोन, 8970 रुपये नकद और एटीएम से छेड़छाड़ करने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं। इनमें दो बड़े पेचकस, दो छोटे पेचकस और एक अन्य उपकरण शामिल हैं। पुलिस ने दो स्कूटी भी बरामद की हैं, जिनमें एक का पंजीकरण नंबर उपलब्ध है, जबकि दूसरी स्कूटी पर नंबर अंकित नहीं था। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के दौरान एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने और लोगों के खातों से अवैध निकासी करने से संबंधित जानकारी सामने आई है। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

गिरफ्तार आरोपी: पुलिस की ओर से जारी विज्ञप्ति में चार आरोपियों के नाम और पते दर्ज हैं।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

पुलिस की प्रेस विज्ञप्ति में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इस प्रकार बताई गई है।

1. मनीष कुमार (28 वर्ष) - पिता बृजेश कुमार। वर्तमान पता छिजारसी, सेक्टर-63, नोएडा, उत्तर प्रदेश। स्थायी पता देवरिया जिला, उत्तर प्रदेश।
2. मोहम्मद आसिफ (30 वर्ष) - पिता मोहम्मद अनवर अंसारी। वर्तमान पता छिजारसी, सेक्टर-63, नोएडा, उत्तर प्रदेश। स्थायी पता मधुबनी जिला, बिहार।
3. सूरज कुमार (37 वर्ष) - पिता सत्येंद्र सिंह। वर्तमान पता विकास नगर, रामगढ़। स्थायी पता पटना जिला, बिहार।
4. आयुष कुमार (25 वर्ष) - पिता अनमोल कुमार सिंह। स्थायी पता नवादा जिला, बिहार।

जब्त सामानों का पूरा विवरण

पुलिस ने आरोपियों के पास से निम्नलिखित सामान बरामद किए हैं:

एंड्रॉयड मोबाइल फोन - 4
कीपैड मोबाइल फोन - 1
विभिन्न बैंकों के एटीएम कार्ड - 18
नकद रुपये - 8,970
स्कूटी - 2; एक हरे रंग की, जिसका पंजीकरण नंबर विज्ञप्ति में वढ16क्ष्क 1582 दर्ज है, जबकि दूसरी काले रंग की स्कूटी पर पंजीकरण नंबर अंकित नहीं है।
बड़े पेचकस - 2
छोटे पेचकस - 2
प्लास - 1

पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने हाल के दिनों में एटीएम से छेड़छाड़ कर ठगी और रुपये की अवैध निकासी करने की बात स्वीकार की है। गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।पुलिस की इस कार्रवाई में पतरातू और बासल थाना के पुलिस पदाधिकारियों, तकनीकी शाखा तथा सशस्त्र बल के जवानों की भूमिका रही।

पुलिस टीम: कार्रवाई में पतरातू और बासल थाना के पुलिस पदाधिकारियों के साथ तकनीकी शाखा तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

ट्रेन से गिरकर मौत मामले में देना होगा मुआवजा, टिकट नहीं मिलने को बनाया गया था आधार, हाईकोर्ट ने रद्द किया ट्रिब्यूनल का आदेश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। ट्रेन से गिरकर किसी यात्री की मौत होने के मामले में मृतक के पास से रेलवे टिकट बरामद नहीं होना अपने आप में मुआवजे के दावे को खारिज करने का पर्याप्त आधार नहीं है. झारखंड हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल, रांची के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें ट्रेन से गिरकर जान गंवाने वाले यात्री के परिजनों की मुआवजा याचिका खारिज कर दी गई थी. हाईकोर्ट ने मृतक के आश्रितों को आठ लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है. इस राशि पर मुआवजे के आवेदन की तारीख से भुगतान किए जाने तक छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देय होगा. अदालत ने स्पष्ट किया कि मामले में उपलब्ध साक्ष्यों और परिस्थितियों को नजरअंदाज कर केवल तकनीकी आधार पर मुआवजे का दावा खारिज करना उचित नहीं है.

यह फैसला झारखंड हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी की अदालत ने एमए संख्या 449/2023 में सुनाया है. अदालत ने रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल, रांची के 12 सितंबर 2023 के आदेश को निरस्त करते हुए मृतक के परिजनों की अपील स्वीकार कर ली. मामले में मृतक की पत्नी बैजंती गोप, उनकी मां जेमा गोदिन और दो नाबालिग बच्चों की ओर से मुआवजे का दावा किया गया था. प्रतिवादी के रूप में दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक के माध्यम से भारत संघ को पक्षकार बनाया गया था. मामला पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा क्षेत्र के रहने वाले बनमाली गोप की मौत से जुड़ा है. परिजनों की ओर से अदालत को बताया गया कि एक सितंबर 2017 को बनमाली गोप झींकपानी रेलवे स्टेशन से केंडपोसी जाने के लिए टाटा-बड़बिल पैसेंजर ट्रेन में सवार हुए थे. उनके भाई हरीश गोप ने रेलवे स्टेशन पर उन्हें छोड़ने के साथ यात्रा के लिए टिकट भी खरीदा था. दलील के मुताबिक, ट्रेन के डिब्बे में यात्रियों की काफी भीड़ थी. बनमाली गोप डिब्बे के भीतर खड़े होकर यात्रा कर रहे थे. ट्रेन जब केंडपोसी स्टेशन के करीब पहुंची तो उतरने की तैयारी कर रहे यात्रियों की आवाजाही और धक्का-मुक्की के बीच ट्रेन में तेज झटका लगा. इसी दौरान वह अपना संतुलन खो बैठे और चलती ट्रेन से नीचे गिर गए. इस दुर्घटना में उनके शरीर पर गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई. घटना के बाद शव के पास से रेलवे टिकट नहीं मिला. इसी आधार पर रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल ने उन्हें वास्तविक यात्री यानी वैध टिकट के साथ यात्रा करने वाला यात्री मानने के पर्याप्त आधार नहीं पाए और परिजनों का मुआवजा दावा खारिज कर दिया था. इसके बाद मृतक के परिजनों ने ट्रिब्यूनल के फैसले को झारखंड हाईकोर्ट में चुनौती दी.

हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान रेलवे की ओर से ट्रिब्यूनल के फैसले का बचाव किया गया. रेलवे के वकील ने दलील दी कि मृतक के पास से टिकट बरामद नहीं हुआ था. इसके अलावा, मृतक के साथ यात्रा कर रहे बताए गए कैलाश गोप ने ट्रिब्यूनल के समक्ष गवाही नहीं दी थी. रेलवे की ओर से यह भी कहा गया कि कथित घटना शाम करीब 7:30 बजे हुई, जबकि शव मिलने का समय रात करीब 10:30 बजे बताया गया था. इन परिस्थितियों को आधार बनाते हुए रेलवे ने अपील खारिज करने की मांग की. वहीं, मृतक के परिजनों की ओर से अधिवक्ता धर्मेंद्र कुमार और अधिवक्ता अनुकूल गौरव ने पक्ष रखा. उन्होंने अदालत को बताया कि मृतक के भाई हरीश गोप ने गवाही में स्पष्ट किया था कि वह बनमाली गोप को स्टेशन छोड़ने गए थे और उन्होंने उनके लिए टिकट खरीदा था. इसलिए केवल टिकट नहीं मिलने के आधार पर मृतक को बिना टिकट यात्रा करने वाला मानना उचित नहीं था. हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि रेलवे मृतक की मौत को मुआवजे से छूट देने वाली कानूनी परिस्थितियों के अंतर्गत साबित नहीं कर सका. अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर घटना को आकस्मिक रूप से ट्रेन से गिरने का मामला माना. अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि रेलवे की ओर से रेलवे पैसेंजर (अनटुवर्ड इंसीडेंट्स की जांच की प्रक्रिया) नियम, 2003 के तहत अपेक्षित डीआरएम रिपोर्ट पेश नहीं की गई थी. इस रिपोर्ट का प्रस्तुत नहीं किया जाना भी फैसले में दर्ज महत्वपूर्ण बिंदुओं में शामिल रहा.

संक्षिप्त खबर

झारखंड : महिला अधिवक्ता अनुष्का चक्रवर्ती की मौत के मामले में पति गिरफ्तार



रांची। झारखंड हाईकोर्ट की महिला अधिवक्ता अनुष्का चक्रवर्ती की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने पति कुशाग्र रूद्र को गिरफ्तार किया है. इस मामले में अनुष्का के पिता ने रूद्र और उसके परिवार के सदस्यों पर कथित तौर पर दहेज के लिए प्रताड़ना और हत्या के गंभीर आरोप लगाए थे. इधर अनुष्का के भाई ने हाईकोर्ट में क्रमिनल रिट याचिका दायर की है. इस याचिका पर सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया है कि इस मामले में डीएसपी स्तर के अधिकारी जांच करेंगे. इस मामले में अगली सुनवाई 2 नवंबर को होगी. अदालत ने उस दिन अनुसंधान की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा. पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार करने के बाद उससे पूछताछ शुरू कर दी है. जांच के दौरान पुलिस मौत से जुड़े विभिन्न पहलुओं और उपलब्ध साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है. पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि अनुष्का चक्रवर्ती की मौत किन परिस्थितियों में हुई और इसमें किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका है या नहीं. फिलहाल मामले में पुलिस की जांच जारी है. हजारीबाग के बड़ा बाजार थाना क्षेत्र स्थित गुप्ता कॉम्प्लेक्स के एक फ्लैट में अनुष्का का शव मिला था. मृतका के पिता सुनील कुमार चक्रवर्ती ने उनके पति कुशाग्र रुद्र और उसके माता-पिता कथित तौर पर दहेज के लिए प्रताड़ना और हत्या का गंभीर आरोप लगाया है. दोनों ने करीब तीन साल पहले प्रेम विवाह किया था और इसी फ्लैट में रह रहे थे.

रांची के मोरहाबादी में 15 भवनों-प्रतिष्ठानों को नोटिस, 15 दिन में दिखाने होंगे वैध दस्तावेज



रांची। बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन कर निर्माण करने और आवासीय भवनों का व्यावसायिक उपयोग करने वालों के खिलाफ रांची नगर निगम ने सख्ती बढ़ा दी है. बुधवार को निगम की टीम ने मोरहाबादी में रजिस्ट्री ऑफिस से मांधा पैलेस तक जांच अभियान चलाया. इस दौरान नियमों के उल्लंघन के मामलों में 15 भवनों और प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया गया. निगम ने संबंधित भवन मालिकों को नोटिस प्राप्त होने की तिथि से 15 दिनों के भीतर स्वीकृत नक्शा और अन्य वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है. निर्धारित अवधि में दस्तावेज जमा नहीं करने पर संबंधित भवनों को सील करने सहित अन्य कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गयी है. जांच अभियान के दौरान स्वीकृत नक्शे से विचलन, अवैध निर्माण और आवासीय भवनों का व्यावसायिक उपयोग किये जाने से जुड़े मामले सामने आये. निगम की कार्रवाई का उद्देश्य भवन निर्माण से संबंधित नियमों का पालन सुनिश्चित करना है. नोटिस के माध्यम से भवन मालिकों को अपने निर्माण और उपयोग से जुड़े वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है. रांची नगर निगम के अनुसार, बिना स्वीकृत नक्शे के निर्माण करना, स्वीकृत भवन प्लान में निर्धारित प्रावधानों से विचलन करना और आवश्यक अनुमति के बिना आवासीय भवनों का व्यावसायिक उपयोग करना नियमों के विरुद्ध है. ऐसे मामलों में झारखंड नगर पालिका अधिनियम, 2011 और झारखंड भवन उपविधि, 2016 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जायेगी. निगम ने स्पष्ट किया है कि भवन निर्माण और उपयोग से संबंधित नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी. नोटिस मिलने के बाद संबंधित भवन मालिकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर जरूरी दस्तावेज जमा करने होंगे, अन्यथा उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है.

सात माह से मध्याह्न भोजन का बजट अटका, अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

रांची। झारखंड के सरकारी स्कूलों में बच्चों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी निभा रहे हेडमास्टर पिछले सात महीने से आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं. स्कूलों को मध्याह्न भोजन योजना की राशि नहीं मिलने के कारण प्रधानाध्यापक अपने वेतन और निजी बचत से बच्चों के भोजन का खर्च उठा रहे हैं. अब विभागीय भुगतान प्रक्रिया और वेंडर पंजीकरण के नियमों ने उनकी परेशानी और बढ़ा दी है. अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने इस स्थिति पर नाराजगी जताते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है. संघ के अनुसार, राज्य मुख्यालय से मध्याह्न भोजन मद की राशि करीब एक माह पहले ही जिला कार्यालयों को हस्तांतरित कर दी गई थी. इसके बाद जिलों के माध्यम से संबंधित विद्यालयों को राशि आवंटित की जानी है. इसके लिए प्रत्येक प्रखंड संसाधन केंद्र में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को वेंडर का पंजीकरण करना है. रांची जिला में अब तक किसी भी प्रखंड में विद्यालयों के लिए वेंडर पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है. इससे भुगतान की प्रक्रिया अटकी हुई है. हेडमास्टरों की परेशानी यह है कि महीनों तक अपनी जेब से खर्च करने के बावजूद उन्हें सीधे भुगतान नहीं किया जाएगा. प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों के अनुसार, भुगतान संबंधित दुकानदार को ही किया जाएगा और इसके लिए उसका वेंडर के रूप में पंजीकरण जरूरी है. वहीं, ग्रामीण और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में सब्जियां, मसाले और अन्य सामग्री स्थानीय दुकानों तथा हाट-बाजार से नकद खरीदी जाती हैं. ऐसी खरीदारी के लिए औपचारिक बिल उपलब्ध नहीं होने से खर्च का हिसाब और भुगतान मुश्किल हो रहा है. एलपीजी सिलेंडर और राशन दुकानदार भी लंबे समय तक उधार देने में असमर्थता जताते हैं.

बरियातू से गायब नाबालिग छात्रा बरामद, आरोपी गिरफ्तार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। राजधानी रांची के बरियातू थाना क्षेत्र से नाबालिग बच्ची के अपहरण की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया है. इस मामले में पुलिस ने आरोपी युवक जैद को गिरफ्तार किया है. फिलहाल बच्ची को मेडिकल जांच के लिए रांची के सदर अस्पताल भेजा गया है. पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है. मिली जानकारी के अनुसार, नाबालिग छात्रा को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने की शिकायत पर बरियातू पुलिस ने जांच शुरू की थी. नबालिग के गायब होने और परिवार वालो के द्वारा दिये गए आवेदन के आधार पर आरोपी जैद के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया था. अब पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बच्ची को बरामद किया और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया. मामले में बच्ची के परिजनों ने आरोप लगाया है कि बच्ची को प्रेम जाल में फंसाकर उसका माइंडवॉश किया गया था. परिजनों का यह भी आरोप है कि इस पूरे मामले में जैद के परिवार की भी भूमिका रही है. बच्ची के पिता ने दावा किया कि बच्ची को इस तरह प्रभावित किया गया था कि वह अपने धर्म के विपरीत कार्य भी करने लगी थी. बच्ची की बरामदगी के बाद उसके पिता ने राहत और खुशी जताई है.

रांची पुलिस ने 184 मामलों का किया तत्काल निपटारा, जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में मिली 236 शिकायतें, 10 मामलों में प्राथमिकी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान और पुलिस-जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से बुधवार को रांची जिले के विभिन्न थानों और ओपी में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने फरियादियों से सीधे मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और शिकायतों के त्वरित निष्पादन की दिशा में कार्रवाई की. इस दौरान कुल 236 शिकायतें और आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 184 मामलों का उसी दिन निपटारा कर दिया गया. वहीं, संवेदनशील प्रकृति के 10 मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने अनुसंधान शुरू कर दिया है. पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में जमीन विवाद, छेड़खानी, चोरी और मारपीट समेत विभिन्न तरह की शिकायतें सामने आईं. गंभीर मामलों को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर संबंधित थानों में कुल 10 प्राथमिकी दर्ज की गईं. इन मामलों में आगे की जांच शुरू कर दी गई है. वहीं, शेष शिकायतों की गुणवत्ता के साथ जांच की जा रही है, ताकि नियमानुसार उनका समाधान किया जा सके.

थाना स्तर पर सुनी गईं शिकायतें

यह कार्यक्रम जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में आयोजित किया गया, जिसमें वरीय पुलिस अधिकारियों, पुलिस उपाधीक्षकों और संबंधित थाना प्रभारियों ने हिस्सा लिया. अधिकारियों ने फरियादियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की. कार्यक्रम के दौरान सुखदेवनगर थाना में 12 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें आठ का निपटारा किया गया. सदर थाना में नौ में से छह, डोरंडा थाना में आठ में से सात और पुंदाग थाना में प्राप्त सभी सात शिकायतों का निष्पादन किया गया. लोअर बाजार और पंडरा ओपी में भी प्राप्त सभी शिकायतों का समाधान किया गया. पुलिस के इस अभियान का उद्देश्य थानों में आने वाले लोगों की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर सुनना और अनावश्यक देरी को कम करना है. शिकायतों के त्वरित निष्पादन के साथ गंभीर मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू करना इस कार्यक्रम का प्रमुख हिस्सा रहा.

जेटेट परीक्षा 1 नवंबर को, 986 केंद्रों पर दो पालियों में होगा आयोजन : एडमिट कार्ड से जुड़ी समस्या के लिए जैक ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 का आयोजन 1 नवंबर को दो पालियों में किया जाएगा. परीक्षा को लेकर राज्यभर में 986 केंद्र बनाए गए हैं. पहली पाली में कक्षा एक से पांचवीं तक और दूसरी पाली में कक्षा छह से आठवीं तक के शिक्षक बनने के इच्छुक अभ्यर्थी परीक्षा देंगे. परीक्षा को कदाचारमुक्त और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं. पहली पाली की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी. इसके लिए अभ्यर्थियों को सुबह 7:30 बजे से 9 बजे तक ही प्रवेश दिया जाएगा. सुबह 9 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं मिलेगा. वहीं, दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 4:30 बजे तक आयोजित होगी. इसके लिए दोपहर 12:30 बजे से 1:30 बजे तक प्रवेश दिया जाएगा.

परीक्षा केंद्रों पर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे समेत अन्य जरूरी इंतजाम किए गए हैं. केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू रहेगी. परीक्षार्थियों को मोबाइल फोन समेत किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लेकर केंद्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी. अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड की प्रिंटेड कॉपी और आधार कार्ड, वोटर आईडी जैसे मूल वैध फोटो पहचान पत्र साथ रखना अनिवार्य है. झारखंड अकादमिक परिषद (जैक) ने सुरक्षा और व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कुछ परीक्षा केंद्रों के नाम मंल संशोधन किया है. हालांकि, संबंधित केंद्रों के कोड में बदलाव नहीं किया गया है. अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि परीक्षा में जाने से पहले अपने एडमिट कार्ड पर दर्ज केंद्र का नाम और पता अच्छी तरह जांच लें.

समस्या होने पर हेल्पलाइन से करें संपर्क

एडमिट कार्ड डाउनलोड करने या परीक्षा से संबंधित परेशानी होने पर अभ्यर्थी जैक की हेल्पलाइन संख्या 0651-6453344 या टोल-फ्री नंबर 1800-345-6523 पर संपर्क कर सकते हैं. इसके अलावा सचिवालय की ईमेल आईडी secretary.jac2003@gmail.com पर भी अपनी समस्या भेज सकते हैं. जैक अध्यक्ष डॉ. नटवा हांसदा ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे परीक्षा संबंधी निदेशों का पालन करें और निर्धारित समय से पहले केंद्र पहुंचें. परीक्षा केंद्र, प्रवेश समय और जरूरी दस्तावेजों की जानकारी पहले ही जांच लेने से अंतिम समय की परेशानी से बचा जा सकता है.

बैंक अधिकारी बनकर साइबर ठगी, केवाईसी वेरिफिकेशन के नाम पर उड़ा लिये 4.12 लाख रुपये

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड में बैंक अधिकारी बनकर खाते के केवाईसी सत्यापन के नाम पर साइबर ठगी का एक मामला सामने आया है. शिकायतकर्ता सुपहल एक्का के बैंक खाते से कथित तौर पर 4 लाख 12 हजार 389 रुपये की निकासी कर ली गई. इस संबंध में उन्होंने साइबर अपराध शाखा, झारखंड में शिकायत दर्ज कराते हुए मामले की जांच करने और ठगी की रकम वापस दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है. शिकायतकर्ता का आरोप है कि अज्ञात लोगों ने खुद को बैंक की प्रक्रिया से जुड़ा बताकर उनसे संपर्क किया और केवाईसी पूरा कराने के बहाने धोखाधड़ी की. शिकायत में संबंधित मोबाइल नंबरों और खाते से हुए लेनदेन की जांच कर आरोपियों की पहचान करने की मांग की गई है.

शिकायत में दर्ज विवरण के अनुसार, सुपहल एक्का को 26 अक्टूबर 2026 की शाम करीब पांच बजे मोबाइल नंबर 8334011873 से फोन आया था. फोन करने वाले व्यक्ति ने बैंक खाते के केवाईसी सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कराने की बात कही. शिकायतकर्ता के मुताबिक, बातचीत के दौरान उन्हें यह विश्वास दिलाया गया कि खाते से संबंधित औपचारिकता पूरी करना आवश्यक है. इसके अगले दिन, यानी 27 अक्टूबर 2026 को, मोबाइल नंबर 7450952660 से दोबारा फोन आया.

शिकायत में बताया गया है कि फोन करने वाले व्यक्ति ने केवाईसी प्रक्रिया पूरी कराने के नाम पर बातचीत जारी रखी. यह बातचीत कथित तौर पर दोपहर करीब दो बजे तक चली. इसी दौरान शिकायतकर्ता से बैंक खाते का केवाईसी पूरा करने के लिए ओटीपी साझा करने को कहा गया. शिकायतकर्ता का आरोप है कि बैंक से संबंधित प्रक्रिया का हवाला देकर उन्हें भरोसे में लिया गया. उन्हें लगा कि वह अपने बैंक खाते का सत्यापन करा रहे हैं. हालांकि, बाद में खाते से बड़ी रकम निकलने की जानकारी सामने आई. शिकायत में दोनों मोबाइल नंबरों से किए गए संपर्क और उसके बाद हुए कथित अनधिकृत लेनदेन के बीच संबंध की जांच कराने की मांग की गई है.

सुपहल एक्का के अनुसार, उनके बैंक खाते से कुल 4,12,389 रुपये की रकम कथित तौर पर निकाल ली गई. इतनी बड़ी राशि निकलने के बाद उन्होंने मामले को गंभीर बताते हुए संबंधित साइबर अपराध शाखा से संपर्क किया. उनका कहना है कि खाते से हुए लेनदेन उनकी अनुमति के बिना किए गए और इस कारण उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा.

झारखंड में जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के लिए मुफ्त जांच शिविर आज

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड में जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के लिए निःशुल्क जांच शिविर लगाया जा रहा है. स्वास्थ्य विभाग की ओर से लातेहार में आज, 29 अक्टूबर को और रांची में 30 अक्टूबर को शिविर का आयोजन किया जाएगा. इन शिविरों में 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों की जांच की जाएगी. खास तौर पर दिल में छेद जैसी जन्मजात बीमारी से पीड़ित बच्चों को जांच और आगे के उपचार की सुविधा मिलेगी. लातेहार में शिविर का आयोजन आज सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक टाउन हॉल में, पुलिस लाइन के नजदीक किया जा रहा है. वहीं, रांची में 30 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक रिम्स ऑडिटोरियम में शिविर लगाया जाएगा. स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को लेकर शिविर में पहुंचें, ताकि समय पर उनकी जांच कर आगे के इलाज की प्रक्रिया शुरू की जा सके.

शिविर में एट्रियल सेप्टल डिफेक्ट, वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट और पेटेंट डक्टस आर्टेरियोसस जैसी जन्मजात हृदय संबंधी समस्याओं की जांच की जाएगी. जांच के बाद चिकित्सकीय जरूरत के अनुसार बच्चों को उपचार और ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी. इस अभियान में अमृता अस्पताल की टीम सहयोग कर रही है और टीम संबंधित जिले में पहुंच चुकी है. शिविर में पंजीकरण और अन्य जानकारी के लिए अभिभावक आरबीएसके के राज्य समन्वयक मुकेश कुमार से मोबाइल नंबर 6205524109 और आदित्य कुमार से 6287972253 पर संपर्क कर सकते हैं. इसके अलावा, संबंधित जिले के सिविल सर्जन कार्यालय, नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र या स्वास्थ्य हेल्पलाइन नंबर 104 से भी जानकारी ली जा सकती है. अभिभावकों को सलाह दी जाती है कि शिविर में जाने से पहले फोन पर पंजीकरण और जरूरी दस्तावेजों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर लें.

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, इस पहल के तहत पात्र बच्चों को निःशुल्क जांच, उपचार और ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी. जरूरत के अनुसार बच्चों और उनके अभिभावकों के आने-जाने, अस्पताल में रहने और भोजन की व्यवस्था भी की जाएगी. ऑपरेशन के बाद फॉलो-अप और घर वापसी तक बच्चों की देखभाल सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा. यह अभियान राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम और अमृता अस्पताल के सहयोग से चलाया जा रहा है. स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, इसी वर्ष झारखंड के 300 से अधिक बच्चों को जन्मजात हृदय रोग के उपचार के लिए अमृता अस्पताल, कोच्चि और सत्य साई अस्पताल, अहमदाबाद भेजा गया था, जहां उनकी निःशुल्क सर्जरी कराई गई. इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है. स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के इलाज में आर्थिक परेशानी बाधा नहीं बननी चाहिए. सरकार जरूरतमंद बच्चों की जांच, उपचार और ऑपरेशन के लिए सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि यदि उनके आसपास कोई ऐसा बच्चा है जिसके दिल में जन्मजात छेद है और आर्थिक तंगी के कारण उसका इलाज नहीं हो पा रहा है, तो इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग तक पहुंचाएं.

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ रैली की तैयारी को लेकर तमाड़ मंडल भाजपा की बैठक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



तमाड़। रांची में आगामी 2 नवंबर को प्रस्तावित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ रैली की तैयारियों को लेकर गुरुवार को तमाड़ मंडल भाजपा की बैठक कामधेनु ढाबा में आयोजित की गई। बैठक में रैली को सफल बनाने को लेकर मंडल स्तर से लेकर बूथ और शक्ति केंद्र तक के कार्यकताओं को जिम्मेदारियां सौंपने तथा अधिक से अधिक कार्यकताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई।

बैठक प्रभारी रनजित लाहेरी ने कहा कि रैली की सफलता के लिए बूथ से लेकर शक्ति केंद्र और मंडल स्तर तक सभी कार्यकताओं को सूचना देकर सक्रिय किया जाए। उन्होंने कार्यकताओं से 2 नवंबर को अधिक से अधिक संख्या में रांची पहुंचकर रैली को सफल बनाने का आह्वान किया। मंडल प्रभारी एवं वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता लक्ष्मण सिंह मुंडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल लोकतांत्रिक व्यवस्था को बदनाम कर लोगों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों का सामूहिक एकता के साथ जवाब देने की जरूरत है। 2 नवंबर की रैली को उन्होंने कार्यकताओं के लिए महत्वपूर्ण चुनौती बताते हुए अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की। बैठक में मंडल अध्यक्ष महावीर सोनी, महामंत्री विवेक गुप्ता, बैठक प्रभारी रनजित लाहेरी, मंडल प्रभारी धीरेन महतो, पूर्व जिला एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता लक्ष्मण सिंह मुंडा, मंडल महामंत्री भारती कुमारी, महिला मोर्चा अध्यक्ष सीता देवी, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष चंदन साहू, उपाध्यक्ष उदय महतो, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र साहू, राज मिर्धा, बड़का मिर्धा समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

तालझारी में मिठुन पहाड़िया हत्याकांड का खुलासा, तीन नामजद आरोपी गिरफ्तार

पत्थर से सिर के पिछले हिस्से पर वार करने से हुई थी मौत, पुलिस ने तीनों आरोपियों को भेजा न्यायिक हिरासत में

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



साहिबगंज।तालझारी थाना क्षेत्र के मेंहदी गांव में मिठुन पहाड़िया हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वारना हाँसदा (19), बेटका किस्कु (करीब 19) और वीरधन सोरेन (करीब 19) के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को 29 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 28 अक्टूबर 2026 की शाम करीब 6:30 बजे तालझारी थाना को सूचना मिली कि मेंहदी गांव में मिठुन पहाड़िया की हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही वरीय पुलिस पदाधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई। इसके बाद पुलिस अधीक्षक, साहिबगंज के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, राजमहल के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में नामजद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच पहले गाली-गलौज हुई थी, जिसके बाद मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान वारना हाँसदा ने पत्थर से मिठुन पहाड़िया के सिर के पिछले हिस्से पर जोरदार वार कर दिया। इस हमले में मिठुन पहाड़िया की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पत्नी सोनी मालतो के लिखित आवेदन के आधार पर तालझारी थाना कांड संख्या 186/2026, दिनांक 29 अक्टूबर 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1)/3(5) में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान

गिरफ्तार आरोपियों में वारना हाँसदा, पिता स्व. दानियल हाँसदा, निवासी मेंहदी पोखर; बेटका किस्कु, पिता स्व. माँझी किस्कु, निवासी मेंहदी पोखर; तथा वीरधन सोरेन, पिता स्व. भागवत सोरेन, निवासी बाँसकोला, थाना तालझारी, जिला साहिबगंज शामिल हैं।

छापेमारी दल में ये पुलिस पदाधिकारी थे शामिल

छापेमारी दल में पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन, राजमहल; तालझारी थाना प्रभारी पु०अ०नि० नितेश कुमार पाण्डेय; पु०अ०नि० विकास सेठ, पु०अ०नि० कन्हैया प्रसाद साह, पु०अ०नि० राम सिंह बोपाई, स०अ०नि० मनीष रंजन, स०अ०नि० रंजय यादव तथा तालझारी थाना रिजर्व गार्ड के जवान शामिल थे।

गरम चाय में गिरकर दो वर्षीय बच्ची झुलसी, गंभीर हालत में रेफर

राजमहल/साहिबगंज।थाना क्षेत्र के फुलवरिया गांव में गुरुवार को गरम चाय में गिरने से झुलस कर एक दो वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार सफीकुल शेख की दो वर्षीय पुत्री सौम्या खातून घर में खेल रही थी। उसी दौरान बच्ची की मां गर्म चाय बनाकर नीचे रखी थी। तभी बच्ची खेलते खेलते गर्म चाय के ऊपर गिर गई और गंभीर रूप से झुलस गई। परिजनों के द्वारा इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर सादिक अंसारी ने प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर स्थिति में बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया।

झामुमो जिलाध्यक्ष ने मंडरो प्रखंड विकाश पदाधिकारी से की मुलाकात

मंडरो/साहिबगंज।झामुमो जिलाध्यक्ष अरुण सिंह , केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा ने गुरुवार को मंडरो प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी मेघनाथ उरांव के कार्यालय में मुलाकात करते हुए एसआईआर मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण कार्य का आकलन किया। मौके पर जिला उपाध्यक्ष जेम्स किस्कू, प्रखंड कमेटी अध्यक्ष सुबोध सोरेन समेत अन्य मौजूद थे।

प्रयोगशाला प्रावैधिक सचिन कुमार साह के आकस्मिक निधन से शोक की लहर, अस्पताल कर्मियों ने दी श्रद्धांजलि



राजमहल/साहिबगंज। अनुमंडल अस्पताल राजमहल में पदस्थापित प्रयोगशाला प्रावैधिक सचिन कुमार साह के आकस्मिक निधन से अस्पताल परिसर में शोक की लहर दौड़ गई। उनका निधन 28 अक्टूबर 2026 को हो गया। वे मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर जिले के वाजिदपुर निवासी थे और वर्ष 2010 से अनुमंडल अस्पताल राजमहल में कार्यरत थे। गुरुवार को अस्पताल के पदाधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। साथ ही शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना की। सहकर्मियों ने बताया कि सचिन कुमार साह मृदुभाषी, मिलनसार एवं कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी थे। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान दिन-रात अपनी सेवाएं देकर महत्वपूर्ण योगदान दिया था। विषम परिस्थितियों में भी वे अपने कार्य के प्रति सदैव सजग एवं समर्पित रहते थे। उनके निधन को अस्पताल परिवार ने अपूरणीय क्षति बताते हुए शोक संतप्त परिजनों के साथ खड़े रहने का संकल्प लिया।

चार देशी कट्टा, एक बंदूक व गोली के साथ युवक गिरफ्तार, आर्म्स एक्ट में भेजा गया जेल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



साहिबगंज।मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक युवक को अवैध चार देशी कट्टा, एक देशी बंदूक, एक जिंदा गोली, एक खोखा के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुशील कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। आगे उन्होंने बताया कि 29 अक्टूबर को करीब 1.00 बजे रात्री में पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली कि मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत महादेवगंज मुस्लिम टोला के पास मो. राजा पिता शेख रफिक नागवक व्यक्ति अवैध हथियार कि खरिद बिक्री करता है। अभी कई अवैध हथियार बिक्री करने के उदेश्य से लाया है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्यवाई हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा गुफ्फसिल थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल के द्वारा त्वरित कार्यवाई करते हुए महादेवगंज मुस्लिम टोला स्थित मो० राजा के घर पहुंचे तो एक व्यक्ति मिला जिससे पुछ ताछ किया गया तो उसने आपना नाम मो० राज पिता शेख रफिक बताया, उससे कड़ाई से पूछ ताछ करने पर उसने बाताय कि वह अवैध देशी कट्टा, देशी बंदुक एवं गोलीयो का खरिद बिक्री करता है, जो मिहीर महतो, पता खुरपीट चपरी, थाना ठाकुर गंगटी, जिला गोड्डा से खरीद कर लाता है। मो० राजा के निसानदेही पर उसके घर से चार अवैध देशी कट्टा एवं एक अवैध देशी बंदुक, एक जिन्दा गोली तथा क खोखा बरामद किया गया। तथा विधिवत जाती सूची बनाकर जप्त किया गया और मो. राजा को विधिवत गिरफ्तार किया। इससे सम्बन्धित मुफ्फसिल थाना काण्ड संख्या 129/26, धारा- 25 (1-8)E/26/35 आर्म्स एक्ट काण्ड दर्ज किया गया। उसके बाद पुलिस ने आरोपी को कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद जेल भेज दिया। मौके पर छापामारी दल में पुनि अमित गुप्ता, नगर प्रभाग, साहेबगंज, पुअनि अनिश कुमार पाण्डेय, थाना प्रभारी, पुअनि विक्रम कुमार, सअनि रविन्द्र कुमार सिंह, सअनि केशव मालाकार, आ-517 मिथिलेश कुमार आ-184 रामस्वरुप प्रसाद, शामिल थे।

दूध लदे वैन और बालू लदे ट्रैक्टर में टक्कर, चालक बाल-बाल बचा



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज।बोरियो-बरहेट मुख्य पथ पर जिरूल मोड़ के पास अहले सुबह दूध लदे वैन संख्या डब्ल्यूबी 57 एफ (0683) और बालू लदे ट्रैक्टर के बीच टक्कर हो गई। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। टक्कर के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। हालांकि, दुर्घटना में किसी के घायल होने की जानकारी नहीं मिली है। मिली जानकारी के अनुसार माँ तारा डेयरी का दूध लदा वैन बंगाल के नदिया जिले के करीमपुर से दूध लेकर बोरियो की ओर आ रहा था। जिरूल मोड़ के पास पहले से बिना नम्बर के बालू लदा ट्रेक्टर खड़ी थी। संतुलन खो देने से वैन ट्रेक्टर से टकरा गया। दुर्घटना में वैन चालक रतन मंडल बाल-बाल बचे। रतन मंडल ने बताया कि वे करीमपुर से माँ तारा डेयरी का दूध लेकर प्रतिदिन आते हैं। बोरियो एवं साहिबगंज में दूध का वितरण करते हैं। बुधवार शाम पांच बजे दूध लेकर चले थे। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। घटना की सूचना थाना प्रभारी ओम प्रकाश चौहान को दी गयी। थाना प्रभारी ने बताया कि पेट्रोलिंग पार्टी को मौके पर भेजा गया है। इधर ग्रामीणों में चर्चा है कि बोरियो में बिना नम्बर प्लेट के ट्रेक्टर धड़ल्ले से चलाया जा रहा है।

बरहरवा के वृद्धा व विधवा पेंशनधारियों को महीनों से नहीं मिली पेंशन, जनप्रतिनिधियों ने उठाई भुगतान की मांग



एक सप्ताह के भीतर पेंशन भुगतान करने की मांग, मांग पूरी नहीं होने पर अंचल कार्यालय में जन आंदोलन की चेतावनी

बरहरवा/साहिबगंज। बरहरवा नगर पंचायत क्षेत्र के वृद्धा एवं विधवा पेंशनधारियों को पिछले कई महीनों से पेंशन का भुगतान नहीं होने का मामला सामने आया है। इसे लेकर नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने नाराजगी जताते हुए जिला प्रशासन से सभी लंबित पेंशन का अविलंब भुगतान सुनिश्चित कराने की मांग की है। इस संबंध में 29 अक्टूबर को अंचलाधिकारी, बरहरवा के माध्यम से उपायुक्त, साहिबगंज को आवेदन सौंपा गया है। आवेदन में जनप्रतिनिधियों ने कहा है कि बरहरवा नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना (IGNOAPS) एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना (IGNWPS/AGNWPS) के लाभार्थियों को कई महीनों से पेंशन नहीं मिलने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई है। पेंशन पर निर्भर बुजुर्गों और विधवा महिलाओं को रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई लाभार्थी बीमारी से ग्रस्त हैं और आर्थिक तंगी के कारण उनके सामने भोजन एवं इलाज की समस्या उत्पन्न हो रही है। जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए एक सप्ताह के भीतर सभी पात्र पेंशनधारियों की लंबित पेंशन का भुगतान कराया जाए, ताकि जरूरतमंदों को राहत मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर भुगतान नहीं होने पर जनहित में अंचल कार्यालय में जन आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस आवेदन की प्रतिलिपि उपायुक्त, साहिबगंज को भी भेजी गई है, ताकि जिला स्तर पर मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा सके। आवेदन पर बरहरवा नगर पंचायत के उपाध्यक्ष रविन्द्र भगत सहित विभिन्न वार्डों के जनप्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर कर पेंशनधारियों की समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की है।

कोटालपोखर में लगा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर, नेपाल से पहुंचे डॉक्टरों ने जांची सैकड़ों आंखें

झारखंड उजाला संवाददाता



बरहरवा/साहिबगंज। स्थानीय कोटालपोखर उच्च विद्यालय मैदान में पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रणव सिंह के सौजन्य से एक दिवसीय निःशुल्क आंख जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कोटालपोखर बाजार सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई। शिविर में आंख की जांच के लिए विशेष रूप से नेपाल से नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम पहुंची थी। टीम में डॉक्टर राम कुमार रॉय, डॉक्टर बीरेंद्र रॉय एवं डॉक्टर डंबर मंडल शामिल थे, जिन्होंने मरीजों की आंखों की गहनता से जांच की और उचित परामर्श व दवाएं दीं। शिविर को सफल बनाने में कोटालपोखर पंचायत समिति सदस्य रंजीत साह, राजेश साह बेगमगंज पंचायत के खगेन कुमार साहा सहित अन्य स्थानीय गणमान्य लोगों का सराहनीय योगदान रहा। ग्रामीणों ने इस जनकल्याणकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह के शिविर लगने से जरूरतमंदों को घर के पास ही विशेषज्ञ डॉक्टरों से बेहतर उपचार की सुविधा मिल जाती है।

बरहरवा में 6 दिसंबर को दौड़ेगा देशभर का जुनून, हाफ मैराथन के विजेता को मिलेंगे 51 हजार रुपये

झारखंड उजाला संवाददाता

नया टोला युवा समिति की पहल पर 22 किलोमीटर की दौड़ प्रतियोगिता का होगा आयोजन, 1 दिसंबर तक पंजीकरण का मौका



बरहरवा/साहिबगंज। युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने और शारीरिक फिटनेस के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से नया टोला युवा समिति, बरहरवा की ओर से 6 दिसंबर 2026 को 22 किलोमीटर हाफ मैराथन दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता सुबह 7 बजे नया टोला, बरहरवा में शुरू होगी। इसमें देशभर के धावकों को अपनी प्रतिभा और दमखम दिखाने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता को लेकर आयोजकों की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण विजेताओं के लिए निर्धारित आकर्षक पुरस्कार राशि है। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले धावक को 51 हजार रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 31 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागी को 15 हजार रुपये देकर सम्मानित किया जाएगा। पंजीकरण की अंतिम तिथि 1 दिसंबर आयोजकों के अनुसार, हाफ मैराथन में भाग लेने के इच्छुक धावकों को 1 दिसंबर 2026 तक अपना पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद पंजीकरण बंद कर दिया जाएगा। वहीं, पंजीकृत प्रतिभागियों को आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के लिए 5 दिसंबर को आयोजन स्थल पर पहुंचना अनिवार्य होगा।

फिटनेस और खेल भावना को बढ़ावा देना उद्देश्य

नया टोला युवा समिति की इस पहल का उद्देश्य युवाओं को नियमित व्यायाम और खेलकूद के लिए प्रेरित करना है। आयोजकों का मानना है कि इस तरह के आयोजन से युवाओं में अनुशासन, मेहनत, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होगी। साथ ही, स्थानीय स्तर पर खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मंच मिलेगा और बरहरवा को खेल गतिविधियों के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने में मदद मिलेगी।

इन नंबरों पर मिलेगी जानकारी

प्रतियोगिता में शामिल होने और पंजीकरण से संबंधित जानकारी के लिए गौरव झा (7909024546), विजय यादव (9110143509) और सौमिक सरकार (9006414125) से संपर्क किया जा सकता है। आयोजकों ने देशभर के धावकों से समय पर पंजीकरण कराकर प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की है।

युवती को शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोपित गिरफ्तार



दुमका। जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र की रहने वाली एक युवती से पाकुड़ का रहने वाला एक युवक को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया गया है। आरोपित का नाम अनिल किस्कू है। जानकारी के अनुसार आरोपित पर युवती से दो वर्षों से शादी का प्रलोभन देकर यौन शोषण आरोप था। इस बीच पीड़िता ने छह माह पूर्व एक बच्चे को भी जन्म दिया। बाद में जब युवक शादी से मुकर गया तो युवती ने थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी।शिकायत पर पुलिस ने आरोपित युवक अनिल किस्कू को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। अनिल पहले से ही शादीशुदा है और दो बच्चों का पिता है। लिखित शिकायत के अनुसार एक फुटबॉल मैच देखने के क्रम में उसकी मुलाकात अनिल से हुई थी। बाद में दोनों नजदीकियां बढ़ी।अनिल ने यह बात छुपाया कि वह दो बच्चे का पिता है। उसने शादी का प्रलोभन देकर लगातार युवती के साथ यौन शोषण करता रहा। इसी बीच पीड़िता ने छह माह पूर्व एक बच्चों को जन्म भी दिया। इसके बाद वह लगातार अनिल पर शादी का दबाव बनाने लगी लेकिन वह शादी को टालता गया और बाद में मुकर गया। पुलिस मामले में थाना में मामला दर्ज किया है।इधर, संयोगवश आरोपित अनिल किस्कू शिकारीपाड़ा बाजार आया हुआ था, जिसे गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपित को जेल भेज दिया गया, जबकि पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए दुमका स्थित फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत छात्राओं को बाल अधिकार, आत्मरक्षा, माहवारी स्वच्छता एवं नशामुक्ति के प्रति किया गया जागरूक

झारखंड उजाला संवाददाता



मंडरो/साहिबगंज।बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, मंडरो में ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्ल अभियान के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास के निदेर्शानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं को बाल अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा, आत्मरक्षा एवं आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम में संरक्षण पदाधिकारी सुश्री चंदा कुमारी ने छात्राओं को सुरक्षित वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य एवं संरक्षण के महत्व से अवगत कराते हुए विपरीत परिस्थितियों में साहसपूर्वक सामना करने और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया।इस दौरान गुड टच-बैड टच, ढडउरड अधिनियम, बाल विवाह एवं बाल श्रम निषेध, किशोर न्याय अधिनियम तथा व्यक्तिगत सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। साथ ही सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, स्पॉन्सरशिप, फोस्टर केयर, आफ्टर केयर, दत्तक ग्रहण, सखी वन स्टॉप सेंटर एवं आपातकालीन हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में भी बताया गया।छात्राओं को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के प्रति जागरूक करते हुए सैनिटरी पैड वितरित किए गए। साथ ही नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देकर नशामुक्त जीवन अपनाने का संकल्प दिलाया गया। पर्यावरण संरक्षण एवं बेटियों के सम्मान का संदेश देते हुए ह्यएक पौधा बेटी के नामह्ल पहल के तहत पौधारोपण भी किया गया।कार्यक्रम में चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक मोहम्मद इकबाल, सुपरवाइजर श्री अवधेश कुमार एवं मंथन संस्था की सुश्री जूली टुडू सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

महागामा में सड़क हादसे में तीनपहाड़ के युवक की मौत, गांव में पसरा मातम





झारखंड उजाला संवाददाता

तीनपहाड़/साहिबगंज।तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के पड़रिया प्रमुख टोला निवासी 22 वर्षीय रौशन कर्मकार की महागामा में हुए एक भीषण सड़क हादसे में मौत हो गई।परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार बीते बुधवार की रात रौशन बाइक पर सवार होकर महागामा से वापस हावाजोड़ गांव स्थित अपनी फुआ के घर जा रहा था। तभी जय नारायण प्लस टू उच्च विद्यालय के समीप यह भीषण हादसा हो गया।बताया जा रहा है कि रौशन पिछले करीब 25 दिनों से अपनी फुआ के घर पर ही रह रहा था। मृतक रौशन ने इसी वर्ष तीनपहाड़ इंटर कॉलेज से 12वीं पास की थी।अभी साल भर पहले ही रौशन की मां का निधन हुआ था, जिसके गम से परिवार पूरी तरह उबर भी नहीं पाया था कि इस हादसे ने परिवार को झकझोर कर रख दिया। रौशन दो भाइयों में बड़ा था। उसकी मौत की खबर सुनते ही पूरे पड़रिया गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

एशियन पैरा गेम्स में कांस्य जीतकर लोहरदगा लौटीं संजना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

जिले में हुआ भव्य स्वागत









लोहरदगाः जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन पैरा गेम्स 2026 में महिला एकल एसएल-3 पैरा बैडमिंटन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर लोहरदगा की बेटी संजना कुमारी वर्मा गुरुवार को अपनी जन्मभूमि लौटीं। राजधानी एक्सप्रेस से लोहरदगा पहुंचने पर रेलवे स्टेशन पर उसका गाजे-बाजे और फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। संजना एशियन गेम्स में पदक जीतने वाली लोहरदगा जिले की पहली खिलाड़ी हैं। उनकी इस उपलब्धि से जिले में खुशी और गर्व का माहौल है।

उनके स्वागत के लिए जिला खेल विभाग, जिला बैडमिंटन एसोसिएशन, अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के प्रतिनिधि, खेल प्रेमी, परिवार के सदस्य और शुभचिंतक स्टेशन पहुंचे थे। सभी ने संजना को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।।ओलंपिक में तिरंगा लहराना लक्ष्य स्वागत के दौरान संजना कुमारी वर्मा ने कहा कि उनके दादाजी सैनिक रहे हैं और उनके पिता भी सैनिक हैं। वह स्वयं एक सैनिक की बेटी हैं। उनके भीतर देशभक्ति का जज्बा कूट-कूटकर भरा है। मरते दम तक तिरंगा लहराना उनका उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि एशियन पैरा गेम्स में जापान की खिलाड़ी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इससे उनका हौसला कम नहीं हुआ है। वह अपनी कमियों को दूर कर और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगी। उनका लक्ष्य ओलंपिक तक पहुंचना और देश के लिए पदक जीतना है। अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर तिरंगा लहराना उनके लिए सबसे बड़ा गौरव होगा।

सरकारी मदद नहीं मिलने का जताया मलाल

संजना ने झारखंड सरकार से अब तक किसी तरह की मदद नहीं मिलने का मलाल भी जताया है। उन्होंने बताया कि इससे पहले चीन जाने के लिए लोहरदगा के तत्कालीन उपायुक्त द्वारा हिंडाल्को के सहयोग से उनके टिकट की व्यवस्था कराई थी। संजना ने अपने खेल सफर में सहयोग और सुविधाओं की जरूरत पर जोर देते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में उन्हें बेहतर प्रशिक्षण और तैयारी के लिए आवश्यक सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने और पदक जीतने के लिए निरंतर अभ्यास तथा बेहतर संसाधन जरूरी हैं।

खिलाड़ियों के लिए बनीं प्रेरणा

संजना की उपलब्धि लोहरदगा के खेल जगत के लिए गौरवपूर्ण है। उनकी सफलता सीमित संसाधनों के बावजूद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का सपना देखने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। कांस्य पदक जीतकर उन्होंने साबित किया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, मेहनत और लगन से बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। स्वागत के मौके पर जिला खेल पदाधिकारी उपवन बाड़ा, जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. गणेश प्रसाद, सचिव रंजीत साहू, अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष किशोर कुमार वर्मा, केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के महामंत्री कुणाल वर्मा, सचिन कुमार, संजना के पिता रतन कुमार, दादाजी रामु राम वर्मा सहित परिवार के सदस्य, खेल प्रेमी, मोहल्ले के गणमान्य लोग और शुभचिंतक मौजूद थे।

जेटेट परीक्षा को लेकर प्रशासन सख्त, 45 केंद्रों पर रहेगी कड़ी निगरानी



देवघर। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट-2026) के सफल और कदाचारमुक्त संचालन को लेकर गुरुवार को सूचना भवन सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई।बैठक में अधिकारियों, दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को परीक्षा की तैयारियों एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।उपायुक्त ने बताया कि एक नवंबर 2026 को देवघर एवं मधुपुर अनुमंडल के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में जेटेट की परीक्षा आयोजित होगी। जिले के सभी 45 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा को निष्पक्ष और कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उपायुक्त ने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, स्टैटिक मजिस्ट्रेटों, गश्ती दलों और केंद्राधीक्षकों को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया। उन्होंने निर्देश दिया कि परीक्षा शुरू होने से पहले सभी प्रतिनियुक्त अधिकारी अपने-अपने परीक्षा केंद्रों का भौतिक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, बिजली, पेयजल, बैठने की व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं की जांच सुनिश्चित करें। सभी केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती तथा परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करने को कहा गया।बैठक में पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं होमगार्ड के जवान तैनात रहेंगे। गश्ती दल और फ्लाइंग स्क्वाड लगातार सक्रिय रहेंगे, ताकि किसी भी अप्रिय घटना या अनुचित गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।एसपी ने कहा कि परीक्षा में कदाचार का प्रयास करने, कानून-व्यवस्था बिगाड़ने या अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल लोगों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने साइबर सेल को भी सक्रिय रहने का निर्देश दिया। सोशल मीडिया पर प्रश्नपत्र लीक होने की अफवाह, भ्रामक खबर या गलत जानकारी फैलाने वालों पर निगरानी रखी जाएगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।परीक्षा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले के सभी 45 परीक्षा केंद्रों के 500 गज के दायरे में एक नवंबर की सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी। इस अवधि में परीक्षा केंद्रों के आसपास अनधिकृत रूप से लोगों के जुटने और भीड़ लगाने पर प्रतिबंध रहेगा।बैठक में उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, अपर समाहर्ता हीरा कुमार, देवघर के अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, मधुपुर के अनुमंडल पदाधिकारी राजीव कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, जिला योजना पदाधिकारी मुकेश कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, मुख्यालय डीएसपी, ट्रैफिक डीएसपी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

कुएं में डूबने से 80 वर्षीय वृद्ध की मौत, गांव में पसरा मातम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़/गोला। रामगढ़ जिले के गोला थाना क्षेत्र अंतर्गत तोयर गांव में कुएं में डूबने से एक वृद्ध व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक की लहर फैल गई। मृतक की पहचान रामदयाल महतो (लगभग 80 वर्ष), स्वर्गीय पिता जादू महतो के रूप में बताई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामदयाल महतो अचानक फिसलकर कुएं में गिर गए और डूबने से उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने काफी प्रयास के बाद वृद्ध के शव को कुएं से बाहर निकाला। इस दुखद घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।मुखिया ने घटनास्थल पर पहुंचकर जताया दुख घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय मुखिया प्यारे लाल महतो घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने वृद्ध की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में ईश्वर परिवार को धैर्य और दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। घटना के बाद पुलिस को सूचना देने की बात कही गई है। फिलहाल घटना को लेकर गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।

रामगढ़ में 1 नवंबर को होगी JTET परीक्षा: 50 केंद्रों पर 20,293 अभ्यर्थी होंगे शामिल, डीसी-एसपी ने की संयुक्त ब्रीफिंग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़। आगामी 1 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाली झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (JTET) 2026 के सफल, शांतिपूर्ण, पारदर्शी और कदाचारमुक्त आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त ऋतुराज और पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत की संयुक्त अध्यक्षता में ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा कार्य में प्रतिनियुक्त सभी दंडाधिकारियों, संबंधित पदाधिकारियों, केंद्राधीक्षकों और जिम्मेदार कर्मियों को परीक्षा संचालन से जुड़े आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

50 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में होगी परीक्षा

रामगढ़ जिले में JTET 2026 के आयोजन के लिए कुल 50 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। यह परीक्षा दो पालियों में संपन्न होगीः

प्रथम पालीः सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक (इसमें 13,734 अभ्यर्थी शामिल होंगे)।

द्वितीय पालीः दोपहर 2:00 बजे से अपराह्न 4:30 बजे तक (इसमें 6,559 अभ्यर्थी शामिल होंगे)।

कुल अभ्यर्थीः दोनों पालियों को मिलाकर कुल 20,293 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

शुचिता और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताः डीसी

उपायुक्त ने सभी केंद्राधीक्षकों और प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को निर्धारित मानक संचालन प्रक्रियाओं (SOP) का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, पेयजल, स्वच्छता, शौचालय और बैठने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। डीसी ने स्पष्ट किया कि परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजामः एसपी पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने और सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को पूरी सतर्कता बरतने तथा किसी भी अवांछित गतिविधि पर त्वरित कार्रवाई करने को कहा।

जिला प्रशासन ने सभी संबंधितों से अपील की है कि वे निर्धारित दिशा-**निदेर्शों का अक्षरशः** पालन करते हुए परीक्षा को पूरी तरह सुव्यवस्थित और कदाचारमुक्त ढंग से संपन्न कराएं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता चंद्रशेखर मिश्रा पंचतत्व में विलीन, नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई



पूर्वी सिंहभूम। जनसंघ के दौर से भारतीय जनता पार्टी को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जमशेदपुर महानगर के पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर मिश्रा का गुरुवार को पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। भुइयांडीह स्थित स्वर्णरेखा बर्निंग घाट पर उनके बड़े पुत्र नवीन मिश्रा ने मुखाग्नि दी। इस दौरान भाजपा नेताओं, कार्यकताओं और शुभचिंतकों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। पार्टी का ध्वज ओढ़ाकर उन्हें सम्मानपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की गई।चंद्रशेखर मिश्रा के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार से पहले साकची स्थित भाजपा जिला कार्यालय लाया गया। यहां उनके अंतिम दर्शन के लिए नेताओं और कार्यकताओं की भारी भीड़ उमड़ी। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सांसद विद्युत वरण महतो, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा एवं आभा महतो, पूर्व विधायक मेनका सरदार, जिला प्रभारी बबन गुप्ता और महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा सहित अनेक नेताओं ने पार्थिव शरीर पर पार्टी का ध्वज ओढ़ाकर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान कार्यकताओं ने ह्यचंद्रशेखर बाबा अमर रहेंह्ल के नारे लगाकर अपने प्रिय नेता को श्रद्धांजलि दी।स्वर्णरेखा बर्निंग घाट पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने भी अंतिम दर्शन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं, भालूबासा के इंद्रानगर स्थित उनके आवास पर भी अंतिम दर्शन के लिए लोगों का तांता लगा रहा। विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने उनके निधन पर शोक जताते हुए उनके योगदान को याद किया।

रामगढ़ में सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त: डीसी की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक, दिए गए कई अहम निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़। जिला समाहरणालय सभाकक्ष में गुरुवार को उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत की उपस्थिति में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करना, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और शहर को जाम की समस्या से मुक्ति दिलाना था।

हिट एंड रन मामलों में 20 आवेदकों को मिली 2 लाख की सहायता राशि

बैठक के दौरान 'हिट एंड रन' दुर्घटनाओं से संबंधित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश एक्का को लंबित मामलों का जल्द से जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया। परिवहन पदाधिकारी ने जानकारी दी कि इस महीने 'हिट एंड रन' के मामलों में 20 आवेदकों को प्रति आवेदक 2 लाख रुपए की सहायता राशि उपलब्ध कराई गई है। चुट्टुपालू घाटी में दुर्घटनाओं पर लगाम कसने की तैयारी कुख्यात चुट्टुपालू घाटी में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विशेष समीक्षा की गई। डीसी ने घाटी में लगी लाइटों की कार्यप्रणाली की जांच की तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों (ब्लैक स्पॉट) को चिन्हित कर सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। साथ ही, साइन बोर्ड की संख्या बढ़ाने, ओवर स्पीडिंग पर रोक लगाने, हाई मास्ट लाइट लगाने और सीसीटीवी कैमरों को दुरुस्त रखने पर जोर दिया गया।

सख्त निर्देश और प्रमुख बिंदुः

'नो हेलमेट नो पेट्रोल' अभियानः जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर 'हेलमेट नहीं, तो पेट्रोल नहीं' नियम का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए चालान काटे जाएंगे।

अतिक्रमण मुक्तिः शहर को जाम से निजात दिलाने के लिए सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने का सख्त निर्देश दिया गया है, ताकि यातायात सुगम हो सके।

सघन वाहन जांचः सड़क सुरक्षा नियमों के अनुपालन और अवैध परिवहन पर रोक के लिए जिले भर में सघन वाहन जांच अभियान चलाया जाएगा।

गुड सेमेरिटन सम्मानः सड़क दुर्घटनाओं के दौरान घायलों की मदद करने और बेहतर कार्य करने वाले नागरिकों (गुड सेमेरिटन) को सम्मानित करने का भी निर्देश दिया गया है। बैठक में जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों और विभिन्न संबंधित विभागों के प्रमुख सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कुडू बाजार में अवैध वसूली पर लगेगी रोक, टोकन से लिया जाएगा शुल्क

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय, दलाली बंद करने और किसान-व्यापारियों के हितों की रक्षा पर जोर

लोहरदगाः कुडू बाजार में अवैध वसूली पर रोक लगाने और शुल्क वसूली में पारदर्शिता लाने को लेकर गुरुवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बाजार में चुंगी के रूप में निर्धारित शुल्क कानून के अनुरूप ही लिया जाएगा। शुल्क के बदले व्यापारियों को टोकन देना अनिवार्य होगा। बिना टोकन किसी भी व्यापारी से वसूली नहीं की जाएगी।बैठक में बाजार में दलाली पूरी तरह बंद करने पर भी सहमति बनी। वक्ताओं ने कहा कि ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित लाभ मिले और व्यापारियों को भी कारोबार करने में परेशानी न हो। पारदर्शी व्यवस्था से ही बाजार में किसानों और व्यापारियों का भरोसा कायम रहेगा। साथ ही, व्यापारी बाजार आने से हिचकेंगे नहीं और बाजार की गतिविधियां सुचारू रूप से चल सकेंगी।बैठक में जिला परिषद के प्रतिनिधि, कुडू थाना प्रभारी, अंचलाधिकारी, कुडू की मुखिया सुषमा देवी, पंडरा की मुखिया मुमताज पंवरिया, आदिवासी छात्र संघ के जिला अध्यक्ष अवधेश उरांव, जिंगी पंचायत के उपमुखिया सूरज शाहदेव, हेंजला पंचायत के उपमुखिया अखिलेश सिंह, शुभम कुमार, आनंद यादव, संतोष साहू सहित बाजार ठेकेदार, व्यापारी, किसान और दुकानदार बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो, इसलिए 15 महीनों से अपने निजी वेतन से शिक्षकों को मानदेय दे रहे डॉ. जयराम महतो

झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू



रामगढ़। झारखंड के डुमरी विधायक डॉ. जयराम कुमार महतो द्वारा ग्रामीण शिक्षा को जारी रखने के लिए किए जा रहे सहयोग का मामला चर्चा में है। जानकारी के अनुसार, वे डुमरी प्रखंड के कुलगो स्थित ग्रामीण जनता उच्च विद्यालय के शिक्षकों को पिछले करीब 15 महीनों से अपने निजी वेतन से मानदेय का भुगतान कर रहे हैं। उनका प्रयास है कि आर्थिक संकट के कारण बच्चों की पढ़ाई किसी भी परिस्थिति में बाधित न हो। डॉ. जयराम कुमार महतो का बचपन भी संघर्षों के बीच गुजरा है। पढ़ाई के दौरान उन्हें अपने मित्रों और साथियों से सहायता लेनी पड़ी थी। उनके जीवन के ये अनुभव ग्रामीण बच्चों की शिक्षा के प्रति उनकी संवेदनशीलता की एक वजह माने जा सकते हैं। वे चाहते हैं कि आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलता रहे। डुमरी प्रखंड के कुलगो गांव में सरकारी विद्यालय की दूरी लगभग 6 से 8 किलोमीटर होने के कारण स्थानीय ग्रामीणों ने वर्ष 2000 में आपसी सहयोग से ग्रामीण जनता उच्च विद्यालय की शुरूआत की थी। इसका उद्देश्य गांव के बच्चों को घर के नजदीक शिक्षा उपलब्ध कराना था, ताकि उन्हें पढ़ाई के लिए दूर नहीं जाना पड़े। शुरूआत में ग्रामीणों के सहयोग से विद्यालय का संचालन होता रहा, लेकिन समय के साथ आर्थिक परेशानियां बढ़ती गईं। कोरोना काल के दौरान विद्यालय बंद होने की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई और शिक्षकों के सामने भी रोजगार का संकट खड़ा हो गया।डॉ. जयराम कुमार महतो ने विद्यालय को दोबारा शुरू कराने की पहल में सहयोग किया। विधायक बनने के बाद उन्होंने अपने निजी वेतन से शिक्षकों को मानदेय देना शुरू किया। पिछले करीब 15 महीनों से उनके इस सहयोग से विद्यालय का संचालन जारी रखने में मदद मिल रही है। वर्तमान में ग्रामीण जनता उच्च विद्यालय में लगभग 140 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विद्यालय के संचालित रहने से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को अपने गांव के नजदीक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है। यह मामला ग्रामीण शिक्षा के सामने मौजूद आर्थिक चुनौतियों को भी उजागर करता है। ऐसे विद्यालयों के दीर्घकालीन संचालन के लिए समाज, स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों का सहयोग आवश्यक है, ताकि शिक्षकों को नियमित मानदेय मिल सके और बच्चों की पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रहे। शिक्षा केवल सुविधा नहीं, बल्कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की बुनियाद है। आर्थिक कठिनाइयों के कारण किसी भी बच्चे की पढ़ाई नहीं रुकनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयास समय की मांग है। उक्त जानकारी पार्टी के केंद्रीय मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो ने दी।

एशियन पैरा गेम्स की कांस्य पदक विजेता संजना का भव्य स्वागत



लोहरदगाः जापान में आयोजित एशियन पैरा गेम्स में कांस्य पदक जीतकर लोहरदगा लौटीं संजना कुमारी का समाजसेवी सचिन कुमार ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्हें पुष्पगुच्छ और शॉल देकर सम्मानित किया गया। संजना की उपलब्धि से जिले के खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है। मौके पर चंदन गोप, दीपक कुमार, मनीष कुमार, राहुल कुमार, संदीप कुमार सहित सैकड़ों खेल प्रेमी मौजूद रहे। सभी ने संजना को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नगर निगम ने 10 दिनों में 125 स्ट्रीट डॉग्स का किया टीकाकरण, 50 की नसबंदी



रांची। शहर को रेबीज मुक्त बनाने और मानव-कुत्ता द्वंद्व कम करने की बात पर रांची नगर निगम ने पशु कल्याण कार्यक्रम के तहत अभियान चलाते हुए में 125 स्ट्रीट डॉग्स का टीकाकरण किया गया जबकि 50 कुत्तों की नसबंदी की गई है। यह जानकारी गुरुवार को निगम की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है। जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि अक्टूबर माह से दोबारा शुरू किए गए इस कार्यक्रम के अंतर्गत ही पिछले 10 दिनों में 125 स्ट्रीट डॉग्स का एंटी रेबीज टीकाकरण किया गया है। जबकि 50 कुत्तों की नसबंदी कराई गई है।नगर निगम के अनुसार, अभियान में चार वाहनों के माध्यम से दो मॉर्निंग टीम और एक इवनिंग टीम तैनात की गई हैं। ये टीमें रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, बस स्टैंड सहित शहर के अन्य सार्वजनिक स्थलों और गली-मोहल्लों में स्ट्रीट डॉग्स का रेस्क्यू कर रही हैं।कार्यक्रम का उद्देश्य कुत्तों का मानवीय तरीके से रेस्क्यू, आवश्यक उपचार, एंटी रेबीज टीकाकरण और पशु जन्म नियंत्रण सुनिश्चित करना है। साथ ही नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए मनुष्यों और पशुओं के बीच सुरक्षित सह-अस्तित्व को बढ़ावा देना है।नगर निगम ने इस अभियान में नागरिकों से भी सहयोग की अपील की है। स्ट्रीट डॉग्स से संबंधित शिकायत, रेस्क्यू या अन्य सहायता के लिए टोल फ्री नंबर 1800-570-1235 पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा स्मार्ट रांची सिटीजन ऐप के माध्यम से भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। निगम के अनुसार, प्राप्त शिकायतों पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जाएगी।

पर्यावरण भवन पहुंचीं केंद्रीय मंत्री, पौधरोपण अभियान के लिए पूरे परिवार को दी बधाई

पर्यावरणविद डॉ. कौशल का कार्य सराहनीय : केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी

मंत्री को पौधा व अंगवस्त्र देकर सम्मानित करते डॉ कौशल किशोर

झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू



मेदिनीनगर, पलामू।
केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने पर्यावरणविद डॉ. कौशल किशोर जायसवाल के पर्यावरण संरक्षण अभियान की सराहना की। गुरुवार को वह मेदिनीनगर बाइपास रोड स्थित पर्यावरण भवन पहुंचीं, जहां डॉ. जायसवाल और उनके परिवार ने पर्यावरण धर्म के तहत पौधा व शॉल भेंट कर उनका स्वागत किया।
इस दौरान डॉ. जायसवाल की पत्नी व डाली पंचायत की मुखिया पूनम जायसवाल, पुत्र एवं छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल, मोहनलाल खुर्जा, पार्वती देवी, कौशल नगर डाली के अध्यक्ष अरुण जायसवाल तथा बहू कोमल और शिल्पा जायसवाल मौजूद थीं। डॉ. कौशल ने बताया कि 20 दिसंबर को अद्विक प्रताप देव के जन्मोत्सव में शामिल नहीं हो पाने पर मंत्री ने पलामू आने पर उनके आवास पहुंचने का आश्वासन दिया था। इसी क्रम में वह पर्यावरण भवन पहुंचीं और उन्हें आशीर्वाद दिया। मंत्री ने डॉ. कौशल से उनके पर्यावरण अभियान और पौधरोपण की उपलब्धियों की जानकारी ली। डॉ. जायसवाल ने बताया कि वह अब तक 10 देशों, देश के 26 राज्यों और 181 जिलों में 65 लाख से अधिक पौधों का निशुल्क वितरण एवं रोपण कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि उनकी जीवनी से जुड़े प्रश्न ह्यकौन बनेगा करोड़पतिह्ण और यूपीएससी परीक्षा में भी पूछे गए हैं। वर्ष 2010 से सीबीएसई की आठवीं और आईसीएसई की छठी कक्षा के पाठ्यक्रम में भी उनकी जीवनी पढ़ाई जा रही है। डॉ. कौशल के पुत्र अमित जायसवाल की व्यावसायिक संगठन में प्रमंडलीय उपाध्यक्ष के रूप में जीत की जानकारी मिलने पर मंत्री ने उन्हें और पूरे परिवार को बधाई दी। पर्यावरण संरक्षण से जुड़े पुरस्कारों को देखकर मंत्री ने डॉ. कौशल के लंबे समय से जारी अभियान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण बचाने के लिए पूरे परिवार का समर्पण सराहनीय है।

खिरगांव झड़प मामले में सांसद मनीष जायसवाल सहित सदर विधायक और बीजेपी जिला अध्यक्ष ने एसपी से की मुलाकात, निष्पक्ष जांच की रखी मांग



निर्दोष फँसे नहीं और दोषी बचे नहीं : मनीष जायसवाल

हजारीबाग : हजारीबाग शहर के खिरगांव में दो दिन पूर्व गाना बजाने को लेकर हुए विवाद के बाद दो समुदायों के बीच हुई झड़प के मामले को लेकर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद और भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अमन कुमार से मुलाकात की। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने घटना की विस्तृत जानकारी ली और पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्षता एवं गंभीरता से जांच करने का आग्रह किया।सांसद मनीष जायसवाल सहित अन्य नेताओं ने कहा कि मामले में किसी भी निर्दोष व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। वहीं जांच में जो भी दोषी पाया जाए, उसके विरुद्ध साक्ष्यों के आधार पर कानून सम्मत कार्रवाई की जानी चाहिए। निर्दोष लोगों को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं किया जाए और वास्तविक दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाए। भाजपा नेताओं ने पुलिस प्रशासन से कानून के दायरे में सभी के साथ समान एवं निष्पक्ष व्यवहार सुनिश्चित करने की अपील की, ताकि आम लोगों का पुलिस-प्रशासन पर भरोसा कायम रहे।मुलाकात के दौरान क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। जनप्रतिनिधियों ने पुलिस प्रशासन से स्थिति पर लगातार नजर रखने और मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और क्षेत्र में आपसी सौहार्द बना रहे।

नदिया में मनी कार्तिक उरांव की जयंती



झारखण्ड उजाला, संवाददाता

लोहरदगा: जिले के नदिया स्थित मेरखा राजी समिति, हरमू रोड की ओर से गुरुवार को कार्तिक उरांव की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सामाजिक योगदान और विचारों को याद किया। कार्यक्रम में समिति के संयोजक एवं पूर्व सैनिक रमेश उरांव, अध्यक्ष सुमति उरांव, सचिव मीणा उरांव और कोषाध्यक्ष संकरी उरांव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। वक्ताओं ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव ने आदिवासी समाज के अधिकारों, शिक्षा और सामाजिक विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। मौके पर लोगों ने उनके आदर्शों को अपनाने, सामाजिक एकता बनाए रखने तथा नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में जागरूकता और सामुदायिक एकजुटता का संदेश दिया गया।

एलईडी जागरूकता वैन से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का किया जाएगा प्रचार-प्रसार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

स्ट्रीट डांस, निबंध, वाद-विवाद एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं से जिले भर में चलाया जाएगा जन-जागरूकता अभियान



धनबाद।झारखण्ड राज्य के स्थापना की 26वीं वर्षगांठ एवं भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले 'झारखण्ड स्थापना दिवस' को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के उद्देश्य से उप विकास आयुक्त श्री सन्नी राज की अध्यक्षता में डीएमएफटी सभागार में बैठक आयोजित की गई। इसमें जिला स्तरीय पदाधिकारियों एवं कार्यपालक अभियंताओं के साथ कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उप विकास आयुक्त ने अवगत कराया कि राज्य स्तर पर मोरहाबादी मैदान, रांची में मुख्य समारोह आयोजित किया जा रहा है। साथ ही जिला स्तर पर भी विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों का शुभारंभ 11 नवंबर को एलईडी वैन को हरी झंडी दिखाकर किया जाएगा। यह वैन 29 नवंबर तक जिले में भ्रमण कर सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाएगी। वहीं जिले में जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए स्थानीय कलाकारों व सांस्कृतिक दलों के माध्यम से लगभग 10 प्रमुख स्थानों पर स्ट्रीट डांस का आयोजन किया जाएगा। साथ में विद्यालय व महाविद्यालय स्तर पर छात्र-छात्राओं के बीच वाद-विवाद एवं निबंध प्रतियोगिता तथा स्थानीय कलाकारों के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके अलावा जिला स्तर पर 15 नवंबर एवं 29 नवंबर को मुख्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जबकि मेगा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में भी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।उप विकास आयुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कार्यपालक अभियंताओं को अपनी-अपनी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।बैठक में उप विकास आयुक्त श्री सन्नी राज, अपर समाहर्ता श्री प्रदीप कुमार शुक्ला, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्री अरविंद कुमार ओझा, उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री कालिदास मुंडा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्री सुशांत मुखर्जी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी श्री रामनारायण खालको, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री पंकज कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री सुनिल कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती स्नेह कश्यप, डीएसई शालिनी डुंगडुंग के अलावा अन्य विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

नीलाम पत्र पदाधिकारी ने असर्फी अस्पताल प्रबंधन को जारी की नोटिस

3.27 करोड़ रूपए से अधिक की बकाये राशि के भुगतान का निर्देश

धनबाद।उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के सख्त निदेर्शानुसार जिले में राजस्व एवं बकाये राशि की वसूली को लेकर प्रभावी कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में नीलाम पत्र पदाधिकारी राम नारायण खालको के न्यायालय द्वारा असर्फी अस्पताल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरेन्द्र सिंह को 3 करोड़ 27 लाख 64 हजार 750 (तीन करोड़ सत्ताईस लाख चौंसठ हजार सात सौ पचास रुपये) एवं ब्याज की वसूली को लेकर नोटिस जारी किया गया है।यह कार्रवाई नगर आयुक्त, धनबाद (पावनेदार) की याचिका के आधार पर बिहार एवं उड़ीसा लोक मांग वसूली अधिनियम, 1914 की धारा 7 के अंतर्गत 'असर्फी अस्पताल' (देनदार) पर की गई है। देनदार पर नगर निगम का कुल 3,27,64,750 रुपए एवं उस पर देय ब्याज बकाया है। देनदार को नोटिस तामिल होने के 30 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति या जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। साथ में नोटिस में देनदार को दिनांक 13 नवंबर 2026 को न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर आवश्यक साक्ष्य एवं प्रमाण प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है।निर्धारित प्रावधानों के तहत देनदार को अपनी किसी भी अचल संपत्ति के विक्रय, दान, बंधक अथवा किसी अन्य रूप से हस्तांतरण करने पर रोक लगाई गई है। अनुपालन न करने की स्थिति में अधिनियम के तहत कुर्की एवं वसूली प्रमाण-पत्र जारी करने की कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।उपायुक्त ने स्पष्ट किया है कि नगर निगम और सरकारी देयों की वसूली में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा नियमानुसार सख्त कदम उठाए जाएंगे।

बादलों ने रोकी चांद की राह, सुहागिनों ने रखा करवा चौथ का व्रत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

सिंदरी में पंजाबी समाज की महिलाओं ने पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन की कामना की



सिंदरी/धनबाद। औद्योगिक नगरी सिंदरी में गुरुवार, 29 अक्टूबर को पंजाबी समाज की महिलाओं ने पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ करवा चौथ का त्योहार मनाया। इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए दिनभर व्रत रखा। हालांकि, शाम को आसमान में बादलों का जमघट रहने के कारण चंद्रमा के दर्शन नहीं हो सके, जिससे महिलाओं को चांद निकलने का इंतजार करना पड़ा। करवा चौथ हिंदू धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जिसे विशेष रूप से उत्तर भारत और पंजाबी समाज में उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन महिलाएं सूर्योदय से पहले सरगी ग्रहण कर व्रत का संकल्प लेती हैं। इसके बाद दिनभर उपवास रखकर शाम को ईश्वर की आराधना और करवा माता की पूजा-अर्चना करती हैं। महिलाएं पारंपरिक परिधानों, सोलह श्रृंगार, मेहंदी और चूड़ियों से सजकर पर्व की खुशियां मनाती हैं। करवा चौथ की पूजा में व्रत कथा सुनने, पूजा की थाली सजाने और चंद्रमा को अर्घ्य देने की विशेष परंपरा है। मान्यता के अनुसार, चंद्र दर्शन और पूजा के बाद पति के हाथों जल ग्रहण कर व्रत खोला जाता है। सिंदरी में भी महिलाओं ने इसी परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना की तैयारी की थी, लेकिन बादलों के कारण चंद्र दर्शन नहीं हो सके। इसके बावजूद महिलाओं में पर्व को लेकर श्रद्धा और उत्साह बना रहा। करवा चौथ का त्योहार पति-पत्नी के बीच प्रेम, विश्वास, समर्पण और पारिवारिक एकता का प्रतीक माना जाता है। इस पर्व के माध्यम से महिलाएं अपने परिवार की सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन में खुशहाली की कामना करती हैं।

सीवी साउथ कोल ब्लॉक के विरोध में ।। गांवों के रैयतों ने सौंपा आपत्ति पत्र

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



प्रस्तावित सीबी साउथ कोल ब्लॉक परियोजना के विरोध में ।। गांवों के रैयतों ने 29 अक्टूबर 2026 को सीकरी स्थित एनटीपीसी के साइट ऑफिस पहुंचकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराई और चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना के अधिकारियों को आपत्ति पत्र सौंपा।रैयतों ने प्रस्तावित कोयला परियोजना से उनकी जमीन, घर, आजीविका, संस्कृति और पारंपरिक पहचान पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों को लेकर चिंता व्यक्त की। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी जमीन केवल संपत्ति नहीं, बल्कि उनकी आजीविका, परंपराओं और सामाजिक पहचान का महत्वपूर्ण आधार है। ऐसे में परियोजना के संभावित प्रभावों को लेकर वे अपनी चिंताओं और मांगों को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाना चाहते हैं।इस दौरान रैयतों ने अपने अधिकारों और जमीन की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। उन्होंने अपनी मांगों और आपत्तियों पर गंभीरता से विचार करने तथा प्रभावित होने की आशंका वाले ग्रामीणों के हितों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।ग्रामीणों ने कहा कि परियोजना का दायित्व है की विकास कार्यों के दौरान स्थानीय समुदायों की चिंताओं, अधिकारों और आजीविका से जुड़े पहलुओं पर भी उचित ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होने कहा कि, जमीन से जुड़ा मुद्दा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व भी रखता है।आपत्ति पत्र सौंपने की यह पहल ग्रामीणों द्वारा अपनी बात शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई।

श्री शुभकामना छठ पूजा समिति के अध्यक्ष बने रंधीर साहु



लोहरदगा: पतराटोली स्थित निधि कॉम्प्लेक्स में श्री शुभकामना छठ पूजा समिति की बैठक सोहन साहु की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पुरानी कमेटी को भंग कर नई कमेटी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से रंधीर साहु को अध्यक्ष, हिमांशु कुमार को सचिव और अभिषेक साहु (बंटी) को कोषाध्यक्ष चुना गया। उपाध्यक्ष पद पर चंदन साहु, राहुल थापा, किशन साहु, कुंदन साहु, राहुल साहु और सुशांत साहु (गब्बू) का चयन किया गया। वहीं, दिलीप सिंह, सोहन साहु, विनोद सिंह, सुरेश ठाकुर, मनोज कुमार गुप्ता (मन्ना), रामचरण राम, अजय कुमार मधुर, दिगंबर साहु, बिमलकांत सिंह, शिबू सिंह, संजय अग्रवाल, पूर्व वार्ड पार्षद कमला देवी, वार्ड पार्षद अजय उरांव सहित अन्य लोगों को संरक्षक मंडली में शामिल किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष रंधीर साहु ने कहा कि पुरानी कमेटी की कमियों में सुधार करते हुए सभी के सहयोग से कार्य किया जाएगा। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी छठ महापर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। संरक्षक मंडली ने नई कमेटी के सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए सामूहिक सहयोग से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के प्रावधानों के अनुरूप अनुसंधान प्रक्रिया एवं अनुसंधान में गुणवत्तापूर्ण सुधार हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू



पलामू: पुलिस गाँधी स्मृति टाउन हॉल, मेदिनीनगर में पलामू पुलिस के अनुसंधान के लिए चयनित इच्छुक तथा योग्य पुलिस पदाधिकारियो के लिए आज दिनांक को एक दिवसीय प्रशिक्षण तथा ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।उक्त कार्यशाला में जिले के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचल पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारी एवं अनुसंधानकर्ता उपस्थित रहे। कार्यशाला की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक, पलामू द्वारा की गई।पलामू पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार पलामू पुलिस में कानून व्यवस्था और कांड के अनुसंधान को अलग अलग किया गया है। कानून-व्यवस्था (Law and Order) और जांच (Investigation) को अलग करना भारत में पुलिस सुधारों का एक मुख्य हिस्सा है। वर्तमान में यह व्यवस्था पलामू जिले में प्रयोग के तौर पर लागू की गई है।

मुख्य उद्देश्य और लाभ

काम पर ध्यानः जांच करने वाले पुलिस अधिकारियों को वीआईपी सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण (बंदोबस्त), ट्रैफिक और गश्त जैसी रोजमर्रा की कानून-व्यवस्था की ड्यूटी से मुक्ति मिलती है।
विशेषज्ञता **(Specialization):** इससे जांच टीम को फॉरेंसिक साइंस, साइबर क्राइम, सबूत जुटाने और कानूनी कागजी कार्रवाई में माहिर होने का मौका मिलता है।
तेज जांचः अचानक विरोध-प्रदर्शन या त्योहारों में ड्यूटी न लगने के कारण, आपराधिक मामलों की जांच समय पर पूरी होती है और चार्जशीट जल्दी कोर्ट में दाखिल होती है।
सजा की दर में सुधारः बिना किसी रुकावट के वैज्ञानिक तरीके से जुटाए गए सबूतों के कारण अदालत में मामले मजबूत होते हैं, जिससे अपराधियों को सजा मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

साथ ही, कार्यशाला में निम्न विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण एवं दिशा-निर्देश दिया गया :-

1. भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के प्रावधान - BNSS के तहत FIR दर्ज करने, गिरफ्तारी, तलाशी-जप्ती, जमानत एवं आरोप-पत्र दाखिल करने की नई प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई।
2. ई-साक्ष्य एवं फॉरेंसिक - अपराध स्थल की वीडियोग्राफी, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के संकलन, संरक्षण एवं न्यायालय में प्रस्तुतीकरण के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया।
3. लंबित कांडों का निष्पादन - जिले में लंबित सभी कांडों की समीक्षा कर उनके त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन हेतु सभी थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।
4. गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान - वैज्ञानिक तरीके से अनुसंधान, पीड़ित-केंद्रित पुलिसिंग एवं अभियोजन को सुदृढ़ बनाने हेतु निर्देशित किया गया।
5. कांडवार केस में FIR से चार्जशीट तक की पूरी प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई FIR दर्ज करने से लेकर अनुसंधान, साक्ष्य संकलन, जप्ती-तलाशी और समय पर आरोप-पत्र (चार्जशीट) दाखिल करने तक की प्रक्रिया को BNSS के नए प्रावधानों के अनुसार समझाया गया।

पुलिस अधीक्षक, पलामू द्वारा बताया गया कि BNSS, 2023 का मुख्य उद्देश्य त्वरित न्याय, पारदर्शी अनुसंधान एवं आम नागरिकों को बेहतर न्याय दिलाना है। सभी अनुसंधानकताओं को नए कानून का गहन अध्ययन कर उसका अक्षरशः अनुपालन करने का निर्देश दिया गया।

नई पीढ़ी को बौद्धिक परतंत्रता और सांस्कृतिक अलगाव से बचाना जरूरी



सुमित कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

संकटग्रस्त और बिखरती पारिवारिक व्यवस्था, ध्वस्त होते जीवन-मूल्य, अपनी जड़ों से उखड़ती पीढ़ी वर्तमान की सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। इनके बीच उपनिवेशवादी मानसिकता से प्रभावित शिक्षा व्यवस्था हमें अभी भी जकड़े हुए है। अंग्रेजों के जाने के आठ दशक बाद भी अपनी शिक्षा व्यवस्था को हम उन संकटों से मुक्त नहीं करा पाए हैं, जो हमें हमारी लंबी दासता ने दिये थे। इस शिक्षा व्यवस्था के नाते 'इंडिया' से 'भारत' की ओर हमारा प्रवास संभव नहीं हो पा रहा है।

धर्मपाल जी की किताब 'द ब्यूटीफुल ट्री' हमें जिस भारत के दर्शन कराती है, वहां प्रत्येक गांव में एक या अधिक स्कूल थे। ये हर तरह का ज्ञान और कौशल दे रहे थे। अंग्रेजों ने इस समूची भारतीय शिक्षा व्यवस्था का 'कैसे' ध्वंस किया? 'क्यों किया' यह जानना अनिवार्य है। महात्मा गांधी के आरंभिक लेखन में इस क्षत-विक्षत हो रहे भारत का दर्द दिखता है। अंग्रेजी शिक्षा ने हमें 'कमजोर और कम भारतीय' बनाया। साथ ही अपनी जमीन और उसके मूल्यों के प्रति हिकारत और हीनता बोध पैदा किया। यह आत्मदैन्य या 'एहसास-ए-कमतरी' आज भी हमें जकड़े हुए है।

अंग्रेजी शिक्षा ने 'घर' और 'स्कूल' के बीच दूरी बनाई। इस पढ़ाई ने हमें यह सिखाया कि स्कूल कोई ऊंची जगह है और घर ठीक नहीं है। इस हीनता में फंसकर हमने अपनी संस्कारशाला 'परिवार' और उसके द्वारा दिए जा रहे मूल्यों को कमतर मान लिया। बच्चों में नैतिक मूल्य, आदर और सामाजिक जिम्मेदारियां परिवार और समाज द्वारा सिखाई जाती थीं। यह जिम्मेदारी भी पूरी तरह स्कूलों पर डाल दी गई। इससे परिवारों की भूमिका गौण होती चली गई । शिक्षा मुख्य रूप से किताबों और चार दीवारों तक सीमित हो गई। फलतः बच्चे घर के पारंपरिक कामकाज, खेती, दस्तकारी और व्यावहारिक जीवन के अनुभवों से दूर होते गए। ये सभी काम पहले घर के माध्यम से स्वतः सीखते थे।

अंग्रेजों की नकल सिर्फ भाषा तक नहीं रही बल्कि वह हमारे जीवन में भी प्रवेश कर गई। खानपान, परिधान, दिनचर्या , कैलेण्डर सब बदल गये। स्कूल जब बदलते हैं तो वह पूरा सांस्कृतिक परिवेश बदलने की क्षमता रखते हैं।



यह हमने हिंदुस्तान में होते हुए देखा। इसीलिए उस जमाने में भारत के गवर्नर जनरल रहे लॉर्ड विलियम बेंटिक ने कहा था, पढ़ने के बाद वे हमारी नकल करने लगे हैं।

ऐसा देश जहां सब 'स्वधर्म' पर चलते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। अगर उस समाज में घरों ताले नहीं हैं, चोरियां नहीं होती,लोग झूठ नहीं बोलते, ऊंच-नीच नहीं है तो सोचिए कि वह समाज और उसकी शिक्षा कैसी रही होगी? अनेक विदेशी यात्रियों ने भारत के बारे में अपने जो अनुभव दर्ज किए हैं। वे हैरान करने वाले हैं। अंग्रेजों ने अपनी शिक्षा व्यवस्था से भारतीय समाज का मानस बदल दिया। नतीजतन समाज बदला, उसके मूल्यों में व्यापक बदलाव हुए। सरकार, पुलिस, कोर्ट-कचहरी, प्रशासन तंत्र का महत्व बना। हमारी स्वायत्तता और समाज केंद्रित व्यवस्थाएं नष्ट हुईं। हम सरकार के सामने याचक की तरह खड़े हो गए। गांव उजड़ने लगे। स्थानीय उद्यम नष्ट हुए। कुटीर उद्योग तबाह हो गए। पारिवारिक कौशल नष्ट हुए। गैर-बराबरी बढ़ती गई। अपनी चीजों से ही नफरत करने वाला समाज विकसित हुआ। अंग्रेजी शिक्षा ने भारत में गहरे विभाजन पैदा किए। अलीट और नान अलीट का बंटवारा, 'भारत' और 'इंडिया' की पृथक पहचान बन गया। हम यह समझ ही नहीं पाए कि पांव छूने, नमस्कार करने और हाथ मिलाने में अंतर क्या है और श्रेष्ठ क्या है? हर जानकारी ज्ञान नहीं है। इस शिक्षा व्यवस्था ने ज्ञान के नाम पर ढेरों जानकारियां परोस दीं। इनका जीवन संघर्षों में कोई उपयोग नहीं । हम 'मानने' को 'जानना' समझने लगे हैं। 'क्यों' का विचार मन में आता ही नहीं।

अपनी जिस शिक्षा व्यवस्था से हमने 1750 में दुनिया का 33 प्रतिशत उत्पादन और व्यापार सुनिश्चित किया था । अंग्रेजी राज और उसकी शिक्षा ने उसे कहीं का नहीं छोड़ा। अपनी स्वायत्तता से अग्रणी समाज कैसे सरकारी प्रशासनिक तंत्र से चौपट हो जाता, भारत इसकी ही कहानी है। नई अंग्रेजी शिक्षा मुक्त नहीं करती थी। बांधती थी। सेवक बनाने पर जोर था। जबकि गुरुकुल पद्धति, स्थानीय हस्तकलाएं, कृषि ज्ञान और स्वदेशी विज्ञान हाशिए पर चले गए। आधुनिक शिक्षा ने पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को नष्ट कर दिया। ये प्रणालियां स्थानीय समाज की जरूरतों के अनुकूल थीं। 'लोक' की उपेक्षा से ऐसा समाज खड़ा हुआ जो अपनी जड़ों से उखड़ा हुआ है। स्कूल आधुनिक और पश्चिमी मूल्यों को बढ़ावा देते रहे हैं, जबकि अधिकांश भारतीय घर पारंपरिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़े होते हैं। इस वैचारिक अंतर के कारण घर और विद्यालय के परिवेश में टकराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इस शिक्षा प्रणाली ने अंग्रेजों की नीतियों को सही ठहराने वाला एक ऐसा वर्ग तैयार किया जो मानसिक रूप से उपनिवेशवादी सोच का समर्थन करने लगा। इसने देश की आर्थिकी और बौद्धिक संपदा को परतंत्र बनाए रखा। जब तक हम अपनी माटी के ज्ञान और भाषा का सम्मान करना नहीं सीखेंगे, तब तक औपनिवेशिक छांव से पूरी तरह मुक्त होना असंभव है।

भारत ने स्थानीय भाषाओं में अपना सब कुछ विकसित किया था। अब अंग्रेजी थोप दी गई। वह सिर्फ भाषा की तरह नहीं ह्रकौशल' की तरह आई। इसे न जानने वाले कमतर माने जाने लगे। शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी होने के कारण आम जनता के लिए उच्च शिक्षा और विज्ञान के दरवाजे बंद हो गए। रटने वाली शिक्षा को बढ़ावा मिला, जिससे मौलिक सोच, अनुसंधान और स्वतंत्र चिंतन पर विपरीत प्रभाव पड़ा। अंग्रेजी जानने वाले शिक्षित वर्ग और पारंपरिक शिक्षा पाने वाले या अशिक्षित आम जनमानस के बीच एक गहरी खाई बन गई। ऐसे में 'कोलोनिजियम' को 'डिकोड' करने के जैसे सचेतन प्रयास किए जाने थे, हमने कहां किए? आज भी इसकी छाया आपको सरकारी कामकाज में दिखेगी। शिक्षा मंत्रालय को मानव संसाधन मंत्रालय बनाया गया। फिर उसे शिक्षा मंत्रालय बनाया गया है। जबकि संस्कृति मंत्रालय को शिक्षा से अलग रखा गया है। क्या संस्कृति और शिक्षा एक-दूसरे के पूरक नहीं हैं? गुलामी के लंबे कालखंड में आक्रांताओं ने हमारे विश्वविद्यालयों को बार-बार लूटा, नष्ट किया। अंग्रेजों ने जड़ों पर चोट की। मानसिकता बदली। हीन भावना भरी और हमारे अपने लोगों को हमारे विचार के विरुद्ध खड़ा कर दिया। इस संकट से आज भी हिंदुस्तान जूझ रहा है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम बौद्धिक गुलामी की बेड़ियों को तोड़ें, जो हमें अपनी ही माटी में पराया बनाती है। जब तक हमारी शिक्षा हमारी अपनी संस्कृति, भाषा और मौलिक चिंतन से नहीं जुड़ेगी, तब तक हम वास्तविक अर्थों में स्वतंत्र नहीं हो सकते। उपनिवेशवाद के छोड़े अंधेरों को मिटाकर ही हम एक आत्मविश्वासी, स्वदेशी और सशक्त भारतीय समाज का निर्माण कर सकते हैं।

आज का राशिफाल



स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं. आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है. आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की जरूरत है. आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं.

वृषभ राशि :- आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है. आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा. विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा. आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की जरूरत है. रोमांस के लिहाज से रोमांचक दिन है. शाम के लिए कोई खास योजना बनाएँ और जितना हो सके, इसे उतना रुमानी बनाने की कोशिश करें.

मिथुन राशि :- आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं. लेकिन ऐसे खुदगर्ज और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इजाफा कर सकता है. जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है. वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा. जिन्हें भावनात्मक संबल की जरूरत है, वे पाएंगे कि बड़े मदद के लिए आगे आ रहे हैं.

कर्क राशि :- स्वयं को शांत बनाए रखें क्योंकि आज आपको ऐसी कई बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है, जिनके चलते आप काफी मुश्किल में पड़ सकते हैं. खास तौर पर अपने गुस्से पर काबू रखें, क्योंकि यह और कुछ नहीं बल्कि थोड़ी देर पागलपन है. धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे. अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ.

सिंह राशि :- आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा. कई लोग आपकी खासी तारीफ कर सकते हैं. धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं. परिवार के सदस्यों की जरूरतों को तरजीह दें. उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाकई उनका खयाल रखते हैं. आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे.

कन्या राशि :- अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं. जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है. अपनी महत्वाकांक्षाओं को ऐसे बड़ों के साथ बांटें, जो आपकी सहायता कर सकते हैं. रोमांस के नजरिए से आज जिन्दगी बहुत जटिल रहेगी. आज किए गए निवेश काफी फायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है.

तुला राशि :- दूसरों की इच्छाएँ आपकी अपना खयाल रखने की इच्छा से टकराएगी- अपने जज्बात को बांधे नहीं और वे काम करें जिससे आपको सुकून मिले. जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें. आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान खरीद सकते हैं. सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है.

वृश्चिक राशि :- मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज-मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी. आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है. आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा. दोस्तों का साथ राहत देगा. अपने प्रिय की गैर-जरूरी भावनात्मक मांगों के सामने घुटने न टेकें. नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी.

धनु राशि :- खयाली पुलाव पकाने में वक़्त जाया न करें. सार्थक कामों में लगाने के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखें. आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इजाफा करेगा. किसी नजदीकी रिश्तेदार या मित्र की तरफ से मिली अच्छी खबर के साथ दिन की शुरूआत होगी. प्यार का भरपूर लुत्फ मिल सकता है. आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौके होंगे.

मकर राशि :- स्वास्थ्य के लिहाज से बहुत अच्छा दिन है. आपकी खुशमिजाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी. कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं. अपना क़ीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुजारें. यह सबसे बेहतर मरहम है. वे कभी न खत्म होने वाली खुशियों का स्रोत साबित होंगे. प्यार में अपने अशिष्ट बर्ताव के लिए माफी मांगें.

कुंभ राशि :- नियमित व्यायाम के माध्यम से वजन को नियन्त्रित रखें. खर्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी. कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा. अनपेक्षित रोमांटिक आकर्षण की संभावना है. मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा. दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा.

मीन राशि :- आपका सकारात्मक रुख आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा. अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है. शाम को रसोई के लिए जरूरी चीजों की खरीदारी आपको व्यस्त रखेगी. कई लोगों के लिए आज की रोमांटिक शाम खूबसूरत तोहफों और फूलों से भरपूर रहेगी. कार्यक्षेत्र के नजरिए से आज का दिन आपका है. इसका भरपूर फायदा उठाएँ. आज आप खुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा या सराहा जाएगा.

प्रदूषण के खिलाफ लड़नी होगी साझा लड़ाई

सर्दियों की आहट के साथ ही उत्तर भारत के क्षितिज पर छाने वाली गहरी धुंध और धुएं की परत अब महज एक मौसमी घटनाक्रम तक सीमित नहीं नहीं रह गया, बल्कि यह करोड़ों नागरिकों के लिए एक गंभीर और जानलेवा जन-स्वास्थ्य आपातकाल बन चुका है। अक्टूबर से फरवरी के बीच दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) अक्सर 400 से 450 के खतरनाक स्तर को पार कर जाता है। जैसे ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक 'खराब' या 'गंभीर' श्रेणी में प्रवेश करता है, प्रशासनिक तंत्र में अचानक अप्रत्याशित गहमा-गहमी दिखाई देने लगती है। आनन-फानन में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान यानी ग्रैप के विभिन्न प्रविधानों को लागू कर दिया जाता है। निर्माण कार्यों पर पाबंदी, निर्माण स्थलों पर एंटी-स्माग गन की तैनाती, डीजल जेनरेटरों के इस्तेमाल पर रोक और सड़कों पर पानी के छिड़काव जैसे उपाय कागजों और मीडिया की सुर्खियों में तैरने लगते हैं।

जबकि वायुमंडलीय विज्ञान और भूगोल के मौलिक नियमों की दृष्टि से देखें, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल एक महानगर या कुछ चुनिंदा जिलों की सीमाओं में सिमटी दंडात्मक और तात्कालिक कार्रवाइयां इस विकराल वायुमंडलीय संकट का वास्तविक और स्थायी समाधान दे सकती हैं? हवा, गैसों और सूक्ष्म कणों (पीएम 2.5 और पीएम 10) की कोई प्रशासनिक, राजनीतिक या भौगोलिक सीमा नहीं होती। उत्तर भारत के अनेक क्षेत्रों के आसमान में तैरने वाला जहर केवल वहां के स्थानीय वाहनों के धुएं या औद्योगिक चिमनियों का परिणाम नहीं है, बल्कि यह पूरे वृहद इंडो-गंगा मैदानी इलाकों के संयुक्त उत्सर्जन और वायुमंडलीय गतिशास्त्र से निर्धारित होता है। ऐसे में किसी एक शहर द्वारा अलग-थलग होकर उठाए गए एकांगी कदम इस बड़े संकट के सामने वैसे ही निष्प्रभावी साबित होते हैं, जैसे उफनती नदी के मुहाने पर पत्तों का बांध बनाना। हालिया वायु गुणवत्ता आंकड़ों का सूक्ष्म वैज्ञानिक विश्लेषण इस भ्रांति को पूरी तरह से तोड़ देता है कि प्रदूषण केवल दिल्ली-एनसीआर की विशिष्ट समस्या है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के वायु गुणवत्ता दिशानिदेर्शों के अनुसार, पीएम 2.5 का वार्षिक औसत स्तर पांच माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक नहीं होना चाहिए, जबकि उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों में यह स्तर अक्सर 80 से 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक दर्ज किया जाता है। दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में अब अकेले दिल्ली का नाम दर्ज नहीं है, बल्कि गंगा के मैदानी भूभाग में बसे तमाम शहर इस विषैले चक्रव्यूह में फंसे हुए हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर, मुजफ्फरनगर, हापुड़ से लेकर हरियाणा के रोहतक, हिसार और राजस्थान के औद्योगिक शहर कोटा तक की वायु गुणवत्ता लगातार 'बेहद खराब' और 'अत्यंत गंभीर' स्तर पर बनी हुई है।

उत्तर भारत का एक क्षेत्र भौगोलिक रूप से एक विशाल प्राकृतिक कटोरे के समान है। सर्दियों के आगमन



के साथ जब तापमान में गिरावट आती है, तो हवा का घनत्व बढ़ जाता है और उसकी गति मंद पड़ जाती है। वैज्ञानिक भाषा में इसे थर्मल इन्वर्जन या वायुमंडलीय व्युत्क्रमण कहते हैं, जिसमें गर्म हवा की ऊपरी परत ठंडी और भारी हवा को नीचे धरातल के पास ही दबाकर रख लेती है। इस प्राकृतिक जाल में जब उद्योगों, वाहनों, धूल और पराली का धुआं आकर मिलता है, तो यह संपूर्ण बेल्ट एक विशालकाय गैस चैंबर का रूप धारण कर लेती है। जब संकट का क्षेत्र संपूर्ण उत्तर भारत है, तो इसका समाधान किसी एक नगर निगम या राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में हो ही नहीं सकता। इसके लिए संपूर्ण एयरशेड पर आधारित एक एकीकृत और समेकित क्षेत्रीय रणनीति की आवश्यकता है।

वार्षिक वायुमंडलीय संकट का एक प्रमुख और विवादास्पद जैविक कारक कृषि अवशेषों यानी पराली का दहन है। पराली दहन से होने वाला उत्सर्जन उत्तर-पश्चिमी हवाओं की सवारी करता हुआ पूरे उत्तर भारत के आसमान को अपने आगोश में ले लेता है। चूंकि पराली संकट कृषि अर्थशास्त्र, ऊर्जा नीति और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा से जुड़ा एक बहुआयामी मुद्दा है, इसलिए इसमें केंद्र सरकार का सीधा, आर्थिक और नीतिगत हस्तक्षेप अनिवार्य है। इसके लिए फसल विविधीकरण से लेकर उचित प्रौद्योगिकियों के लिए भारी सब्सिडी और बायो-मेथेनेशन प्लांट्स जैसा स्थायी बुनियादी ढांचा समय की आवश्यकता है, लेकिन यह भी ध्यान रहे कि प्रदूषण में केवल पराली का योगदान नहीं है। प्रदूषण की समस्या से ग्रस्त दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और राजस्थान की सरकारों के बीच आवश्यक तालमेल का अभाव भी स्थितियों को बिगाड़ता है। संकट की दस्तक और उसके गहराते ही राजनीतिक दल और विभिन्न राज्य सरकारें दोषारोपण का खेल शुरू कर देती हैं। जबकि वायु प्रदूषण जैसी राष्ट्रीय आपदा पर दलीय राजनीति से ऊपर उठकर साझा राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय देना आज की सबसे बड़ी मांग है। इस दिशा में प्रदूषण रोधी उपाय करने वाली संस्थाएं केवल कागजी दिशा-निर्देश जारी करने तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें एक सशक्त, स्वायत्त और कठोर निर्णय लेने वाले नियामक के रूप में धरातल पर उतरना होगा। पड़ोसी राज्यों के बीच औद्योगिक मानकों, सार्वजनिक परिवहन के विद्युतीकरण, स्वच्छ ईंधन के अनिवार्य उपयोग और कचरा प्रबंधन जैसे प्रदूषण नियंत्रण उपायों को एकसमान गंभीरता और अनुशासन के साथ लागू किया जाना चाहिए।

हिंसा का पाठ

पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक बच्ची को अगर कोई शिक्षक बुरी तरह पीटे, कैंची से वार करे और फिर उसे पहली मंजिल से नीचे फेंक दे, तो क्या ऐसे व्यक्ति को बच्चों को पढ़ाने-लिखाने लायक माना जा सकता है? हैरानी है कि दिल्ली में एक प्राथमिक विद्यालय की एक शिक्षिका को स्कूल परिसर में खुद पर इतना नियंत्रण रखना भी जरूरी नहीं लगा कि वह जो कर रही है, उससे बच्ची की मौत हो सकती है। गनीमत रही कि छत से फेंके जाने के बाद बच्ची किसी तरह जिंदा बच गई। लेकिन इस घटना से एक बार फिर यह सवाल उठा है कि स्कूलों में शिक्षक के रूप में नियुक्ति से पहले जरूरी योग्यताएं हासिल करने के लिए तय प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद भी एक व्यक्ति कैसे अपने भीतर की कुंठा को बनाए रख पाता है। स्कूल परिसर में शिक्षक की भूमिका को बुनियादी रूप से भी समझने वाला व्यक्ति अपनी जिम्मेदारियों और बर्ताव को लेकर सजग और संयत रहेगा। मगर किसी भी स्थिति में अगर एक बच्ची के साथ ऐसी घटना होती है तो यह गंभीर चिंता की बात है।

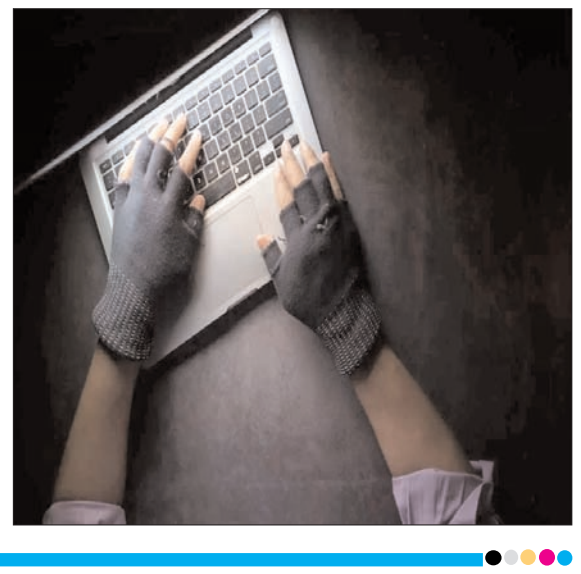
घटना के बाद आरोपी शिक्षिका के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया जरूर शुरू कर दी गई है, लेकिन मामले के ब्योरे से प्रथम दृष्टया यही लगता है कि एक सामान्य मनोदशा का व्यक्ति किसी बच्चे के प्रति ऐसा बर्ताव नहीं कर सकता। अव्वल तो एक शिक्षक के लिए बच्चों को पढ़ाने-लिखाने के साथ-साथ उनके साथ पेश आने के सलीके का ध्यान रखना जरूरी होता है। यह न केवल पेशागत जिम्मेदारी है, बल्कि कानूनी तौर पर भी बच्चों को स्कूल में पीटना तो दूर, डांटने-फटकने पर भी सख्त मनाही है। अगर कोई शिक्षक इसका ध्यान नहीं रखता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। मगर इसके बावजूद ऐसे शिक्षकों के बेलगाम बर्ताव की खबरें अक्सर आती रहती हैं, जिसमें किसी बच्चे को पीटने या यातना देने की अपनी कुंठा को ड्यूटी का हिस्सा समझ लिया जाता है। ज्यादा दिन नहीं हुए, जब उत्तर प्रदेश के कानपुर के एक निजी स्कूल में पांचवीं कक्षा के एक छात्र के हाथ पर अध्यापक ने सिर्फ इसलिए छेद करने वाली मशीन चला दी कि वह दो का पहाड़ा नहीं सुना सका था। इसी तरह, कुछ समय पहले राजस्थान में जालौर के एक स्कूल में शिक्षक की पिटाई से एक दलित बच्चे की मौत की खबर सुर्खियों में रही थी। वजह सिर्फ यह थी कि बच्चे ने स्कूल की मटकी से पानी पी लिया था।

सवाल है कि एक शिक्षक की जिम्मेदारी और संवेदनाओं को भूल कर कोई व्यक्ति अगर बच्चों के खिलाफ इस तरह के बर्बर व्यवहार करने लगे तो किस कसौटी पर उसे शिक्षक होने के योग्य कहा जा सकता है! शिक्षक बनने की योग्यता हासिल करने के क्रम में प्रशिक्षण की प्रक्रिया से गुजरने के दौरान न केवल पाठ को पढ़ाने के तौर-तरीके बताए जाते हैं, बल्कि बाल मनोविज्ञान और उसकी परतों को ध्यान में रखते हुए व्यवहारगत सलीकों का भी अध्ययन कराया जाता है। इसके बावजूद अगर कुछ शिक्षक अपनी मानसिक दुर्बलता की वजह से बच्चों के प्रति कई बार बर्बरता की हद पार कर जाते हैं तो इसे कैसे देखा जाएगा? अगर कोई शिक्षक किसी तरह की असुविधाजनक मानसिक परिस्थिति से गुजर रहा हो, तो उसे मनोवैज्ञानिक परामर्श या चिकित्सा का सहारा लेना चाहिए। उसकी कुंठा का खमियाजा स्कूल में पढ़ने आए किसी मासूम को क्यों भुगतना पड़े?

साइबर अपराधियों के बढ़ते हौसलें, आमजन में शिकायत की जानकारी का अभाव

ऐसा नहीं है कि साइबर अपराध केवल और केवल भारत में हो रहे हैं अपितु यह विश्वव्यापी समस्या होती जा रही है। दुनिया के देशों में देखा जाए तो साइबर ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान तो यूक्रेन दूसरे स्थान पर है। देश दुनिया में साइबर अपराध के बढ़ते आंकड़े जहां चिंतित करने वाले हैं वहीं यह और भी आश्चर्यजनक और चिंताजनक हालात है कि लाख अवेयरनेस प्रोग्राम व मीडिया में आये दिन साइबर ठगी के समाचारों की भरमार के बावजूद देश में केवल 18 फीसदी लोग ही ऐसे हैं जिन्हें साइबर अपराध होने पर उसकी शिकायत कहां और कैसे करनी है कि जानकारी है। यह तो सरकारी आंकड़ा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जनवरी-मार्च, 2025 में कराये गये ताजातरीन सर्वे से यह आंकड़ें प्राप्त हुए हैं। दूसरी और यूपीआई से भुगतान में खासा बढ़ोतरी हुई हैं। आज ठेले पर सब्जी बेचने वाले से लेकर दो-पांच रुपए का सामान विक्रेता भी आसानी से यूपीआई से भुगतान प्राप्त कर रहा है। 2022-23 में जहां केवल 38 फीसदी लोग ऑनलाइन पेमेंट करते थे वह आज बढ़कर 50 प्रतिशत के लगभग हो गया है। वास्तविकता तो यह है कि आज ऑनलाइन पेमेंट करना लोगों की आदत में आ गया है। जेब में रुपया-पैसा रखना या कहीं जाते समय साथ पैसा लेजाना लोगों की आदत में अब लगभग नहीं ही रहा है। पर तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि साइबर अपराधियों के हौसले बुलंद है और पिछले तीन सालों में ही साइबर अपराध के आंकड़ें तीन गुणा बढ़ गए हैं। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आज मोबाइल पर किसी का नंबर डायल करते ही पहले साइबर अपराध से सचेत रहने की कॉलर ट्यून सुनने को मिलती है और उसके बाद बात होती है।

मोबाइल पर नंबर मिलाते ही नहीं अपितु सोशियल मीडिया के प्लेटफार्म खासतौर से इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि पर आजकल साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन या ब्लेक मेलिंग से सतर्क रहने का संदेश सुनने को मिलता है। इतने के बावजूद ठगी के आंकड़ें चेताने वाले हैं। मजे की बात यह है कि साइबर ठगी के इन रुपों से सबसे अधिक शिकार पढ़े लिखे और समझदार लोग ही हो रहे हैं। लाख समझाइस के बावजूद एक और ठगों के हौसले बुलंद है तो ठगी के शिकार होने वाले लोगों की संख्या और राशि में मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह होता जा रहा है। हांलाकि झारखण्ड के जमातड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए। झारखण्ड, राजस्थान, हरियाणा और बिहार के केन्द्र पहले पांच प्रमुख सेंटर विकसित हो गए। ऐसा नहीं है कि साइबर अपराध केवल और केवल भारत में हो रहे हैं अपितु यह विश्वव्यापी समस्या होती जा रही है। दुनिया के देशों में देखा जाए तो साइबर ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान तो यूक्रेन दूसरे स्थान पर है। इनके बाद चीन, अमेरिका, नाइजेरिया और रोमानिया का नंबर आता है। इससे एक बात तो साफ हो जाती है साइबर ठगों सारी दुनिया में सहज पहुंच है। लोगों की गाढ़ी कमाई को हजम करने में इन्हें विशेषज्ञता हासिल है। लोगों की कमजोरी को यह समझते हैं और उसी कमजोरी के चलते पढ़े लिखे और हौशियार लोगों को भी आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। जाल ऐसा की यह समझते हुए कि ऐसा आसानी से होता नहीं है फिर भी चक्कर में फंस ही जाते हैं और ठगों के आगे सरेण्डर होकर लुट जाते हैं।



बिहार के कई जिलों अलर्ट जारी, पटना में रुक-रुक कर हो रही बारिश

एजेंसी

पटना। बिहार में चक्रवाती तूफान अर्नब के प्रभाव से मौसम बदल गया है। कई जिलों में बारिश, वज्रपात और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने का अलर्ट है। कैमूर, रोहतास समेत छह जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। पटना में अगले पांच दिनों में कैसा रहेगा मौसम जानें हाल बिहार में चक्रवाती तूफान ह्यअर्नबह्ल के प्रभाव से मौसम का मिजाज बदल गया है। पटना समेत कुछ जिलों में सुबह से ही रुक-रुक कर बारिश हो रही है। तापमान में गिरावट होने से गुलाबी ठंड महसूस हो रही है। लोगों के घरों में पंखे बंद हो गए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, गुरुवार की सुबह को कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवा चल सकती है। इस दौरान हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की आशंका है। मौसम विभाग के नक्शे के अनुसार, कैमूर, रोहतास,



बक्सर, भोजपुर, अरवल और औरंगाबाद में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, उत्तर और मध्य बिहार के कई जिलों में येलो अलर्ट है। दूसरी ओर, पटना में भी आज बारिश और गरज-चमक के आसार हैं। आज बिहार के किन जिलों में बारिश का अलर्ट है? मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर, दरभंगा, मधुबनी, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, नालंदा, शेखपुरा और लखीसराय समेत कई जिलों में गरज-चमक और तेज हवा की आशंका है। इन इलाकों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। खराब मौसम के दौरान कुछ जगहों पर बारिश और वज्रपात हो सकता है। छह जिलों में ऑरेंज अलर्ट, तेज हवा के साथ बारिश की आशंका मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, कैमूर, रोहतास, बक्सर, भोजपुर, अरवल और औरंगाबाद को ऑरेंज अलर्ट वाले क्षेत्रों में दिखाया गया है। इन जिलों में मौसम ज्यादा खराब रहने की आशंका है। वहीं, गया और नवादा समेत आसपास के कुछ इलाकों में भी बारिश और वज्रपात की संभावना है। लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी गई है। पटना में अगले पांच दिनों का मौसम कैसा रहेगा पटना में गुरुवार, 29 अक्तूबर को गरज-चमक के साथ बारिश होने का पूवार्नुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र, पटना के अनुसार, राजधानी का अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। 30 अक्तूबर को आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहने और एक-दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। इस दिन अधिकतम तापमान 25 और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 31 अक्तूबर को पटना में बादल छाए रहने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना है। इस दिन अधिकतम तापमान 28 और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। एक नवंबर को आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ बारिश या गरज-चमक के आसार हैं। अधिकतम तापमान 30 और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। दो नवंबर को आंशिक बादल और धुंध रह सकती है। इस दिन अधिकतम तापमान 31 और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। सीमांचल और पूर्वी बिहार के किन जिलों में राहत? मौसम विभाग के नक्शे में सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, सहरसा, मधेपुरा, भागलपुर, बांका, मुंगेर और जमुई समेत पूर्वी बिहार के कई जिलों में कुछ स्थानों पर बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है। सीमांचल के कुछ जिलों में गुरुवार सुबह से हल्की बारिश हो रही है। पटना में आजः राजधानी में किस समय होने वाला है प्रदर्शन? रैगिंग को लेकर में पूछताछ; और क्या-क्या पटना में अगले तीन दिनों में तापमान कितना गिरेगा? मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी पटना में गुरुवार को अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। वहीं 30 अक्तूबर को अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक रहने का अनुमान है। इसके बाद 31 अक्तूबर से तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है। एक नवंबर को अधिकतम तापमान 30 और दो नवंबर को 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। वहीं, न्यूनतम तापमान धीरे-धीरे घटकर दो नवंबर को 19 डिग्री सेल्सियस तक आ सकता है। मौसम खराब होने पर क्या सावधानी बरतें? तेज हवा, बारिश और वज्रपात की आशंका को देखते हुए लोगों को खुले मैदान में रहने से बचना चाहिए। गरज-चमक के दौरान पेड़ों, बिजली के खंभों और कमजोर संरचनाओं से दूर रहें। किसानों को भी खेतों में काम करते समय मौसम की स्थिति का ध्यान रखने की सलाह दी जाती है।

मोतिहारी शिक्षा विभाग में 60 लाख का फजीर्वाड़ा, दो कर्मियों पर केस दर्ज

एजेंसी

पटना। शिक्षा विभाग के एचआरएमएस पोर्टल से करीब 60 लाख रुपये की कथित वित्तीय गड़बड़ी का मामला सामने आया है। निजी और रिश्तेदारों के खातों में राशि ट्रांसफर करने के आरोप में दो कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। शिक्षा विभाग में एचआरएमएस पोर्टल के माध्यम से करीब 60 लाख रुपये की कथित वित्तीय गड़बड़ी का गंभीर मामला सामने आया है। सरकारी राशि के भुगतान में पारदर्शिता लाने के लिए बने पोर्टल का दुरुपयोग कर निजी और रिश्तेदारों के खातों में राशि स्थानांतरित करने के आरोप में दो कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने नगर थाने में आवेदन देकर डीपीओ स्थापना कार्यालय के कंप्यूटर ऑपरेटर अमन कुमार और कार्यालय में प्रतिनियुक्त एक मदरसा शिक्षक को नामजद किया है। नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। निजी खातों में भेजी गई राशि प्राथमिक जानकारी के अनुसार, वर्ष 2024 से सरकारी राशि को अवैध तरीके से अपने और अपने रिश्तेदारों के बैंक खातों में भेजा जा रहा था। इस धोखाधड़ी में शामिल एक कर्मी ने अपने तथा अपनी पत्नी के खाते में पैसे ट्रांसफर किए, जबकि दूसरे कर्मी ने अपने और अपनी बहन के बैंक खाते में राशि स्थानांतरित की। प्रारंभिक जांच में अब तक लगभग 60 लाख रुपये के अवैध हस्तांतरण का पता चला है। विभागीय स्तर पर यह भी जांच की जा रही है कि कुल कितनी राशि का गलत तरीके से लेनदेन हुआ है और इसके लिए किन तकनीकों और प्रक्रियाओं का सहारा लिया गया। विभागीय निगरानी पर उठे सवाल मामले के उजागर होने के बाद शिक्षा विभाग की निगरानी प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वर्ष 2024 से लगातार पोर्टल से अवैध लेनदेन हो रहा था, लेकिन नियमित समीक्षा और भुगतान रिकॉर्ड की जांच में यह गड़बड़ी लंबे समय तक पकड़ में नहीं आई। विभागीय स्तर पर मॉनिटरिंग की कमियों को लेकर भी अब पड़ताल की जा रही है। जांच अधिकारी यह पता लगा रहे हैं

विधान परिषद में एनडीए का पलड़ा भारी, महागठबंधन 18 सीटों पर सिमटा

एजेंसी

पटना। बिहार विधान परिषद चुनाव में एनडीए की सदस्य संख्या बढ़कर 49 हो जाएगी, जबकि महागठबंधन 18 सीटों पर सिमट जाएगा। राजद को पटना शिक्षक सीट पर जीत मिली। सदन में दो सगे भाई भी एक साथ प्रतिनिधित्व करेंगे। बिहार विधान परिषद की आठ सीटों के चुनाव परिणाम सामने आने के बाद 75 सदस्यीय उच्च सदन में एनडीए का पलड़ा भारी हो गया है। एनडीए की सदस्य संख्या बढ़कर 49 पर पहुंच गई है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के एक सीट जीतने के बावजूद महागठबंधन की कुल सदस्य संख्या घटकर 18 रह जाएगी। 16 नवंबर को प्रतिनिधियों का कार्यकाल खत्म होने के बाद यह नया दलीय समीकरण लागू हो जाएगा। इस चुनाव में चार निवर्तमान प्रतिनिधियों को हार का सामना करना पड़ा है। पराजित होने वाले सदस्यों में भारतीय



जनता पार्टी के नवल किशोर यादव, निर्दलीय आफाक आलम, कांग्रेस के डॉ. मदन मोहन झा और भाकपा के प्रोफेसर संजय कुमार सिंह शामिल हैं। चुनाव में जदयू और भाजपा ने चार-चार सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। जदयू ने पटना स्नातक सीट बचा ली, लेकिन तीन सीटें गंवा दीं। भाजपा ने पटना शिक्षक सीट गंवाने के बावजूद तिरहुत शिक्षक, दरभंगा स्नातक और कोसी स्नातक की तीन सीटें जीतकर बढ़त हासिल की। दो सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशी विजयी हुए हैं। इनमें भाजपा से बगावत करने वाले राहुल राज और जन सुराज से अलग हुए वंशीधर ब्रजवासी शामिल हैं। पटना शिक्षक सीट पर राजद के डॉ. संजीव कुमार ने जीत दर्ज करके अपनी पार्टी का परचम लहराया है। इस जीत के साथ उच्च सदन में राजद के सदस्यों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। हालांकि महागठबंधन में शामिल कांग्रेस दो सीटों से घटकर एक सीट पर सिमट गई है और भाकपा का खाता शून्य हो गया है। भाकपा (माले) की शशि यादव और कांग्रेस के एक सदस्य को मिलाकर महागठबंधन के कुल सदस्यों की संख्या अब 18 ही रहेगी। इस तरह राजद की ताकत बढ़ने के बावजूद समग्र रूप से महागठबंधन को एक सीट का नुकसान उठाना पड़ा है। विधान परिषद में अब दो सगे भाई एक साथ प्रतिनिधित्व करते नजर आएंगे। पूर्व मंत्री आरएन सिंह के पुत्र डॉ. संजीव कुमार राजद से और उनके सगे भाई राजीव कुमार कांग्रेस के एकमात्र सदस्य के रूप में सदन में मौजूद रहेंगे। इससे पहले बिहार विधानसभा में 2015 और 2020 के चुनाव के दौरान लालू प्रसाद के दो पुत्र तेज प्रताप यादव और तेजस्वी यादव एक साथ विधायक चुने गए थे। वर्ष 2025 में तेज प्रताप के पराजित होने के बाद अब उच्च सदन में यह अनोखा संयोग दोहराया जा रहा है।

राजधानी में किस समय होने वाला है प्रदर्शन

एजेंसी

पटना। पटना में आज कई अहम गतिविधियां होंगी। दरोगा भर्ती अभ्यर्थी मेंस परीक्षा रद्द करने के फैसले के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन करेंगे। कांग्रेस नेता डॉ. आरसी खुंटिया सदाकत आश्रम में प्रेस वार्ता करेंगे। राजद का प्रतिनिधि दल आज चुनाव पटना में आज सरकारी और राजनीतिक गतिविधियों के साथ छात्र आंदोलन से जुड़ी हलचल भी देखने को मिलेगी। दरोगा भर्ती की मुख्य परीक्षा रद्द करने के फैसले के खिलाफ अभ्यर्थी सुबह 10 बजे गांधी मैदान के गेट नंबर 10 से मुख्यमंत्री आवास तक प्रदर्शन करेंगे। वहीं, नालंदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एनएमसीएच) में रैगिंग के मामले को लेकर सुबह 11 बजे हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं को एंटी रैगिंग कमेटी के सामने अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया गया है। दूसरी ओर, प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में दोपहर दो बजे पूर्व सांसद डॉ. आरसी खुंटिया प्रेस वार्ता करेंगे। वहीं दरभंगा स्नातक सीट पर हो रही मतगणना में गड़बड़ी का आरोप बुधवार शाम से ही लगा रहा है। तेजस्वी यादव ने इस मामले को लेकर सरकार पर हमला भी बोला था। आज इसको लेकर राजद का एक प्रतिनिधि दल चुनाव आयोग के दफ्तर जाएगा। सुबह 10 बजेः दरोगा भर्ती अभ्यर्थियों का प्रदर्शन दरोगा भर्ती की मुख्य परीक्षा रद्द करने के फैसले के खिलाफ अभ्यर्थी सड़क पर उतरेंगे। प्रदर्शन गांधी मैदान के गेट नंबर 10 से शुरू होकर मुख्यमंत्री आवास तक जाएगा। अभ्यर्थियों की मांग है कि मुख्य परीक्षा रद्द करने का फैसला वापस लिया जाए और शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) की तारीख जल्द घोषित की जाए। सुबह 11 बजेः एनएमसीएच में रैगिंग मामले की सुनवाई नालंदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में रैगिंग के मामले सामने आने के बाद कॉलेज प्रबंधन ने इस पर रोक लगाने की तैयारी तेज की है। इसी क्रम में हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं को सुबह 11 बजे एंटी रैगिंग कमेटी के सामने अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया गया है। कमेटी के समक्ष छात्राओं की बात सुनी जाएगी। दोपहर 2 बजेः सदाकत आश्रम में कांग्रेस की प्रेस वार्ता प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में पूर्व सांसद, कांग्रेस कार्यसमिति के पूर्व सदस्य और ह्यवोट बचाओ-देश बचाओह्ल अभियान के पर्यवेक्षक डॉ. आरसी खुंटिया प्रेस वार्ता करेंगे। यह प्रेस वार्ता गुरुवार, 29 अक्टूबर को दोपहर दो बजे निर्धारित है।

विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 30 नवंबर से, पांच बैठकें होंगी; विपक्ष को सरकार को घेरने का मिलेगा मौका

एजेंसी

पटना। बिहार विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 30 नवंबर से 4 दिसंबर तक चलेगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी मिली। सत्र में सरकार की प्राथमिकताओं, विकास योजनाओं और जनहित के मुद्दों पर चर्चा होगी। बिहार विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 30 नवंबर से 4 दिसंबर तक चलेगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस सत्र को बुलाने के प्रस्ताव पर निर्णय लिया गया। विधानमंडल का पांच दिवसीय यह सत्र नई सरकार तथा विपक्षी दलों दोनों के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित होगा। सत्र के दौरान राज्य सरकार अपनी प्राथमिकताओं, विभिन्न विकास योजनाओं और प्रदेश से जुड़े प्रमुख विषयों को सदन के समक्ष रखकर उन पर चर्चा करेगी। दोनों सदनों की कुल पांच बैठकें यह शीतकालीन सत्र सोमवार से प्रारंभ होकर शुक्रवार तक चलेगा। इस पांच दिवसीय अवधि में बिहार विधानसभा तथा विधान परिषद दोनों सदनों की कुल पांच बैठकें होंगी। सत्र के दौरान राज्य सरकार अपने विधायी कार्यों को आगे बढ़ाएगी। इसके अंतर्गत विभिन्न



विभागों से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी, साथ ही नए विधेयकों और अन्य सरकारी कार्यों को सदन में प्रस्तुत किया जाएगा। विधान परिषद चुनाव संपन्न होने के पश्चात सदन में नए चेहरे भी नजर आएंगे। इसके साथ ही, विपक्ष को भी जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार को घेरने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार का यह दूसरा सत्र होगा। इससे पूर्व जुलाई में पांच दिवसीय मानसून सत्र आयोजित हुआ था। वह मानसून सत्र 20 जुलाई से 24 जुलाई तक चला था। सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के 100 दिन पूरे होने के बाद वह पहला सत्र था। उस मानसून सत्र के दौरान विभिन्न मामलों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने रहे थे

पटना में फिर से दरोगा अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, सीएम हाउस घेरने जा रहे; चप्पे-चप्पे पर तैनात है पुलिस

एजेंसी

पटना। पटना में दरोगा भर्ती की मुख्य परीक्षा रद्द होने के विरोध में अभ्यर्थी आज प्रदर्शन कर रहे। गांधी मैदान से जेपी गोलंबर और डाक बंगला चौराहे होते हुए मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च करने की योजना है। प्रदर्शन को देखते हुए प्रमुख जगहों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। डाक बंगला चौराहे पर बैरिकेडिंग भी की गई है। पटना में दरोगा भर्ती की मुख्य परीक्षा रद्द किए जाने के विरोध में अभ्यर्थी एक बार फिर प्रदर्शन कर रहे हैं। अभ्यर्थियों ने फैसले को वापस लेने और भर्ती प्रक्रिया को लेकर अपनी मांगें उठाने के लिए सड़क पर उतरने का एलान किया है। कई अभ्यर्थी गांधी मैदान पहुंच चुके हैं। इधर, प्रदर्शन को देखते हुए पटना पुलिस सतर्क है। गांधी मैदान से लेकर जेपी गोलंबर और डाक बंगला चौराहे तक सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। प्रदर्शनकारियों के मुख्यमंत्री आवास की



ओर बढ़ने की योजना को देखते हुए प्रमुख रास्तों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। पटना की पुलिस की अलग अलग टीम चप्पे चप्पे पर तैनात है। गांधी मैदान से प्रदर्शन का आगाज दरोगा अभ्यर्थी गांधी मैदान से मार्च शुरू कर जेपी गोलंबर की ओर बढ़ने की तैयारी में हैं। इसके बाद डाक बंगला चौराहे के रास्ते मुख्यमंत्री आवास की ओर जाने की योजना है। अभ्यर्थियों की इस गतिविधि को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने संभावित मार्ग पर निगरानी बढ़ा दी है। गांधी मैदान के अंदर और बाहर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, ताकि भीड़ की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। जेपी गोलंबर और डाक बंगला चौराहे पर सुरक्षा बढ़ी प्रदर्शन के संभावित मार्ग पर जेपी गोलंबर और डाक बंगला चौराहे को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। दोनों स्थानों पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। डाक बंगला चौराहे पर बैरिकेडिंग भी की गई है। पुलिस की तैयारी का उद्देश्य प्रदर्शन के दौरान यातायात और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। चक्रवात अर्नब का असारः बिहार के कई जिलों अलर्ट जारी, पटना में रुक-रुक कर हो रही बारिश; जानिए अपने शहर का हाल मुख्य परीक्षा रद्द होने से नाराज हैं अभ्यर्थी दरोगा भर्ती की मुख्य परीक्षा रद्द किए जाने के बाद से अभ्यर्थी विरोध जता रहे हैं। राज्य सरकार ने परीक्षा में कथित गड़बड़ियों से संबंधित रिपोर्ट सामने आने के बाद इसे रद्द करने का फैसला लिया था। इसके बाद अभ्यर्थियों की ओर से फैसले को वापस लेने और भर्ती प्रक्रिया को लेकर आगे की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की जा रही है। अब प्रस्तावित प्रदर्शन के जरिए अभ्यर्थी अपनी मांगें प्रशासन और सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं।

शिक्षा विभाग के एचआरएमएस में सेंधमारी कर 60.57 लाख रुपये का गबन, दो लोगों की भूमिका संदिग्ध

एजेंसी

पटना। बिहार के मोतिहारी में शिक्षा विभाग की ऑनलाइन वेतन भुगतान प्रणाली (एचआरएमएस) में कथित छेड़छाड़ कर सरकारी खजाने से 60 लाख 57 हजार 158 रुपये की अवैध निकासी का मामला सामने आया है। बिहार के शिक्षा विभाग की ऑनलाइन वेतन भुगतान प्रणाली (एचआरएमएस) में कथित सेंधमारी कर सरकारी खजाने से 60 लाख 57 हजार 158 रुपये की अवैध निकासी का मामला सामने आया है। विभागीय जांच में दो लोगों की भूमिका प्रथमदृष्टया संदिग्ध पाए जाने के बाद मोतिहारी नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। आरोप है कि तकनीकी छेड़छाड़ कर सरकारी राशि निजी बैंक खातों में भेजी गई। इस खुलासे के बाद शिक्षा विभाग की निगरानी व्यवस्था, वेतन भुगतान प्रक्रिया और कार्यालय में कथित संरक्षण को लेकर सवाल उठने लगे हैं। अब जांच में यह भी पता लगाया जाएगा कि गड़बड़ी में अन्य कर्मचारियों या अधिकारियों की कोई भूमिका थी या नहीं। शिक्षा विभाग, बिहार के निदेशक प्रशासन के पत्रांक 2072, दिनांक 12 अक्टूबर 2026 के निर्देश पर शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारियों के एचआरएमएस वेतन भुगतान की विशेष जांच कराई गई थी। जांच के दौरान जून 2024 से सितंबर 2026 के बीच सरकारी राशि की अवैध निकासी का मामला सामने आया। इसके बाद विभागीय स्तर पर कार्रवाई करते हुए मोतिहारी नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। मामले में कुल 60 लाख 57 हजार 158 रुपये के गबन का आरोप है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस अब पूरे मामले की पड़ताल कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वेतन भुगतान प्रणाली में कथित तौर पर किस तरह छेड़छाड़ की गई और सरकारी राशि किन खातों में भेजी गई। शिक्षक और एचआरएमएस ऑपरेटर की भूमिका संदिग्ध विभागीय जांच के अनुसार, मदरसा मिसवाहुल उलूम, सेमरहियां, छौड़ादानों में कार्यरत शिक्षक मो. इमादुद्दीन शाबिर उर्फ बेताब और एचआरएमएस ऑपरेटर अमन कुमार की भूमिका प्रथमदृष्टया संदिग्ध पाई गई है।

संक्षिप्त डायरी

पटना में 12 साल से चोरी कर रहा था शातिर, पत्नी-बेटे और ज्वेलर्स के साथ गिरफ्तार

एजेंसी

पटना। पटना में 12 वर्षों से चोरी करने वाले शातिर दिनेश कुमार को पुलिस ने पत्नी, बेटे और चोरी के जेवर खरीदने वाले दुकानदार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी ने 100 से अधिक घरों में चोरी स्वीकार की। भारी मात्रा में जेवर, नकदी और हथियार बरामद हुए। पटना के शास्त्रीनगर थाने की पुलिस ने पिछले 12 वर्षों से राजधानी पटना के विभिन्न पॉश इलाकों में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले शातिर चोर को उसकी पत्नी, बेटे और चोरी के जेवर खरीदने वाले आभूषण विक्रेता के साथ गिरफ्तार किया है। मध्य पुलिस अधीक्षक चंद्र प्रकाश ने बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में इस संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया। पकड़े गए मुख्य आरोपी की पहचान खुशरूपुर थाना क्षेत्र के चक हुसैन निवासी दिनेश कुमार उर्फ विजय कुमार उर्फ लंगड़ा के रूप में हुई है। कड़ी पूछताछ के दौरान आरोपी ने 100 से अधिक बंद और खुले घरों में चोरी करने का अपराध स्वीकार किया है। पुलिस की तफ्तीश में सामने आया कि चोरी के इस गोरखधंधे में दिनेश का पूरा परिवार सक्रिय रूप से शामिल था। दिनेश दिनदहाड़े अकेले ही सूने मकानों के ताले तोड़कर चंद मिनटों में सोने-चांदी के गहने और नकदी समेट लेता था। इसके बाद उसकी 43 वर्षीय पत्नी पूनम देवी चोरी के जेवर बाजार में बेचने का जिम्मा संभालती थी। वहीं उनका 20 वर्षीय बेटा आर्यन इशु चोरी के रुपये के लेनदेन और कमिशन का पूरा हिसाब-किताब रखता था। पुलिस ने तीनों को कंकड़बाग थाना क्षेत्र के 90 फीट रोड पर स्थित शिव शंकर प्रसाद के किराए के मकान से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी दिनेश का पुराना और गंभीर आपराधिक इतिहास रहा है। उसने वर्ष 2014 में श्रीकृष्णापुरी थाना क्षेत्र के बोरिंग रोड स्थित केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के आवास में हुई चर्चित चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। उस समय पुलिस ने मंत्री के आवास पर तैनात दो कर्मचारियों और दिनेश को गिरफ्तार कर उनके पास से एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के गहने व नकदी बरामद की थी। पुलिस को अब तक पटना के 10 अलग-अलग थानों में आरोपी दिनेश के खिलाफ चोरी के मुकदमों की जानकारी मिली है। भारी मात्रा में जेवर और हथियार बरामद\ लिस ने आरोपियों के ठिकाने और कंकड़बाग लोहिया नगर स्थित 'ओम अलंकार' ज्वेलर्स की दुकान में छापेमारी कर 493 ग्राम सोना तथा 1,700 ग्राम चांदी के जेवर जब्त किए हैं। बरामद सामान में सोने का एक बिस्किट, चांदी के तीन बिस्किट, सिक्के, कटोरी, चार चूड़ियां, 28 बिछिया, नौ जोड़ी पायल और एक ब्रेसलेट शामिल हैं। चोरी के जेवर खरीदने वाले दुकान संचालक योगेश कुमार को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा 1.29 लाख रुपये नकद, एक देसी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, 41 ग्राम स्मैक और पांच मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। आरोपी चोरी की रकम का इस्तेमाल सैर-सपाटे, जुआ खेलने और मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री में करते थे। पुलिस अब इस परिवार द्वारा बनाई गई अवैध संपत्तियों का ब्योरा जुटाकर जब्ती की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

एटीएम से छह हजार रुपये निकालकर घर लौट रहा था किशोर, दूसरे दिन मिला शव

एजेंसी

पटना। भोजपुर के तरारी थाना क्षेत्र में एटीएम से छह हजार रुपये निकालकर घर लौट रहे 14 वर्षीय मोहित राज की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। बुधवार को उसका शव बरामद हुआ। परिजनों ने रुपये छीनने का आरोप लगाया है। भोजपुर जिले के तरारी थाना क्षेत्र में घर से निकले 14 वर्षीय किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। किशोर का शव बुधवार दोपहर करथ गांव स्थित बिरहर करहा के पास बरामद किया गया। मृतक के बाएं ललाट और भौंह के ऊपर जख्म के निशान मिले हैं। साथ ही उसकी जीभ बाहर निकली हुई थी। परिजनों ने रुपये छीनने की नीयत से किशोर की पीट-पीटकर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है। मृतक की पहचान तरारी थाना क्षेत्र के दुर्गपुर गांव निवासी सत्येंद्र सिंह उर्फ अलगू के 14 वर्षीय पुत्र मोहित राज के रूप में हुई है। वह आठवीं कक्षा का छात्र था। परिजनों के अनुसार, मोहित मंगलवार की शाम करीब सात बजे करथ गांव स्थित एटीएम से रुपये निकालने गया था। वहां से उसने छह हजार रुपये निकाले और घर लौट रहा था। इसी दौरान गांव के दो युवकों द्वारा उसे एटीएम से रुपये निकालते हुए देखे जाने और उसका पीछा किए जाने की बात सामने आई है। मृतक के पिता सत्येंद्र सिंह उर्फ अलगू का आरोप है कि घर लौटने के दौरान कुछ युवकों ने रुपये छीनने की नीयत से उनके बेटे को पकड़ लिया और उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फेंक दिया गया। बुधवार दोपहर शव मिलने की सूचना पर इलाके में हड़कंप मच गया। एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किए। मामले की जांच के लिए एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। इस संबंध में पीरो एसडीपीओ कन्हैया कुमार ने बताया कि शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित किए गए हैं और एफएसएल टीम की मदद भी ली गई है। पुलिस अन्य तकनीकी बिंदुओं पर जांच कर रही है। घटना के कारणों और इसमें शामिल लोगों की भूमिका का पता लगाने के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

10वें राउंड के बाद भी नहीं निकला नतीजा, भाजपा प्रत्याशी आगे; तेजस्वी ने ईसी पर उठाए सवाल

एजेंसी

पटना। दरभंगा स्नातक चुनाव में भाजपा के सर्वेश कुमार 16,115 मतों के साथ आगे हैं, लेकिन जीत के लिए 31,911 मत जरूरी हैं। दूसरे वरीयता के मतों की गिनती जारी है। तेजस्वी यादव ने मतगणना में देरी और पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं। दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव की मतगणना में भाजपा के सर्वेश कुमार आगे चल रहे हैं। हालांकि, जीत के लिए निर्धारित 31,911 मतों का आंकड़ा हासिल नहीं होने के कारण दूसरे वरीयता क्रम के मतों की गिनती जारी है। इस बीच राजद नेता तेजस्वी यादव ने मतगणना में देरी और वैध मतों को अवैध घोषित करने का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग से पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की है। दरभंगा स्नातक क्षेत्र से मतगणना में लगभग 10% मत अवैध घोषित किए है ताकि हमारे उम्मीदवार को हरा सके। 24 घंटे के बाद भी द्वितीय वरीयता के मतों की गणना में देरी की जा रही है । जहाँ बीजेपी हारने लगती है चुनाव आयोग इनके निदेशों पर नाचने लग जाता है। चुनाव आयोग गिनती में तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि दरभंगा स्नातक चुनाव की गणना में लगभग 10 प्रतिशत वैध मतों को अवैध घोषित किया गया है, ताकि उनके उम्मीदवार को हराया जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि 24 घंटे बाद भी द्वितीय वरीयता के मतों की गिनती में देरी की जा रही है। तेजस्वी ने कहा कि जहां भाजपा हारने लगती है, वहां चुनाव आयोग उसके निर्देश पर नाचने लगता है। उन्होंने चुनाव आयोग से मतगणना में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की। पहले राउंड में 69,141 मतों की गिनती दरभंगा स्नातक चुनाव के पहले राउंड की मतगणना पूरी हो चुकी है। इस दौरान कुल 69,141 मतों की गिनती की गई, जिसमें 5,321 मत रद्द घोषित किए गए। इसके बाद कुल वैध मतों की संख्या 63,820 रही। जीत के लिए निर्धारित मतों की संख्या 31,911 है, जो कुल वैध मतों के आधे से एक अधिक है। पहले राउंड में सर्वाधिक 16,115 मत भाजपा के सर्वेश कुमार को मिले। वहीं, दूसरे स्थान पर रहे प्रत्याशी अनिल कुमार झा को 14,615 मत प्राप्त हुए। इस प्रक्रिया में सबसे कम प्रथम वरीयता के मत प्राप्त करने वाले प्रत्याशी अमरनाथ सिंह, जिन्हें केवल 23 मत मिले हैं, के मतपत्रों में दर्ज दूसरी वरीयता के मत संबंधित प्रत्याशियों के खाते में जोड़े जाएंगे। इसके बाद क्रमशः 39वें, 38वें, 37वें और आगे के क्रम के प्रत्याशियों के मतों की गिनती की जाएगी।

एप्पल ने लॉन्च किया पहला टचस्क्रीन मैकबुक-प्रो

भारत में 9 नवंबर से उपलब्ध, कीमत 3.49 लाख से शुरू

मुंबई ।

दिग्गज टेक कंपनी एप्पल ने अपने प्रो एंड टेल इवेंट में पहला टचस्क्रीन मैकबुक प्रो लॉन्च कर सालों पुरानी रणनीति को बदल दिया है। ओएलईडी डिस्प्ले, नई एम5 चिप्स और टच जेस्चर के साथ, यह लैपटॉप सीधे स्क्रीन पर इंटरेक्शन का अनूठा अनुभव प्रदान करेगा। यह नया टचस्क्रीन डिस्प्ले यूजर्स को सीधे स्क्रीन पर डॉक्यूमेंट स्क्रॉल करने, तस्वीरों को जूम करने, ड्राइंग बनाने और कंटेंट एनोटेट करने की सुविधा देता है। पहली बार मैकबुक में आईफोन का लोकप्रिय फीचर डायनामिक आइलैंड भी शामिल किया गया है। लैपटॉप में प्रोएलईडी एक्सडीआर नाम का नया टेंडेम ओएलईडी डिस्प्ले है, जो बेहतर कलर एक्यूरेसी और 2,000 निट्स की पीक ब्राइटनेस का वादा करता है। यह एम5 प्रो और एम5 मैक्स चिप्स से संचालित होता है, जो वीडियो एडिटिंग, थ्रीडी रेंडरिंग और एआई वर्कलोड जैसे भारी कामों के लिए डिजाइन की गई हैं। इनमें एआई से संबंधित कामों के लिए न्यूरल एक्सीलरेटर भी दिए गए हैं। भारत में 14-इंच मॉडल की कीमत 3,49,900 और 16-इंच मॉडल की कीमत 4,09,900 रुपए रखी गई है। नया मैकबुक प्रो भारत में 9 नवंबर से बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। एप्पल का यह कदम कंपनी की पुरानी रणनीति से एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि स्टीव जॉब्स ने कभी टचस्क्रीन लैपटॉप को इस्तेमाल में असुविधाजनक बताया था।

एसीएमई सोलर का मुनाफा दोगुना, आय में रिकॉर्ड उछाल

बीईएसएस और नवीकरणीय विस्तार से लाभ को मिला बढ़ावा

नई दिल्ली ।

एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में शानदार वित्तीय नतीजे पेश किए। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 269 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 115 करोड़ रुपये से काफी अधिक है। कंपनी की कुल आय 67.5 फीसदी बढ़कर 1,007 करोड़ रुपये रही, जिसका मुख्य कारण बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का विस्तार था। कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) भी 63.6त्न बढ़कर 874 करोड़ रुपये दर्ज हुई। तिमाही के दौरान, एसीएमई ने 2.1 गीगावाट-घंटा (जीडब्ल्यूएच) की नई बीईएसएस क्षमता चालू की, जिससे उसकी कुल बीईएसएस क्षमता बढ़कर 5.2 जीडब्ल्यूएच हो गई। कंपनी ने इस अवधि में 184 करोड़ यूनिट स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन भी किया। इस बीच कंपनी ने एनटीपीसी के साथ 400 मेगावॉट की फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी (एफडीआरई) परियोजना के लिए 4.37 रुपये प्रति यूनिट की दर पर बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। यह समझौता एसीएमई मैरीगोल्ड ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से किया गया है, जिसकी बिजली आपूर्ति 30 जून, 2028 तक अपेक्षित है।

रिलायंस ने भंग की हैमलीज की छोटी फ्रेंचाइजिंग इकाई

ब्रिटेन में स्वैच्छिक पंजीकरण समाप्त करने का आवेदन स्वीकृत

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसकी अनुषंगी की अनुषंगी कंपनी हैमलीज (फ्रेंचाइजिंग) लिमिटेड को भंग किया जा रहा है। यह निर्णय ब्रिटेन में कंपनी के स्वैच्छिक पंजीकरण को समाप्त करने के आवेदन के बाद आया है, जिसकी नियामकीय सूचना जारी कर दी गई है। यह इकाई रिलायंस समूह के कुल कारोबार में नगण्य योगदान देती थी, इसलिए इसे बंद करने का फैसला लिया गया है। ब्रिटेन के कंपनी पंजीयक ने इस संबंध में आधिकारिक राजपत्र में एक नोटिस प्रकाशित किया है। इसके अनुसार, हैमलीज (फ्रेंचाइजिंग) लिमिटेड को 27 अक्टूबर, 2026 से कम से कम दो महीने बाद कंपनी रजिस्टर से हटाकर भंग कर दिया जाएगा।

वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2025 में हैमलीज (फ्रेंचाइजिंग) लिमिटेड का कारोबार 56.08 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में रिलायंस इंडस्ट्रीज के कुल एकीकृत कारोबार का केवल 0.0048 प्रतिशत था। 31 दिसंबर, 2025 तक इसकी नेटवर्थ शून्य दर्ज की गई थी, जो इसके नगण्य महत्व को दर्शाता है। गौरतलब है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज की अनुषंगी रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड ने जुलाई 2019 में ब्रिटिश खिलौना खुदरा विक्रेता हैमलीज का अधिग्रहण 6.79 करोड़ पाउंड (लगभग 620 करोड़ रुपये) में किया था। लंदन में 1760 में स्थापित हैमलीज दुनिया के सबसे पुराने खिलौना खुदरा ब्रांडों में से एक है। इस फ्रेंचाइजिंग इकाई को भंग करने से मुख्य हैमलीज ब्रांड के वैश्विक संचालन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 905 और निफ्टी 237 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 905.01 अंकों की शानदार उछाल के साथ बढ़कर 74,151.04 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी इंडेक्स भी 237.90 अंकों की तेजी के साथ ही 22,936.75 अंक पर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 लिस्टेड कंपनियों में से 26 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए, जबकि केवल 4 शेयरों में मामूली गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह, निफ्टी 50 के 50 शेयरों में से 39 शेयरों ने तेजी के साथ कारोबार समाप्त किया, जबकि 11 कंपनियों के शेयर लाल निशान में बंद हुए। यह दिखात है कि बाजार की तेजी किसी एक सेक्टर या कुछ शेयरों तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह व्यापक थी।

तेजी वाले शेयरों की बात करें तो अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड के शेयरों में सबसे ज्यादा उत्साह देखने को मिला, जो 5.17 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसके बाद कोटक महिंद्रा बैंक , पावर ग्रिड , एटरनल , बजाज फाइनेंस , भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में भी उछाल रहा। वहीं अन्य प्रमुख बढ़ने वाले शेयरों में टाइटन, एनटीपीसी , बीईएल , इन्फोसिस , आईटीसी, भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा



आदि रहे। इस दौरान कुछ कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट के शेयर 1.44 फीसदी की सबसे बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए।

मारुति सुजुकी और , टेक महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स 400.28 अंक की बढ़त दर्ज करते हुए 73,646.31 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 110.41 अंक चढ़कर 22,809.25 के स्तर पर बना हुआ था।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार बढ़त पर बंद हुआ। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की नीतिगत घोषणा के बाद डॉलर में मामूली कमजोरी आने से गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे मजबूत होकर 95.17 के स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बाजार की उम्मीदों के अनुरूप ब्याज दरों को 3.75 प्रतिशत से 4.00 प्रतिशत के दायरे में अपरिवर्तित रखा है। हालांकि, इस फैसले के बाद डॉलर पर हल्का दबाव देखने को मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.20 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें सुधार आया और यह 95.17 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 पर बंद हुआ। कारोबारियों का कहना है कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिका में बॉण्ड प्रतिफल का मजबूत स्तर रुपये पर दबाव बनाए हुए है। हालांकि, करीब 721 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार, हाल में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के प्रवाह में सुधार और भारतीय रिजर्व बैंक की बाजार में मौजूदगी रुपये को सहारा दे रही है।

मारुति सुजुकी का इलेक्ट्रिक वाहन निर्यात 50,000 इकाई के पार

अगस्त 2025 से ई-विटारा की 50 देशों में धूम

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) निर्यात के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने अगस्त 2025 से अक्टूबर 2026 की अवधि के दौरान 50,000 से अधिक ईवी का निर्यात किया है, जो वैश्विक बाजारों में इसकी बढ़ती पकड़ और भारत के ईवी निर्यात में इसकी अग्रणी भूमिका को दर्शाता है।

कंपनी ने बताया कि अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान, भारत से हुए कुल इलेक्ट्रिक यात्री वाहन निर्यात में मारुति की हिस्सेदारी करीब 93 प्रतिशत रही। मारुति अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी 'ई-विटारा' का निर्यात ब्रिटेन, नॉर्वे, जर्मनी, जापान सहित करीब 50 देशों में कर रही है, जिसमें यूरोप इसका सबसे बड़ा बाजार है। 'ई-विटारा' का उत्पादन अगस्त 2025 में गुजरात स्थित हंसलपुर संयंत्र में शुरू हुआ था, जो सुजुकी के पहले वैश्विक बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन का एकमात्र निर्माण केंद्र है। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ हिसाशी ताकेउची ने इस वैश्विक विस्तार पर खुशी जताई। हाल ही में, हंसलपुर संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 10 लाख वाहन कर दी गई है, जो इसे सुजुकी का दुनिया का पहला ऐसा विनिर्माण संयंत्र बनाती है। कुल 25,288.7 करोड़ रुपये के निवेश से निर्मित इस संयंत्र ने वित्त वर्ष 2025-26 में मारुति के कुल वाहन निर्यात में लगभग आधी हिस्सेदारी निभाई।

एचयूएल का दूसरी तिमाही में 38 फीसदी उछाल का अनुमान

दमदार प्रदर्शन, रिकॉर्ड वॉल्यूम ग्रोथ के बावजूद ब्रोकरेज ने घटाया टारगेट

नई दिल्ली ।

एफएमसीजी दिग्गज हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बेहतरीन नतीजे पेश किए हैं। कंपनी का मुनाफा 4 फीसदी बढ़कर 2,790 करोड़ रुपए रहा, जबकि वॉल्यूम ग्रोथ 7 फीसदी दर्ज की गई, जो 21 तिमाहियों का उच्चतम स्तर है। इन शानदार नतीजों के साथ, कंपनी ने 19 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड भी घोषित किया है। एचयूएल की नेट सेल्स में भी 14.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो 14 तिमाहियों का सबसे मजबूत प्रदर्शन है।

दमदार नतीजों के बावजूद, ब्रोकरेज फर्मों ने बाजार की मौजूदा स्थिति और एफएमसीजी सेक्टर के वैल्यूएशन में गिरावट को देखते हुए एचयूएल के शेयर पर अपने टारगेट प्राइस घटा दिए हैं।

नुवामा ने टारगेट 2,820 रुपए से घटाकर 2,510 रुपए और जेफरीज ने 2,450 रुपए से घटाकर 2,350 रुपए किया है, हालांकि दोनों ने बाय रेटिंग बरकरार रखी है। इस तिमाही में कच्चे माल की बढ़ती लागत के चलते मार्जिन पर दबाव साफ दिखा। ग्रॉस मार्जिन 47.1 फीसदी और एबिटा मार्जिन 22.6 फीसदी रहा, जिसमें गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, होम केयर कारोबार ने 22 फीसदी की शानदार ग्रोथ दर्ज की, वहीं ब्यूटी एंड वेलबीइंग और फूड्स जैसे सेगमेंट में भी अच्छी बढ़ोतरी देखी गई।

कंपनी ने डव, वैसलीन जैसे प्रीमियम प्रोडक्ट्स पर भी जोर दिया है। एचयूएल को उम्मीद है कि ग्रामीण मांग में सुधार और नए आउटलेट्स जोड़ने के प्रयासों से वित्त वर्ष 2026-27 में प्रदर्शन बेहतर होगा, और एबिटडा मार्जिन 22-24 फीसदी के दायरे में रहेगा।

एचयूएल का दूसरी तिमाही में 38 फीसदी उछाल का अनुमान

दमदार प्रदर्शन, रिकॉर्ड वॉल्यूम ग्रोथ के बावजूद ब्रोकरेज ने घटाया टारगेट

नई दिल्ली ।

एफएमसीजी दिग्गज हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बेहतरीन नतीजे पेश किए हैं। कंपनी का मुनाफा 4 फीसदी बढ़कर 2,790 करोड़ रुपए रहा, जबकि वॉल्यूम ग्रोथ 7 फीसदी दर्ज की गई, जो 21 तिमाहियों का उच्चतम स्तर है। इन शानदार नतीजों के साथ, कंपनी ने 19 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड भी घोषित किया है। एचयूएल की नेट सेल्स में भी 14.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो 14 तिमाहियों का सबसे मजबूत प्रदर्शन है।

दमदार नतीजों के बावजूद, ब्रोकरेज फर्मों ने बाजार की मौजूदा स्थिति और एफएमसीजी सेक्टर के वैल्यूएशन में गिरावट को देखते हुए एचयूएल के शेयर पर अपने टारगेट प्राइस घटा दिए हैं। नुवामा ने टारगेट 2,820 रुपए से घटाकर 2,510 रुपए और जेफरीज ने 2,450 रुपए से घटाकर 2,350 रुपए किया है, हालांकि दोनों ने बाय रेटिंग बरकरार रखी है।

इस तिमाही में कच्चे माल की बढ़ती लागत के चलते मार्जिन पर दबाव साफ दिखा। ग्रॉस मार्जिन 47.1 फीसदी और एबिटा मार्जिन 22.6 फीसदी रहा, जिसमें गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, होम केयर कारोबार ने 22 फीसदी की शानदार ग्रोथ दर्ज की, वहीं ब्यूटी एंड वेलबीइंग और फूड्स जैसे सेगमेंट में भी अच्छी बढ़ोतरी देखी गई।

कंपनी ने डव, वैसलीन जैसे प्रीमियम प्रोडक्ट्स पर भी जोर दिया है। एचयूएल को उम्मीद है कि ग्रामीण मांग में सुधार और नए आउटलेट्स जोड़ने के प्रयासों से वित्त वर्ष 2026-27 में प्रदर्शन बेहतर होगा, और एबिटडा मार्जिन 22-24 फीसदी के दायरे में रहेगा।



घरेलू विमानन उद्योग को 38,000 करोड़ तक के घाटे का अनुमान

मुंबई।

भारतीय विमानन उद्योग को चालू वित्त वर्ष (2026-27) में 36,000 रुपए से 38,000 करोड़ रुपए तक का भारी घाटा होने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने गुरुवार को यह चेतावनी जारी करते हुए बताया कि पिछले वित्त वर्ष (2025-26) के अनुमानित 28,000-30,000 करोड़ रुपए के घाटे की तुलना में यह नुकसान और बढ़ेगा, जो उद्योग के लिए बढ़ती चुनौतियों को दर्शाता है। इक्रा के मुताबिक, यात्री यातायात वृद्धि दर में नरमी, विमान ईंधन (एटीएफ) की लगातार बढ़ती कीमतें और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में तेज गिरावट के कारण विदेशी मुद्रा संबंधी नुकसान इस घाटे के प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा, फरवरी 2026 के अंत में पश्चिम एशिया में संभावित युद्ध शुरू होने से हवाई यात्री यातायात प्रभावित होने की आशंका है। एजेंसी ने विमानों की लगातार आपूर्ति के कारण पट्टा किराये में वृद्धि को भी एयरलाइन कंपनियों की लागत बढ़ने का एक महत्वपूर्ण कारक बताया है। इन चुनौतियों के बावजूद, एयरलाइन कंपनियां अपनी लागत में हुई इस बढ़ोतरी की भरपाई के लिए हवाई किराये में पर्याप्त वृद्धि नहीं कर पा रही हैं, जिससे उनके वित्तीय प्रदर्शन पर गहरा दबाव बना हुआ है और घाटे की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

निखिल द्विवेदी की सफ्फॉन मैजिकवर्क्स को बड़ी राहत-आईएमपीपीए अवॉर्ड निरस्त

मुंबई ।

फिल्म निर्माता निखिल द्विवेदी की प्रोडक्शन कंपनी सफ्फॉन मैजिकवर्क्स को बॉम्बे हाईकोर्ट से महत्वपूर्ण कानूनी राहत मिली है। न्यायमूर्ति अरिफ एस. डॉक्टर ने 23 अक्टूबर, 2026 को इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईएमपीपीए) द्वारा 3 जुलाई, 2026 को पारित अवॉर्ड को निरस्त कर दिया। इस निर्णय से न्यायालय के समक्ष लंबित वाद और सभी संबंधित आवेदनों का निस्तारण हो गया है। न्यायालय ने आईएमपीपीए की विवाद निवारण समिति द्वारा पारित अवॉर्ड को रद्द करते हुए टिप्पणी की कि एसोसिएशन अपनी ही समिति द्वारा पारित अवॉर्ड के निरस्त होने पर स्वयं को पीड़ित पक्ष के रूप में प्रस्तुत नहीं कर सकती। न्यायालय ने उल्लेख किया कि नोटिस की तामील होने के बावजूद आईएमपीपीए कार्यवाही के दौरान उपस्थित नहीं हुई, जो उसके रुख को कमजोर करता है।

यह आदेश 9 सितंबर, 2026 को जारी अंतरिम निर्देश के बाद आया है, जिसमें आईएमपीपीए को विवादित अवॉर्ड के आधार पर सफ्फॉन मैजिकवर्क्स को डिफॉल्टर घोषित करने से रोक दिया गया था। सफ्फॉन मैजिकवर्क्स ने आईएमपीपीए के इस अवॉर्ड को चुनौती दी थी, क्योंकि इससे



कंपनी को संभावित प्रतिकूल परिणामों का सामना करना पड़ सकता था।

विनिर्माण और बिजली क्षेत्र के दम पर चमका औद्योगिक उत्पादन

विनिर्माण में 7.6 फीसदी और बिजली आपूर्ति में 11.2 फीसदी की वृद्धि ने संभाली कमान



नई दिल्ली ।

भारत के औद्योगिक क्षेत्र ने सितंबर 2026 में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अर्थव्यवस्था को नई गति दी है। हाल में जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में सालाना आधार पर 6.7 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। इस तेजी में विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और बिजली एवं गैस आपूर्ति क्षेत्रों की भूमिका अहम रही, जो देश की आर्थिक गतिविधियों में निरंतर मजबूती का संकेत है। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी त्वरित अनुमानों के अनुसार, सितंबर 2026 में ढुढ्ढक बढ़कर 124.3 पर पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 116.5 था। इस वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र की 7.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी और बिजली एवं गैस आपूर्ति क्षेत्र की 11.2 प्रतिशत की शानदार वृद्धि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। हालांकि, अगस्त 2026 में दर्ज 8 प्रतिशत की वृद्धि दर के मुकाबले सितंबर में यह गति कुछ धीमी रही, फिर भी समग्र प्रदर्शन उत्साहजनक रहा। विनिर्माण क्षेत्र के भीतर, कुल 23 उद्योग समूहों में से 17 ने सकारात्मक वृद्धि दर्ज की। मोटर वाहन, ट्रेलर और सेमी-ट्रेलर निर्माण क्षेत्र ने 19 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की, जिसमें ऑटो कंपोनेंट्स, यात्री और वाणिज्यिक वाहनों के उत्पादन ने अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा, इलेक्ट्रिकल उपकरण निर्माण क्षेत्र में 33.9 प्रतिशत और रबर एवं प्लास्टिक उत्पाद निर्माण क्षेत्र में 19.9 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी देखी गई। इलेक्ट्रिकल उपकरणों में स्विचगियर, सर्किट ब्रेकर और ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टर्स जैसे उत्पादों की मांग में उछाल आया।

फेड ने स्थिर रखीं ब्याज दरें, महंगाई पर पैनी नजर

फेडरल रिजर्व ने अक्टूबर बैठक में थामीं दरें; दिसंबर में बढ़ोतरी की अटकलें

नई दिल्ली ।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने अक्टूबर की अपनी मौद्रिक नीति बैठक में ब्याज दरों को 3.75-4 फीसदी के दायरे में अपरिवर्तित रखने का फैसला किया है।

यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब अमेरिका में लगातार ऊंची महंगाई दर अभी भी एक बड़ी चुनौती है, हालांकि फेड ने अर्थव्यवस्था को पहले से मजबूत बताया है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने 10-2 के बहुमत से दरें स्थिर रखने का निर्णय लिया। सितंबर में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद यह ठहराव आया है। केंद्रीय बैंक ने संकेत दिया है कि वह अगला बदलाव करने से पहले महंगाई और रोजगार के नए आंकड़ों पर बारीकी से नजर रखेगा।

फेड चेयरमैन केविन वार्श ने दिसंबर की अगली बैठक के लिए कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया है, लेकिन कुछ अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि दिसंबर में 0.25 फीसदी की और बढ़ोतरी हो



सकती है।

ब्याज दरों में बदलाव का अर्थव्यवस्था और बाजार पर सीधा असर पड़ता है। ऊंची ब्याज दरें कर्ज महंगा करती हैं, जिससे खर्च व निवेश घटता है, और महंगाई नियंत्रित होती है। हालांकि, यह शेयर बाजारों पर दबाव डाल सकता है। अमेरिकी फेड के इन फैसलों का असर भारत सहित वैश्विक बाजारों पर भी पड़ता है। यदि अमेरिका में दरें ऊंची रहती हैं या और बढ़ती हैं, तो विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों से पूंजी निकाल सकते हैं, जिससे सेंसेक्स-निफ्टी पर दबाव बढ़ सकता है।

जुपिटर वैगन्स को रेलवे से मिला 1,140 करोड़ का ऑर्डर

कोलकाता ।

भारतीय रेलवे की बढ़ती माल ढुलाई क्षमता को मजबूती देते हुए जुपिटर वैगन्स लिमिटेड को रेल मंत्रालय से 1,140 करोड़ रुपये का एक अहम ऑर्डर मिला है। इस सौदे में कंपनी 2,583 अत्याधुनिक वैगन का विनिर्माण करेगी, जिससे देश की औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को गति मिलेगी। जुपिटर वैगन्स को बॉक्स एनएचएल और बॉक्स एनएस श्रेणी के वैगन बनाने का ठेका मिला है, जिसकी जानकारी कंपनी ने गुरुवार को दी। यह ऑर्डर राष्ट्रीय रेल योजना के तहत माल ढुलाई में रेलवे की हिस्सेदारी बढ़ाने के सरकार के लक्ष्य के अनुरूप है। कंपनी को निजी माल ढुलाई ऑपरेटरों, वैगन लीजिंग कंपनियों और प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों के ग्राहकों से भी लगातार ऑर्डर मिल रहे हैं, जिससे उसकी ऑर्डर बुक मजबूत बनी हुई है। कंपनी को वित्त वर्ष 2026-27 की चौथी तिमाही तक



करीब 2,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त ऑर्डर मिलने की उम्मीद है।

स्मिथ की वापसी के लिए करना होगा दिसम्बर तक इंतजार

केप टाउन। ऑस्ट्रेलिया को स्टीव स्मिथ की वापसी के लिए दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज तक इंतजार करना होगा। स्कैन से पता चला है कि उन्हें 'सर्वाइकल फैसेट जॉइंट' (गर्दन के जोड़) में चोट लगी है। इस चोट के कारण अनुभवी बल्लेबाज को केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे निर्णायक टेस्ट मैच से बाहर होना पड़ा।

पिछले हफ्ते गकेबेरहा में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन स्टीव स्मिथ को गर्दन में दर्द महसूस हुआ। यह समस्या बनी रही और गर्दन की सीमित हलचल के कारण उन्हें तीसरे टेस्ट मैच से बाहर होना पड़ा, जो मंगलवार से शुरू हुआ है। इसके बाद में हुई मेडिकल जांच से चोट की प्रकृति साफ हो गई है और उनके ठीक होने के समय के बारे में भी स्पष्ट जानकारी मिल गई है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की है कि 37 वर्षीय खिलाड़ी आगामी घरेलू सीरीज तक चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। इस दौरान उनका इलाज और रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) जारी रहेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, 'पिछले हफ्ते गेबेरहा में दूसरे टेस्ट के चौथे दिन स्टीव स्मिथ को गर्दन में दर्द हुआ। बाद में एमआरआई स्कैन से 'सर्वाइकल फैसेट जॉइंट' में चोट की पुष्टि हुई। इस चोट और गर्दन की



सीमित हलचल के कारण, वह मौजूदा टेस्ट मैच में खेलने के लिए फिट नहीं थे। स्टीव का इलाज और रिहैबिलिटेशन जारी रहेगा। उम्मीद है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह फिट होकर वापसी करेंगे।'

स्मिथ के बाहर होने से जोश इंग्लिस के लिए टेस्ट टीम में वापसी का रास्ता खुल गया। बुधवार को मिले इस मौके का उन्होंने पूरा फायदा उठाया। ऑस्ट्रेलिया के दो विकेट जल्दी गिर जाने के बाद दबाव में बल्लेबाजी करते हुए इंग्लिस 85 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी पारी की मदद से मेहमान टीम ने 330/4 का स्कोर बना लिया है और साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में एक रन की मामूली बढ़त हासिल कर ली है।पिछले साल एशेज सीरीज के अंतिम मुकाबले के बाद यह इंग्लिस का पहला टेस्ट है। जल्दी सेट होने और दबाव का सामना करने की उनकी क्षमता की उनके साथी खिलाड़ी मैथ्यू रेनशॉ ने तारीफ की।

बैलोन डी'ओर ऑफ ऑल टाइमः फैंस ने चुना सर्वकालीन सर्वश्रेष्ठ

मेसी पर भारी पड़े रोनाल्डो!





लंदन, एजेंसी। फुटबॉल की दुनिया में क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनल मेसी के बीच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की बहस लंबे समय से जारी है। अब फैंस की वोटिंग में रोनाल्डो ने मेसी को पीछे छोड़ते हुए बैलोन डी'ओर ऑफ ऑल टाइम (B.O.A.T.) का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस वोटिंग में पुर्तगाल के दिग्गज खिलाड़ी के 2008 के सीजन को बैलोन डी'ओर के इतिहास में किसी विजेता का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत सीजन चुना गया। वहीं, मेसी का 2012 का ऐतिहासिक सीजन दूसरे स्थान पर रहा।

बैलोन डी'ओर संगठन ने 2026 के गोल्डन बॉल पुरस्कार के नतीजे सामने आने के कुछ दिन बाद इस वोटिंग के परिणाम जारी किए। इंग्लैंड और बायर्न म्यूनिख के स्ट्राइकर हैरी केन ने 2026 का गोल्डन बॉल पुरस्कार जीता था। हालांकि, बी.ओ.ए.टी का फैसला फैंस की वोटिंग के आधार पर हुआ।

रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ 2007-08 के सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था। उनके दमदार खेल की बदौलत क्लब ने प्रीमियर लीग और यूईएफए चैंपियंस लीग का खिताब जीता। रोनाल्डो ने सभी प्रतियोगिताओं में कुल 42 गोल किए और आठ असिस्ट दिए। इस दौरान उन्होंने कई बड़े व्यक्तिगत पुरस्कार भी अपने नाम किए। वह प्रीमियर लीग के गोल्डन बूट विजेता बने और चैंपियंस लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। इसके अलावा, उन्होंने यूरोपियन गोल्डन शू भी जीता।रोनाल्डो को प्रीमियर लीग प्लेयर ऑफ द सीजन, पीएफए प्लेयर्स प्लेयर ऑफ द ईयर, एफडब्ल्यूए फुटबॉलर ऑफ द ईयर, यूईएफए क्लब फुटबॉलर ऑफ द ईयर और फीफा वर्ल्ड प्लेयर ऑफ द ईयर जैसे सम्मान भी मिले। इस तरह 2008 उनके करियर के सबसे यादगार वर्षों में शामिल हो गया। बैलोन डी'ओर ऑफ ऑल टाइम की अंतिम रैंकिंग में रोनाल्डो और मेसी का पूरी तरह दबदबा रहा। शीर्ष 10 में इन दोनों के अलावा किसी अन्य खिलाड़ी को जगह नहीं मिली। रोनाल्डो ने अपने पांच सीजन के दम पर सूची में जगह बनाई। इनमें 2008, 2017, 2016, 2014 और 2013 शामिल हैं। वहीं, मेसी के 2012, 2023, 2015, 2011 और 2009 के सीजन शीर्ष 10 में शामिल रहे।मेसी के नाम किसी भी खिलाड़ी से ज्यादा बैलोन डी'ओर खिताब हैं, लेकिन इस खास वोटिंग में रोनाल्डो का 2008 का प्रदर्शन सबसे आगे रहा।

वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए बनाई रणनीति... तिलक ने किया खुलासा

भारत के टी-20 खिलाड़ियों को कोच गंभीर की दो टूक!

ऑकलैंड, एजेंसी। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा ने बताया कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम बैठकों में खिलाड़ियों को स्पष्ट कर दिया है कि टी20 टीम का प्रदर्शन आगामी वनडे और टेस्ट टीमों के लिए भी गति तय करेगा। तिलक के मुताबिक, यह लंबा दौरा है और भारतीय खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन का स्तर बनाए रखना होगा। भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना चुका है और अब उसकी नजर क्लीन स्वीप पर है।

तिलक वर्मा ने बताया कि भारत को घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज खेलने के तुरंत बाद न्यूजीलैंड पहुंचना पड़ा। ऐसे में परिस्थितियों और समय क्षेत्र के अनुसार खुद को ढालना आसान नहीं था। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ी इन चीजों का बहाना नहीं बना सकते।

तिलक ने कहा, 'इस स्तर पर हम बहाने नहीं बना सकते। हम सर्वोच्च स्तर पर खेल रहे हैं और हमें उन युवा खिलाड़ियों के लिए मानक तय करने होंगे, जो हमें देखकर प्रेरित होते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'गौतम सर ने टीम बैठकों में स्पष्ट कर दिया कि यह लंबा दौरा है और टी20 टीम के तौर पर हम जो स्तर तय करेंगे, उससे वनडे और टेस्ट टीमों को भी गति मिलेगी।'

पांच पर बल्लेबाजी करने से बदला अंदाज

तिलक ने बताया कि नंबर तीन के बजाय पांच या छह पर बल्लेबाजी करने से उनकी सोच में थोड़ा बदलाव आया है। पहले से ही बड़े शॉट खेलने की क्षमता होने के बावजूद अब वह परिस्थितियों के अनुसार पारी आगे बढ़ाने पर ध्यान देते हैं उन्होंने कहा, 'मेरे पास पहले भी पावर गेम था और मैंने नंबर तीन पर भी रन बनाए हैं। अब नंबर पांच या छह पर बल्लेबाजी करते हुए, अगर पहली गेंद पर बाउंड्री लगाने का मौका मिलता है, तो मैं उसका फायदा उठाने के बारे में सोचता हूं।' उन्होंने आगे बताया कि अगर पहली गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का मौका नहीं मिलता, तो वह पारी को गहराई तक ले जाने पर ध्यान देते हैं। इस दौरान सिंगल और डबल लेकर गैप तलाशना उनकी रणनीति का हिस्सा होता है।

दबाव को बनाते हैं हथियार

तिलक ने कहा कि लक्ष्य का पीछा करते समय वह गेंदबाजों की मानसिक स्थिति को भी ध्यान में रखते हैं। उनके मुताबिक, आखिरी ओवरों में बल्लेबाज की तुलना में गेंदबाज पर ज्यादा दबाव होता है। उन्होंने कहा, 'मेरे दिमाग में यह सकारात्मक सोच रहती है कि गेंदबाज पर ज्यादा दबाव है और ऐसे में उससे रन देने की गलती हो सकती है।' न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में नीतीश रेड्डी के साथ अहम साझेदारी पर तिलक ने बताया कि उन्होंने रेड्डी से कहा था, 'अगर हम यहां से मैच जिता देते हैं, तो बहुत मजा आएगा। मैदान पर टिके रहो, मैच को आखिर तक ले चलो और फिर देखते हैं कि क्या होता है।'

5-0 से सीरीज जीतने पर नजर

भारत पांच मैचों की सीरीज में 3-0 से आगे है। तिलक ने कहा कि टीम के पास क्लीन स्वीप हासिल करने का शानदार मौका है और खिलाड़ी अगले मैच को जीतकर भारतीय प्रशंसकों को 5-0 की सीरीज जीत का मौका देना चाहते हैं।



चौथे टी-20 में ईशान की होगी वापसी... नेट्स पर बहाया पसीना



ऑकलैंड, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला ऑकलैंड में खेला जाएगा। यह मुकाबला 30 अक्तूबर को खेला जाएगा। मैच से पहले बीसीसीआई ने ऑकलैंड से प्रैक्टिस की तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीरों में ईशान किशन भी बल्लेबाजी अभ्यास करते दिख रहे हैं। ऐसे में कयास लग रहे हैं कि उनकी अगले टी20 में प्लेइंग-11 में वापसी हो सकती है। वहीं, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा और शिवम दुबे भी बल्लेबाजी अभ्यास करते दिखे। भारतीय टीम सीरीज में पहले ही 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है। बीसीसीआई ने तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'ईडन पार्क, ऑकलैंड। चौथे टी20 से पहले मैच रेडी होते हुए खिलाड़ी।' तस्वीरों में तिलक शॉट्स लगाते दिख रहे हैं। वहीं, कोच गौतम गंभीर वैभव सूर्यवंशी को बल्लेबाजी के गुर सिखाते दिखे। नेट्स के दौरान वैभव ईशान किशन के साथ मस्ती मजाक भी करते दिखे।

टी20 सीरीज....न्यूजीलैंड को झटका!

भारत के खिलाफ आखिरी दो मैचों से बाहर हुए तेज गेंदबाज फर्ग्यूसन



ऑकलैंड। भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज लोकी फर्ग्यूसन पिंडली की चोट के कारण आखिरी दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। उन्हें पांच मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले के दौरान चोट लगी थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने फर्ग्यूसन की जगह मैट फिशर को टीम में शामिल किया है। भारत सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना चुका है। चौथा टी20 मुकाबला शुक्रवार को ऑकलैंड में खेला जाना है।

फर्ग्यूसन की पिंडली में लगी चोट

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को बताया कि फर्ग्यूसन को हेग्ले ओवल में खेले गए दूसरे टी20 के दौरान दाहिनी पिंडली में दर्द महसूस हुआ था। इसके बाद कराए गए स्कैन में हल्का मांसपेशियों का खिंचाव सामने आया। उन्हें वापसी के लिए लगभग एक सप्ताह और आराम की जरूरत होगी।न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'लोकी और मैट के चोटिल होने से हम निराश हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चोटें खेल का हिस्सा हैं, लेकिन जब आपको मुकाबलों से बाहर होना पड़ता है तो निराशा होती ही है।' वाल्टर ने उम्मीद जताई कि दोनों गेंदबाज चार नवंबर से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली वनडे सीरीज में खेल सकेंगे।

मैट हेनरी भी चोट से परेशान

न्यूजीलैंड के एक और तेज गेंदबाज मैट हेनरी भी टी20 सीरीज से बाहर हैं। दूसरे मुकाबले के दौरान उनकी दाहिनी जांघ की मांसपेशियों में दर्द हुआ था। स्कैन में उन्हें भी हल्का खिंचाव होने की पुष्टि हुई है। उनके ठीक होने में एक से दो सप्ताह लग सकते हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, हेनरी को पहले से तय कार्यभार प्रबंधन के तहत वनडे सीरीज के लिए टीम में लौटना था। चोट के बावजूद वह वनडे सीरीज के लिए तय कार्यक्रम के अनुसार वापसी की राह पर हैं। वाल्टर ने कहा, 'मैट को बाकी टी20 मुकाबलों से पहले ही आराम दिया जाना था, ताकि वह गर्मियों के व्यस्त कार्यक्रम के लिए तैयार रह सकें। हमें उम्मीद है कि वह वनडे सीरीज में अहम भूमिका निभाएंगे।'

जेमीसन भी वनडे सीरीज के लिए तैयार

टी20 टीम में गेंदबाजी कवर के तौर पर वेलिंगटन पहुंचे मैट फिशर अब सीरीज के बाकी मुकाबलों में फर्ग्यूसन की जगह लेंगे। उनकी जगह न्यूजीलैंड ए टीम में तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल को शामिल किया गया है, जो भारत ए के खिलाफ दूसरे मैच में खेलेंगे। वहीं, काइल जेमीसन तय कार्यभार प्रबंधन के तहत वेलिंगटन में ही रहेंगे और शनिवार को कैंटरबरी के लिए फोर्ड ट्रॉफी का मुकाबला खेल सकते हैं। इसके बाद वह सोमवार को न्यूजीलैंड की टीम से जुड़ेंगे। वाल्टर ने कहा कि फर्ग्यूसन ईडन पार्क में घरेलू दर्शकों के सामने खेलने को लेकर उत्साहित थे, लेकिन अब उनका ध्यान वनडे सीरीज तक फिट होने पर है।

रणजी ट्रॉफी रिकॉर्ड.... सरफराज के भाई मुशीर खान ने किया कमाल

मुंबई।रणजी ट्रॉफी में मुंबई के युवा ऑलराउंडर मुशीर खान ने गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन कर इतिहास रच दिया। हरियाणा के खिलाफ एलीट ग्रुप डी मुकाबले में मुशीर ने शतक लगाने के साथ पांच विकेट लेने का कारनामा किया। वह 21वीं सदी में एक ही रणजी ट्रॉफी मैच में शतक और पांच विकेट लेने वाले मुंबई के पहले खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले 1990-91 सत्र में रवि शास्त्री ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

मुशीर के शानदार प्रदर्शन से मुंबई ने पहली पारी में हरियाणा पर 160 रन की बढ़त हासिल की। मुंबई ने पहली पारी में 430 रन बनाए, जिसके जवाब में हरियाणा की टीम 270 रन पर सिमट गई। मुशीर ने 85 रन देकर छह विकेट झटके और हरियाणा के शुरुआती पांच विकेट भी अपने नाम किए।

हरियाणा पर फॉलोऑन का दबाव

मुंबई ने हरियाणा को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक हरियाणा ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 73 रन बना लिए थे। टीम अभी भी 87 रन पीछे थी और उसके आठ विकेट बाकी थे। मुशीर ने पिच के मिजाज पर कहा, 'पिच की रफ्तार काफी धीमी हो गई है। हमारे स्पिनर उन जगहों पर गेंद डालने की कोशिश कर रहे हैं, जहां गेंद ज्यादा उछल रही है और टर्न मिल रहा है।'

हरियाणा की ओर से निशांत सिंधु ने संघर्ष करते हुए पहली पारी में नाबाद 105 रन बनाए। उन्होंने 251 गेंदों का सामना किया और आठ चौके तथा एक छक्का लगाया। दूसरी पारी में भी वह 22 रन बनाकर नाबाद थे। सिंधु ने घरेलू मैदान पर टर्न लेती पिचों पर खेलने के अनुभव को उपयोगी बताया। उन्होंने कहा, 'वहां लंबे समय से सीम की तुलना में गेंद ज्यादा स्पिन हो रही है। वहां खेलने के बाद यहां बल्लेबाजी करना आसान लगा।'

आईपीएल से भी सीखा टीम के लिए खेलना

चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के आईपीएल शिविरों का हिस्सा रह चुके सिंधु ने बताया कि अनुभवी खिलाड़ियों से बातचीत ने उनकी सोच बदली है। उन्होंने कहा, 'जब आप युवा होते हैं, तो सोचते हैं कि यह मेरा खेल है और मैं इसे अपने तरीके से खेलूंगा। लेकिन एमएस धोनी और दूसरे खिलाड़ियों से बात करके मैंने हालात के हिसाब से टीम के लिए खेलना सीखा है।' मुंबई की नजर अब लगातार तीसरी जीत बोनस अंक के साथ हासिल करने पर थी। वहीं, मुशीर का ऑलराउंड प्रदर्शन टीम के लिए निर्णायक साबित हुआ।



डबलिन एयरपोर्ट पर हुआ गलत व्यवहार श्रीलंकाई दिग्गज संगकारा भड़के

डबलिन। श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा ने आयरलैंड के डबलिन एयरपोर्ट पर एयरलाइन कर्मचारियों के कथित व्यवहार को लेकर नाराजगी जताई है। संगकारा ने आरोप लगाया कि रायनएयर के गेट स्टाफ ने उनके परिवार के साथ भेदभावपूर्ण और धमकी भरा व्यवहार किया। 48 वर्षीय पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ने बुधवार, 28 अक्तूबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना अनुभव साझा करते हुए इसे चौंकाने वाला और अस्वीकार्य बताया। एयरलाइन की ओर से इन आरोपों पर अभी तक सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।संगकारा ने एक्स पर रायनएयर के कर्मचारियों के व्यवहार पर सवाल उठाते हुए दूसरे यात्रियों से भी अपने अनुभव साझा करने को कहा। उन्होंने लिखा, 'क्या डबलिन में किसी और यात्री को रायनएयर के भेदभावपूर्ण गेट स्टाफ का सामना करना पड़ा है? मेरे और मेरे परिवार के साथ अभी ऐसा ही हुआ और यह चौंकाने वाला था। बात करने का लहजा, प्रक्रिया को गलत तरीके से संभालना और धमकी भरा व्यवहार। किसी भी यात्री के साथ ऐसा व्यवहार अस्वीकार्य है।

छह राज्यों में 1600 संदिग्ध विदेशी नागरिक मिले, मतदाता सूची से हटाए जाएंगे नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे सिस्टमैटिक आइडेंटिफिकेशन एंड रिव्यू (एसआईआर) अभियान के तहत एक अहम जानकारी सामने आई है। इस अभियान के तहत छह राज्यों में करीब 1600 संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान की गई है, जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए जाने हैं। एसआईआर का काम इन छह राज्यों में पूरा हो चुका है और कुछ अन्य राज्यों में यह प्रक्रिया अभी भी जारी है। यह कदम मतदाता सूची की अखंडता को बनाए रखने और यह तय करने के लिए अहम है कि केवल पात्र भारतीय नागरिक ही मतदान कर सकें। एक रिपोर्ट के मुताबिक जिन 1,600 संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान की गई है, उनकी संख्या इन छह राज्यों के कुल मतदाताओं की संख्या के मुकाबले बहुत कम है। इन छह राज्यों में रहने वाले मतदाताओं की कुल संख्या 9.86 करोड़ है, जिससे पता चलता है कि यह अभियान बड़े पैमाने पर नहीं, बल्कि लक्षित रूप से त्रुटियों को सुधारने पर केंद्रित है। यह निर्वाचन आयोग की निरंतर कोशिशों का हिस्सा है ताकि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की अनियमितता या अपात्र व्यक्ति के नाम को समाप्त किया जा सके।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड- मुंबई पुलिस पर दिखावे की कार्रवाई का आरोप

मुंबई। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में उनकी पत्नी शहजीन सिद्दीकी ने मुंबई पुलिस पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। उनका कहना है कि पुलिस केवल दिखावे की कार्रवाई कर रही है और अपनी मनमानी छिपाने के लिए प्रशासनिक अड़चनों का सहारा ले रही है। शहजीन के वकील त्रिवनकुमार करनानी ने कहा कि मुंबई पुलिस जानबूझकर अदालती आदेशों के बावजूद जेल में पूछताछ या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हिरासत सुनिश्चित करने जैसे आवश्यक कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह प्रशासनिक देरी हत्या के मामले की सुनवाई को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है, खासकर तब जब पुलिस को प्रक्रियागत विकल्पों की जानकारी है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर 2024 को मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में उनके बेटे के कार्यालय के बाहर तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का नाम सामने आया था, और मुंबई पुलिस ने अपनी चार्जशीट में लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई को वांछित आरोपी के रूप में चिन्हित किया है। ये आरोप तब सामने आए हैं, जब मुंबई पुलिस पर बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुए हालिया हमले के बाद भी सवाल उठ रहे हैं। 18 सितंबर को जुहू में हुए इस हमले में टाइगर के ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति घायल हुए थे, और घटना में भी लॉरेंस बिश्नोई का कनेक्शन उजागर हुआ था। सिद्दीकी की पत्नी के आरोप मौजूदा स्थिति में पुलिस की कार्यप्रणाली पर और दबाव बढ़ा रहे हैं।

सऊदी अरब में उमरा करने गए हजारों जायरीन फंसे

नई दिल्ली। सऊदी अरब में उमरा करने गए चार हजार से अधिक भारतीय जायरीन उड़ानों के प्रभावित होने से फंस गए हैं। 8 अक्टूबर को रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमलों के बाद उनकी वापसी मुश्किल हो गई है। कई जायरीन मक्का-मदीना के अलावा जेद्दा और दम्माम में फंसे हैं। उनके पास पैसे और नियमित दवाइयां खत्म होने लगी हैं, जिससे परेशानियां बढ़ रही हैं। होटल और खाने-पीने का खर्च भी लगातार बढ़ रहा है। भारतीय दूतावास और एयरलाइंस की ओर से यात्रियों की मदद के प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ यात्रियों को होटल और भोजन उपलब्ध कराया गया है, लेकिन सभी के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो पा रही है। कई जायरीन एक ही कमरे में 10 से 15 लोगों के साथ रहने को मजबूर हैं। बुजुर्गों और बीमार यात्रियों की स्थिति अधिक चिंताजनक है।

अर्नब तूफान ने आंध्र में मचायी तबाही, छह की मौत, 126 किमी सड़क डैमेज, 1058 पेड़, बिजली खंभे-तार हुए तबाह

विशाखापत्तनम, एजेंसी। दक्षिण राज्य आंध्र प्रदेश में चक्रवाती तूफान के चलते बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान हुआ. इस दौरान 6 लोगों की मौत की खबर है. इसके साथ ही बड़े पैमाने पर बिजली के खंभे और तार गिरे. बड़ी संख्या में घर क्षतिग्रस्त हो गए. हजारों की संख्या में पेड़ उखड़ गए. सड़कें प्रभावित हुई. बुनियादी ढांचे को बड़ा नुकसान पहुंचा. साइक्लोन अर्नब ने आंध्र प्रदेश के उत्तरी हिस्से और तटीय इलाकों में तबाही मचाई. राज्य में तूफान संबंधी अलग-अलग घटनाओं में छह लोगों की मौत हो गई है, जहां तेज हवा की वजह से बिजली के खंभे और पेड़ गिर गए. ईस्ट गोदावरी जिले में एक एएनएम (ऑक्जीलियरी नर्स मिडवाइफ) नहर पार करने की कोशिश करते समय बह जाने के बाद लापता हो गई. डॉ. बी.आर. अंबेडकर कोनासीमा जिले के साकिनेतिपल्ली मंडल में स्थित अंतरवेदिकारा प्रकाशपुरम में मंगलवार



आधी रात के करीब एक झोपड़ी गिर गई. झोपड़ी में रहने वाली कोल्लू वेंकयम्मा (65) की मौत हो गई, जबकि उनके पति वेरियाय्या बाल-बाल बच गए. भीमावरम में सुंकारा पेदय्या स्ट्रीट के रहने वाले एच. किशोर कुमार (46) की मौके पर ही मौत हो गई, जब वह पास की एक दुकान जा रहे थे, तभी एक पेड़ और बिजली का खंभा उन पर गिर गया.

ईस्ट गोदावरी जिले में कोव्वाडा नागेश कुमार (55) और उनकी पत्नी वीरलक्ष्मी, कोरुकोंडा से राजामहेंद्रवरम की ओर टू-व्हीलर पर जा रहे थे. बुरुगुपुडी और मधुरपुडी के बीच सड़क किनारे एक पेड़ कपल पर गिर गया. पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी की हालत गंभीर बनी हुई है. गुंटूर जिले के तेनाली मंडल के गुडीवाड़ा गांव के रहने वाले नागभूषणम का छठी क्लास का बेटा देवांश (11) बुधवार को स्कूल बंद होने की वजह से अपने दादा के घर गया था. कुछ देर बाद सुबह करीब 9:30 बजे वह घर जाने की बात कहकर निकला. जैसे ही लड़का एक पुराने घर के पास से गुजर रहा था, एक दीवार उस पर गिर गई. हालांकि घर के लोग तेज आवाज सुनकर बाहर भागे, लेकिन उन्हें पता नहीं चला कि लड़का मलबे के नीचे फंसा हुआ है. शाम 4:00 बजे जब मलबा हटाया जा रहा था, तब उसकी बॉडी मिली. अनकापल्ली जिले के एलामंचिली शहर में मंगलवार रात तेज हवा की वजह से बिजली के तार टूटकर सड़क पर गिर गए. उसी समय तीन मंजिला बिल्डिंग की मेटल की छत की शीट उड़कर बिजली के तारों पर गिर गई. बुधवार सुबह, उसी कॉलोनी की रहने वाली 51 साल की भाग्यलक्ष्मी ने अपने घर के सामने पड़ी मेटल की शीट हटाने की कोशिश की. उन्हें बिजली का झटका लगा और उनकी मौत हो गई.

हवाओं की वजह से रात भर बिजली सप्लाई कटी रही, लेकिन सुबह आधे घंटे के लिए इसे ठीक कर दिया गया ताकि लोग पानी के पंप चला सकें. करम सत्यवती (48) ईस्ट गोदावरी जिले के सीतानगरम मंडल के नागमपल्ली सेक्रेटेरिएट में एएनएम (ऑक्सिलरी नर्स मिडवाइफ) के तौर पर काम करती थी. वह बुधवार को अपनी ड्यूटी खत्म करने के बाद पति कोंडाला राव की टू-व्हीलर पर अपने गांव इंदुकुरुपेटा के लिए निकलीं. उनके साथ भवानी नाम की एक सहकर्मी भी थी. नागमपल्ली और कोटिकेसवरम के बीच तेज बहाव वाली इनुकोंडा नहर को पार करते समय, टू-व्हीलर बह गया. कोंडाला राव और भवानी तो सुरक्षित निकल गए, लेकिन सत्यवती लापता हो गई.

साइक्लोन अर्नब की चपेट में आने से एक महिला की अपने जन्मदिन पर जान चली गई. माधवी (44) अपने पति कुरंडासु मनोहर के साथ बालाजी नगर (वार्ड 120) में रहती थी जो विशाखापत्तनम के डॉकयार्ड में कर्मचारी थे. मंगलवार रात साइक्लोन की वजह से तेज हवा के कारण उनके घर के पास बिजली की लाइनों पर एक पेड़ गिर गया. बुधवार सुबह, जब बारिश कम हुई तो माधवी कुछ कचरा फेंकने के लिए ऊपर की मंजिल से नीचे आईं. जैसे ही उसने बाहर निकलने के लिए गेट खोला घर के ठीक बगल में लगा एक बिजली का खंभा अचानक उस पर गिर गया. उसके सिर में गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई. परिवार के लोग बहुत दुखी थे. उन्हें दुख था कि बुधवार को न सिर्फ माधवी का जन्मदिन था, बल्कि उसकी जिंदगी का आखिरी दिन भी था. बुधवार शाम तक के शुरूआती आकलन से पता चलता है कि साइक्लोन अर्नब के असर से आंध्र प्रदेश में रोड्स एंड बिल्डिंग्स डिपार्टमेंट की 126 किलोमीटर सड़कें डैमेज हो गई. तेज हवा की वजह से 1,058 पेड़ सड़कों पर गिर गए. इससे गाड़ियों की आवाजाही बाधित हुई. रिपोर्ट है कि इनमें से 859 पेड़ हटा दिए. दो जगहों पर सड़क का कटाव हुआ.

महारैली से पहले कांग्रेस का आरोप: सरकार रोक रही कार्यकर्ताओं को दिल्ली पहुंचने से

नई दिल्ली, एजेंसी। एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक की वोट बचाओ महा रैली और दिल्ली चलो मार्च से पहले कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया है कि देश के विभिन्न हिस्सों से रैली में शामिल होने दिल्ली आ रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोका जा रहा है।



कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल के आरोप का अन्य पार्टी नेताओं ने समर्थन किया है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जेबी माथेर ने पुष्टि कर कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि देश के विभिन्न कोनों से दिल्ली आ रहे कार्यकर्ताओं को रोका जा रहा है। उन्होंने दृढ़ता से कहा, वे हमें रोकने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन भारत के हर कोने से लोग दिल्ली जरूर पहुंचने वाले है। कांग्रेस प्रवक्ता उदित राज ने वेणुगोपल के आरोप का समर्थन करते हुए भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अपने कार्यक्रमों के लिए स्पेशल ट्रेनें लगाती है, लेकिन इस बार कांग्रेस के लिए अतिरिक्त कोच भी अटैच नहीं होने दे रही है। उदित राज ने कहा कि मोदी सरकार राहुल गांधी से डरी हुई है और 1 नवंबर को रामलीला मैदान में रैली न हो सके, इसकी हरसंभव कोशिश कर रही है। कांगेस महासचिव वेणुगोपाल ने विशेष रूप से तेलंगाना सहित कई राज्यों से दिल्ली आ रहे कार्यकर्ताओं, सांसदों और विधायकों को रोकने की कोशिश का जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय रेलवे ने तेलंगाना से दिल्ली के लिए विशेष ट्रेनों की मांग को ठुकराया, जिसके विरोध में तेलंगाना कांग्रेस ने सिकंदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे कार्यालय के बाहर प्रदर्शन भी किया था।

पीएम मोदी के लिए 'भारत रत्न' की मांग, बीजेपी सांसद बोले- 'वही सर्वोच्च नागरिक सम्मान के हकदार'

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'भारत रत्न' देने की मांग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने उठाई है. उन्होंने प्रस्ताव दिया कि पीएम मोदी को देश के प्रति उनके समर्पण और बिना शर्त सेवा के लिए भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए. साहनी आम आदमी पार्टी के पूर्व सांसद रह चुके हैं. उन्होंने यह बात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में कही. शाह ने यहां मन की बात थीम पर बनी 76 पेंटिंग एग्ज़िबिशन का उद्घाटन किया, जो प्रधानमंत्री की 25 साल की सार्वजनिक सेवा को समर्पित है. प्रदर्शनी में इकट्ठा हुए लोगों को संबोधित करते हुए पंजाब से राज्यसभा सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'करिश्माई लीडर' कहा. उन्होंने कहा कि अगर जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी को भारत रत्न दिया जा



सकता है तो पीएम मोदी, जिन्होंने 25 सालों में G20 और BRICS में भारत का नाम रोशन किया, देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न के हकदार हैं.

उन्होंने आगे कहा, ढट मोदी की 25 साल की पब्लिक सर्विस देश के प्रति प्रतिबद्धता की एक असाधारण यात्रा को दिखाती है. सांसद ने 'ड्रग-फ्री इंडिया' का नारा देने के लिए पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की भी तारीफ की. नेहरू को 1955 में भारत रत्न दिया गया था, जबकि इंदिरा गांधी को 1971 में मिला था. पिता-पुत्री की जोड़ी उस समय प्रधानमंत्री थे जब उन्हें यह अवॉर्ड मिला था. बता दें कि साहनी और आम आदमी पार्टी के छह अन्य राज्यसभा सांसदों ने अप्रैल में पाला बदल लिया था और भाजपा में शामिल हो गए थे. आयोजकों ने कहा कि वर्ल्ड पंजाबी ऑर्गनाइजेशन द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में मंजीत सिंह की 76 पेंटिंग दिखाई गई हैं, जो प्रधानमंत्री की 25 साल की सार्वजनिक सेवा को दिखाती हैं.

एक मैसेज में शाह ने कहा, ₹आज, मैंने नई दिल्ली में वर्ल्ड पंजाबी ऑर्गनाइजेशन द्वारा आयोजित 'मन की बात' पर आधारित फोटो प्रदर्शनी में हिस्सा लिया.₹ उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा सार्वजनिक संवाद कार्यक्रम, मन की बात, सार्वजनिक भागीदारी के जरिए देश बनाने का एक जीता-जागता उदाहरण है. उन्होंने कहा, इसके जरिए मोदी ने देश के कोने-कोने में सुर्खियों से दूर काम कर रहे अनगिनत गुमनाम हीरो को पहचाना है और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ', खादी और सफाई से लेकर पानी बचाने जैसे कई मुद्दों को बड़े आंदोलन में बदला है.

सुप्रीम कोर्ट का घरेलू हिंसा में महिलाओं को संरक्षण - महिलाओं को संयुक्त घर से बेदखल करने पर रोक

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू हिंसा के मामलों में महिलाओं के अधिकारों को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल पति के घर में मौजूद न होने के आधार पर पत्नी और उसकी महिला रिश्तेदारों को साझा घर से बेदखल नहीं किया जा सकता। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विभुल एम. पांचोली की पीठ ने घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के प्रावधानों की व्याख्या करते हुए यह बात कही। अदालत के अनुसार, पति की गैर-मौजूदगी में भी महिला रिश्तेदारों को बेदखल करना कानून के तहत उचित नहीं है। साझा घर से प्रतिवादी को हटाने का आदेश देने के मामले में महिलाओं के संरक्षण को ध्यान में रखना आवश्यक है। हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इस संरक्षण का अर्थ घरेलू हिंसा से पीड़ित महिला के कानूनी अधिकारों को समाप्त करना नहीं है। यह फैसला महिलाओं के आवास संबंधी अधिकारों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारत ने 2025 में 64 विदेशी ध्वज वाले जहाजों को रोका, समुद्री सुरक्षा जांच में वृद्धि हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने 2025 में समुद्री सुरक्षा की निगरानी बढ़ा दी है. उसने भारतीय बंदरगाहों पर आने वाले विदेशी झंडे वाले जहाजों का 607 शुरूआती पोर्ट स्टेट कंट्रोल इंस्पेक्शन किया, जो पिछले साल के मुकाबले 18.3 प्रतिशत ज्यादा है. हालांकि, इन निरीक्षण में 64 जहाज रोके गए और 2,595 कमियां पाई गईं, जिससे जहाज के रखरखाव, सुरक्षा प्रणाली और परिचालन नियमों को लेकर लगातार चिंताएं सामने आईं. बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के तहत समुद्री प्रशासन महानिदेशालय की प्रकाशित पोर्ट स्टेट कंट्रोल एंड फ्लैग स्टेट इंस्पेक्शन एनुअल रिपोर्ट 2025 के मुताबिक,



कुल डिटेंशन रेट लगभग 10.5 प्रतिशत था. सिर्फ 156 निरीक्षण किए गए जहाजों में कोई कमी नहीं पाई गई. इन नतीजों से यह पक्का करने में लगातार चुनौती बनी हुई है कि भारतीय बंदरगाहों से चलने वाले जहाज अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा, पर्यावरण सुरक्षा और नाविकों की भलाई के मानकों का पालन करें.

रिपोर्ट में जहाजों की उम्र को इंस्पेक्शन (निरीक्षण) के नतीजों पर असर डालने वाला एक जरूरी कारक बताया गया है. 20 साल से ज्यादा पुराने जहाजों में औसत कमी सूचकांक 6.07 और शून्य-कमी दर सिर्फ 15.38 फीसदी दर्ज किया गया. इसकी तुलना में शून्य से 10 साल पुराने जहाजों में एवरेज डेफिशिएंसी इंडेक्स 1.88 दर्ज किया गया, जिनमें से लगभग 48 परसेंट में कोई कमी नहीं थी. 10 से 20 साल की श्रेणी के जहाजों में सबसे ज्यादा निरीक्षण और रोके गए. इस एज ग्रुप में किए गए 340 इंस्पेक्शन में से 35 में रोके गए. 20 साल से पुराने जहाजों में 169 इंस्पेक्शन में से 25 रोके गए. रिपोर्ट में बताया गया है कि पुराने जहाजों में कमियों का अनुपातहीन हिस्सा था. खासकर रखरखाव मानक, सुरक्षा प्रणाली और परिचालन संयोजन से जुड़ी कमियों में. मामले से परिचित एक अधिकारी ने बुधवार को ईटीवी भारत को बताया कि ये नतीजे जोखिम-आधारित निरीक्षण के महत्व को पुख्ता करते हैं. खासकर व्यस्त शिपिंग कॉरिडोर में चलने वाले और भारतीय बंदरगाहों पर आने वाले पुराने जहाजों के लिए.

जहाज की कैटेगरी के हिसाब से जांच करने पर अनुपालन प्रदर्शन में काफी अंतर दिखता है. बल्क कैरियर्स ने 268 इंस्पेक्शन किए, जो कुल का लगभग 44 प्रतिशत है और 14 डिटेंशन रिकॉर्ड किए गए. कंटेनर जहाजों ने 71 इंस्पेक्शन में से 12 डिटेंशन रिकॉर्ड किए, जबकि तेल टैंकरों ने 36 इंस्पेक्शन में से 11 डिटेंशन रिकॉर्ड किए. केमिकल टैंकरों और टगबोटों में से हर एक ने क्रम अनुसार 68 और 10 इंस्पेक्शन में से सात डिटेंशन किए. अधिकारी ने कहा, ये नतीजे उन जहाजों पर लगातार नियामक ध्यान देने की जरूरत की ओर इशारा करते हैं जहां तकनीकी कमियां और परिचालन संबंधी कमियां क्रू सदस्यों, कार्गो और समुद्री पर्यावरण के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं. कुल डिटेंशन की संख्या 2023 और 2024 दोनों में 39 से बढ़कर 2025 में 64 हो गई. इस बीच औसत कमी सूचकांक (एवरेज डेफिशिएंसी इंडेक्स) हर इंस्पेक्शन में 4.28 की कमी तक बढ़ गया, जबकि 2023 में यह 3.48 था. अधिकारी के अनुसार, पोर्ट स्टेट कंट्रोल डिटेंशन के मुख्य मकसद दुर्घटनाओं को रोकना, नाविकों की सुरक्षा करना, समुद्री प्रदूषण को रोकना, अंतरराष्ट्रीय मानक लागू करना और सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करना है.

आलोचना का स्वागत है, लेकिन संयम और संस्थागत अखंडता के सम्मान के साथ : चीफ जस्टिस सूर्यकांत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने बुधवार को कहा कि राय में मतभेद और आलोचना जायज है लेकिन उन्हें निष्पक्षता संयम और संस्थागत ईमानदारी के सम्मान के साथ जाहिर किया जाना चाहिए. सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत कानून, न्याय और कानूनी शिक्षा पर दूसरी मासिक व्याख्यान श्रृंखला में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि आज की थीम 'कानूनी पेशे में नैतिकता का महत्व' हमें ऐसे ही एक बुनियादी सिद्धांत की ओर ले जाती है. सीजेआई सूर्यकांत ने आगे कहा कि हम अक्सर अपनी पेशेवर सफलता को अपनी दलीलों की गुणवत्ता या हमें मिले नतीजों से मापते हैं. फिर भी एक वकील की पेशेवर जिंदगी का एक और भी बुनियादी पैमाना है. वह सफलता कैसे हासिल की जाती है.



सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने आगे कहा कि न्याय प्रणाली की गरिमा कुछ हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि बार के सदस्य कोर्टरूम के अंदर और बाहर कैसा व्यवहार करते हैं. उन्होंने कहा कि राय में मतभेद और आलोचना जायज हैं लेकिन उन्हें निष्पक्षता, संयम और संस्थागत ईमानदारी के सम्मान के साथ जाहिर किया जाना चाहिए. हम अपनी असहमति को जिस तरह से जाहिर करते हैं, वह उतना ही मायने रखता है जितना कि हम जो कहते हैं उसका सार. सीजेआई ने आगे अपने संबोधन में कहा कि एक ऐसी दुनिया में जो तेजी से सार्वजनिक दृश्यता और व्यावसायिक हितों से बनती जा रही है, व्यावसायिक नैतिकता हमारा रास्ता बनी रहनी चाहिए. यह पक्का करते हुए कि व्यक्तिगत अभिव्यक्ति न्याय प्रणाली को बनाए रखने वाले भरोसे की कीमत पर न हो. उन्होंने कहा कि नैतिकता के लिए हमें उन जिम्मेदारियों पर भी सोचना होगा जो इस पेशे के खास अधिकारों के साथ आती हैं. सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, ₹अक्सर अनिश्चितता के समय में, वकील के पास जाने वाले व्यक्ति के लिए कानूनी पेशे की न्याय प्रणाली के साथ संपर्क का पहला बिंदू (प्वाइंट) बन जाता है. इसलिए सलाह में ईमानदारी, प्रतिनिधित्व में मेहनत, पेशेवर फीस में निष्पक्षता और कमजोर केस लड़ने वालों के प्रति संवेदनशीलता बाहरी बातें नहीं हैं. ये पेशेवर जिम्मेदारी और सार्वजनिक सेवा के जरूरी बातें हैं.

सीजेआई ने आगे कहा कि इन मूल्यों को कानूनी शिक्षा के शुरूआती चरण से ही विकसित किया जाना चाहिए, जिसके लिए छात्रों को न सिर्फ कानून सीखना होगा बल्कि उन हालात से निपटने के लिए आवश्यक निर्णय लेना भी सीखना होगा जिनमें पेशेवर जिम्मेदारियों को परखा जाता है. सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने कहा, कानूनी नैतिकता को सिर्फ आचार के नियमों को याद करने तक सीमित नहीं किया जा सकता. इसे भविष्य के वकीलों को मुश्किल सवालों का सामना करने, प्रतिस्पर्धा वाली जिम्मेदारियों को समझने और अपनी पसंद के नतीजों को समझने के लिए बढ़ावा देना चाहिए. सीजेआई ने कहा कि आखिर में ये नियम पेशेवर व्यवहार के मानक तय करते हैं. लेकिन प्रोफेशनल कॉन्शियस (जागरूक पेशेवर) उन्हें हमेशा चलने वाली ताकत देता है और नैतिक आचरण को सिर्फ शिकायत आने पर ही वापस बुलाने की जिम्मेदारी नहीं माना जाना चाहिए. सीजेआई ने कहा, इसे बार, बेंच और जिन्हें कानूनी शिक्षा दी गई है, उनके रोजाना के फैसलों में जानकारी देनी चाहिए.

आतंकवाद छोड़े पाकिस्तान तभी होगी बात: खुद पाकिस्तानी विशेषज्ञ ने कहा

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत द्वारा नई दिल्ली में आयोजित होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम में पाकिस्तान को भेज निमंत्रण ने दोनों देशों के बीच संभावित बातचीत की अटकलों को तेज किया है। हालांकि, पाकिस्तानी विशेषज्ञ ने अपने ही देश की पोल खोलकर साफ कहा है कि भारत तब तक इस्लामाबाद से कोई वार्ता नहीं करेगा, जब तक वह आतंकवाद के मुद्दे पर गंभीर रुख नहीं दिखाता है।

पाकिस्तानी पत्रकार के यूट्यूब चैनल पर जानकार शकील चौधरी ने स्पष्ट किया कि नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच बातचीत की संभावना बहुत कम है। चौधरी के अनुसार, भारत का प्राथमिक ध्यान अपने विकास पर केंद्रित है और वह किसी भी तरह का तनाव नहीं चाहता। उन्होंने तर्क दिया कि पड़ोसी देश से अच्छे संबंध और सीमा पर शांति भारत की तरक्की और विकास दर के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए भारत पाकिस्तान के साथ युद्ध जैसी स्थिति नहीं चाहेगा। पाकिस्तान में चरमपंथी हमलों के पीछे भारत का हाथ होने के इस्लामाबाद के आरोपों को शकील चौधरी ने सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा कि भारत की सीमा न बलूचिस्तान से लगती है और न ही खैबर पख्तूनख्वा से, इसके बाद वहां भारत का हस्तक्षेप करना अत्यंत कठिन है। चौधरी ने पाकिस्तानी सैन्य जनरलों के पुराने बयानों की याद दिलाई, जिसमें 2016 में राहील शरीफ ने आतंकवाद के खात्मे का दावा किया था, लेकिन परिणाम कुछ और ही रहा। उन्होंने चुनौती दी कि यदि पाकिस्तान के पास भारत के खिलाफ कोई सबूत है, तब उस सबूत को संयुक्त राष्ट्र में पेश करना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की विश्वसनीयता पर शकील चौधरी ने गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने हाल ही में जापान के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा का जिक्र किया, जिसके दौरान जारी संयुक्त बयान में खुले तौर पर पाकिस्तान का नाम लेकर आलोचना की गई। चौधरी ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में एक बड़ा और दुर्लभ घटनाक्रम बताया, क्योंकि देशों द्वारा नाम लेकर आलोचना सामान्यतः नहीं की जाती। उन्होंने 2010 में ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री डेविड कैमरून द्वारा भी पाकिस्तान की आलोचना का उदाहरण देकर कहा कि वैश्विक समुदाय पाकिस्तान पर भरोसा नहीं करता।



दुनियाभर में दृश्यम 3 का दबदबा 350 करोड़ पार हुई कमाई

मुंबई। अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' ने बॉक्स ऑफिस पर एक हफ्ता पूरा कर लिया है। इसके बावजूद यह फिल्म अच्छी कमाई कर रही है। अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' ने बॉक्स ऑफिस पर धुंआधार शुरुआत की थी। अब फिल्म को रिलीज हुए एक हफ्ता हो गया है। इतने दिनों बाद भी फिल्म का जलवा बरकरार है। सातवें दिन फिल्म ने 13 करोड़ रुपए की कमाई की। इसके साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 245.50 करोड़ रुपए हो गया है। वहीं, फिल्म का टोटल ग्रॉस कलेक्शन 294.60 करोड़ रुपए हो गया है। दुनियाभर में इस फिल्म ने 383.60 करोड़ रुपएका कलेक्शन किया है। 'दृश्यम 3' के सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद 'हनुमान अंश' की कमाई में भारी गिरावट देखने को मिली है। 'हनुमान अंश' को रिलीज हुए 2 महीने से भी ज्यादा का समय हो चुका है। शायद यही वजह है कि इसकी कमाई अब काफी घट गई है। फिल्म अब लाखों में कमाई कर रही है।

लाइफ Style

कटरीना

खुद को स्वीकार करने से आता है आत्मविश्वास

कटरीना कैफ ने प्रेग्नेंसी के बाद बढ़े वजन को लेकर निशाना बनाए जाने के बाद सोशल मीडिया के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि अगर आप लोगों की बातों पर ज्यादा ध्यान देते हैं तो क्या नुकसान हो सकता है। अभिनेत्री कटरीना कैफ ने हाल ही में सोशल मीडिया पर मिलने वाली प्रतिक्रिया से अपने आपको बचाने के बारे में बात की है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आत्मविश्वास खुद को स्वीकार करने से आता है, न कि हर किसी को खुश करने की कोशिश करने से।

अभिनेत्री ने बताया कि कैसे आलोचना पर ज्यादा ध्यान देने से आप जिंदगी में आगे बढ़ने से रुक सकते हैं। यूके में अपने कॉस्मेटिक ब्रांड की पहली सालगिरह के मौके पर हुए एक इवेंट के दौरान, कटरीना ने कहा 'हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सोशल मीडिया पर चल रही बातें हमारे आत्म-मूल्य को प्रभावित न करें। वहां बहुत सारी राय होती हैं। अगर आप उन सभी के अनुसार चलने लगते हैं, तो आप खुद फैसले नहीं ले पाएंगे।' अभिनेत्री ने कहा कि दूसरों की बातों पर प्रतिक्रिया देने से व्यक्ति को आगे बढ़ने में दिक्कत हो सकती है। उन्होंने कहा, 'ऐसे समय भी होते हैं जब दुनिया आपकी तारीफ करती है, दूसरे समय में आपको वास्तव में खुद का सबसे बड़ा चीयरलीडर बनना पड़ता है।' कटरीना ने जिंदगी के कई चरणों को स्वीकार करने के सलाह दी। उन्होंने माना कि आत्मविश्वास और खुद के बारे में सोच हमेशा एक जैसी नहीं रहती। कई बार लोग खुद को सबसे अच्छा महसूस करते हैं, जबकि दूसरे समय में, उन्हें खुद के बारे में अच्छा महसूस करने में संघर्ष करना पड़ सकता है। अभिनेत्री ने यह बातें उस मामले के बाद कहीं, जब वह हाल ही में अंबानी परिवार के गणेश चतुर्थी सेलिब्रेशन में पति विक्की कौशल के साथ नजर आईं थीं। उनका एक वीडियो वायरल हुआ था।



हॉलीवुड मसाला



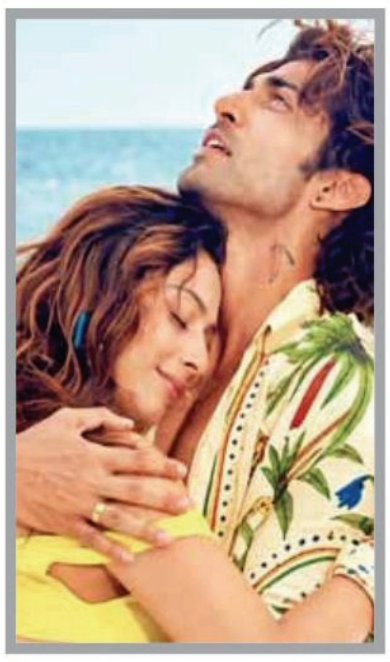
मार्वल ने जारी किया नई सीरीज का लोगो

लॉस एंजिल्स। मार्वल ने 'जोडियाक' नाम की एक नई लाइव-एक्शन सीरीज का ऐलान किया है। इसे 2028 में डिज्नी प्लसपर दिखाया जाएगा। इसका प्रोडक्शन 2027 में लंदन में शुरू होना है। कास्टिंग कुछ हफ्तों में शुरू होने की उम्मीद है। मार्वल ने कहानी और कलाकारों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। मार्वल टेलीविजन और मार्वल एनिमेशन के न्यूयॉर्क कॉमिक कॉन पैनल ने कन्फर्म किया कि 'जोडियाक' एक स्पाई थ्रिलर होगी। मेकर्स ने इसे एक नई ग्लोबल जासूसी सीरीज बताया है। उन्होंने दर्शकों को बताया, 'जो लोग कॉमिक्स के बारे में जानते हैं, अगर वे इस टाइटल डिजाइन को ध्यान से देखें, तो उन्हें कुछ सुराग मिलेंगे कि हम किस दिशा में जा रहे हैं।' मार्वल टेलीविजन के चीफ बैड विंडरबाम बताया कि प्रोडक्शन 2027 में लंदन में होगा।



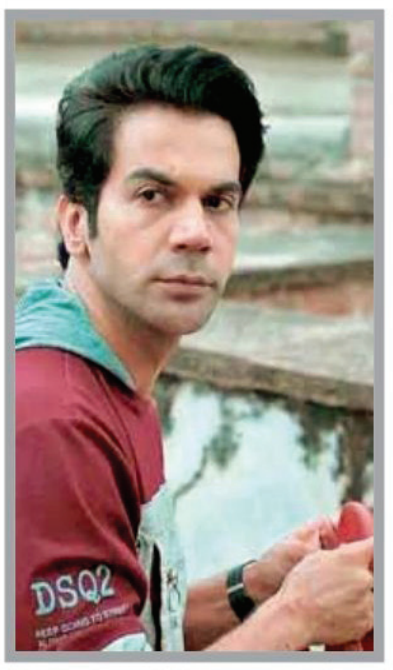
सबसे ज्यादा फिल्में करने का रिकॉर्ड टॉम के नाम

लॉस एंजिल्स। सबसे ज्यादा फिल्में करने के रिकॉर्ड्स पर आंकड़े कई तरह के हैं। कोई कुछ कहता है तो कोई कुछ। लेकिन, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और फिल्म फैक्ट्स की मानें तो सबसे ज्यादा फिल्में करने का रिकॉर्ड हॉलीवुड एक्टर टॉम लंदन के नाम है। उन्होंने अपने करियर में कुल 2000 से ज्यादा फिल्में की हैं। इसकी शुरुआत साल 1903 की लघु फिल्म द ग्रेट ट्रेन रॉबरी से हुई थी। वहीं, दूसरी तरफ वे बी-वेस्टर्न फिल्मों में ज्यादा नजर आए। ये 1930-50 के दशक में ऐसी फिल्में होती थीं, जो कम बजट में बनती थी और छोटी होती थीं। टॉम ने ऐसी कई सारी फिल्में कीं। वहीं, वे सहायक और विलेन की भूमिकाओं में ज्यादा नजर आए। एरिक रॉबर्ट्स की बात करें तो उनका नाम इस लिस्ट में चौथे नंबर पर आता है। एरिक ने कई फिल्मों में काम किया है और वे अभी भी सिनेमा की दुनिया में सक्रिय हैं। उन्होंने 1978 में किंग ऑफ द जिप्सीज से अपने कॅरियर की शुरुआत की थी। वहीं, इसके बाद से वे बेस्ट ऑफ द बेस्ट, द डार्क नाइट, द स्पेशलिस्ट, स्टार 80, द एक्सपेंडेबल्स, द एंबुलेंस, द परफेक्ट समर और स्टैंड योर ग्राउंड जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं।



इश्क, दर्द और एक्शन से भरपूर है गुरमीत-ईशा की फिल्म

मुंबई। गुरमीत चौधरी जल्द ही फिल्म 'तुम मेरे हो' में ईशा मालवीय के साथ नजर आएंगे। आशीष पांडा द्वारा निर्देशित इस फिल्म का ट्रेलर मेकर्स ने शुक्रवार को जारी कर दिया है। फिल्म का निर्देशन आशीष पांडा ने किया है। फिल्म 'तुम मेरे हो' 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म 'तुम मेरे हो' के साथ एक्ट्रेस ईशा बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। वहीं, गुरमीत इस फिल्म के जरिए पहली बार बतौर निर्माता भी अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं। दोनों एक्टर्स फिल्म में लीड रोल में नजर आएंगे। इससे पहले गुरमीत और ईशा कई टीवी शोज का हिस्सा रह चुके हैं। फिल्म के ट्रेलर में रोमांस, इमोशन और एक्शन की झलक देखने को मिल रही है। ट्रेलर की शुरुआत में खूबसूरत लव स्टोरी शुरू होती दिखती है, लेकिन जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है। उसके बाद कई मोड़ देखने को मिलते हैं, जिसमें हार्ट-ब्रेक और एक्शन से भरे सीन्स नजर आते हैं।



सिरकटा के बाद नए भूत से होगा 'विक्की' का सामना!

मुंबई। सितारों के साथ चलने वाली लंबी-चौड़ी टीम को लेकर अक्सर सवाल उठते रहते हैं। हालांकि, कुछ कलाकार हैं जो अपनी टीम का खर्च निर्माताओं पर नहीं थोपते हैं। उनमें अभिनेता राजकुमार राव भी हैं। उनके साथ केवल चार लोग ही होते हैं, वह खुद निर्माता भी हैं तो खुद को निर्माता का एक्टर भी मानते हैं। अपनी फ्रेंचाइज फिल्म स्त्री 3 को लेकर राजकुमार ने कहा कि बिल्कुल वह आ रही है। अगले साल शूट शुरू करने की योजना है। कहानी पर काम चल रहा है। ऐसा नहीं है कि लाने के लिए बस फिल्म लेकर आ रहे हैं। राजकुमार राव कहते हैं, मुझे कभी अपनी टीम छोटी करनी ही नहीं पड़ी। मेरे साथ चार लोग ही रहते हैं, जिनमें मेकअप और हेयर के लिए दो लोग, एक असिस्टेंट और एक सिक्योरिटी से होते हैं। पांच साल से यही है। मुझे लगता है कि कलाकार को निर्माता का एक्टर होना चाहिए। किसी चीज को लेकर जबरदस्ती नहीं करनी चाहिए।

टीवी मसाला



नाना को याद कर भावुक हुए अमिताभ साझा किया केबीसी का वीडियो

नई दिल्ली। नाना पाटेकर के निधन पर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने दुख का इजहार किया है। उन्होंने उनके साहस की तारीफ की है। इसके अलावा उन्होंने उनके कामों के बारे में बताया है। अमिताभ ने भारतीय सिनेमा और समाज में उनके बेमिसाल योगदान को याद किया है। अमिताभ बच्चन ने एक ट्वीट शेयर किया है। इसमें उन्होंने 'कौन बनेगा करोड़पति' का वीडियो शेयर किया है।

अपनी 'गर्ल गैंग' संग वेकेशन पर निकलीं आलिया, शेयर की खूबसूरत तस्वीरें

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट इन दिनों अपने काम से ब्रेक लेकर खास दोस्तों के साथ एक शानदार वेकेशन एंजॉय कर रही हैं। हाल ही में आलिया ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से इस वेकेशन की कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में आलिया अपनी गर्ल-गैंग के साथ मस्ती भरे अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। कहीं वो दोस्तों के साथ कार में हंसते-खिलखिलाते सेल्फी ले रही हैं, तो कहीं किसी खूबसूरत लोकेशन पर रेड ड्रेस में अपना एलिगेंट लुक फ्लॉन्ट करती दिखीं। तस्वीरों में उनकी दोस्तों के साथ खास बॉन्डिंग और वेकेशन वाइब साफतौर पर दिख रही है। तस्वीरों से भी ज्यादा चर्चा आलिया के दिए कैप्शन की हो रही है। उन्होंने अपनी इस पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- जी ले जरा कैप्शन में लिखे इस फ्रेज को देखते ही फैन्स और नेटिजन्स काफी एक्साइटेड हो गए हैं।



दोस्तों के साथ 'जी ले जरा'

दरअसल, फरहान अख्तर की फिल्म 'जी ले जरा' में आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा और कैटरीना कैफ के एक साथ दिखने की खबरें थीं। ऐसे में आलिया का दोस्तों के साथ 'गर्ल्स ट्रिप' की तस्वीरों पर यह कैप्शन देना फैन्स के बीच एक्साइटमेंट लेवल को बढ़ा रहा है। सोशल मीडिया पर आलिया की ये तस्वीरें आते ही वायरल हो गई हैं और उनके फैन्स कमेंट सेक्शन में उनके लुक और उनकी गर्लगैंग की बॉन्डिंग की जमकर तारीफ कर रहे हैं। हालांकि, यहां न तो रणबीर कपूर नजर आए और न ही उनकी बेटी राहा।

कैकेयी और मंथरा की झलक आई सामने, लारा-शीबा के चेहरे पर दिखा दंभ

नई दिल्ली। रामायण के मेकर्स नमित मल्होत्रा ने फिल्म से रानी कैकेयी के रूप में लारा दत्ता, और मंथरा के रूप में शीबा चड्ढा के कैरेक्टर पोस्टर्स से पर्दा उठा दिया है। यह पोस्टर महाकाव्य के दो अहम किरदारों को सामने लाते हुए उन घटनाओं की तरफ इशारा करता है कि कैसे ये भगवान राम का भाग्य हमेशा के लिए बदल देंगी। रामायण के मेकर्स ने फिल्म के दो बेहद अहम किरदारों के दो नए कैरेक्टर पोस्टर्स को रिलीज कर दिया है। बता दें कि यह रानी कैकेयी के रूप में लारा दत्ता और मंथरा के रूप में शीबा चड्ढा के कैरेक्टर पोस्टर्स हैं, जिसमें दर्शक इस महाकाव्य के दो बहुत ही खास किरदारों से रूबरू हो पा रहे हैं। पोस्टर्स ने कहानी के टर्निंग प्वाइंट की ओर इशारा किया है। रानी कैकेयी की दो इच्छाएं जो राजा दशरथ और उनके बेटे भगवान राम के लिए सब कुछ बदल देती हैं, वहीं रानी के इस कदम के पीछे मौजूद मंथरा की बातें होती हैं, जो ऐसी घटनाओं का सिलसिला शुरू करती है, जिससे पूरे राज्य का भविष्य बदल जाता है। यह दोनों नए पोस्टर्स अरुण गोविल के राजा दशरथ के रूप में जारी किए गए पोस्टर के बाद सामने आए हैं।



शानदार पारंपरिक पोशाक

अरुण गोविल जिन्होंने कई पीढ़ियों के दिलों में भगवान राम के रूप में टीवी पर अपनी पहचान बनाई, वह अब अयोध्या के राजा दशरथ के रूप में रामायम की दुनिया के जरिए लौट रहे हैं। पोस्टर में शाही अंदाज में लारा दत्ता के कैकेयी अवतार को पेश किया गया है, जिसमें शानदार पारंपरिक पोशाक और गहनों में वह अयोध्या की रानी के तौर पर नजर आ रही हैं। वहीं, शीबा चड्ढा का मंथरा के किरदार में लुक बेहद अलग है, जिसमें वे अपने हाथों में अपनी कुछ चीजें पकड़ी हुई नजर आ रही हैं। मेकर्स ने पोस्टर्स को शेयर करते हुए लिखा, 'एक रानी। एक मां। पिता के प्यार को धोखा देने वाली दो इच्छाएं, जो राम के भाग्य को हमेशा के लिए बदल देंगी। एक भरोसेमंद साथी। एक शातिर दिमाग, जिसकी फुसफुसाहट एक मां के प्यार को पूरे राज्य के सबसे काले दौर में बदल देगी।

JHARKHAND EDUCATION CENTER
RANCHI
T.L. No.: (RAN54082621210695)
We Offer All Courses From Board, Council and Institutions
MATRIC VOCATIONAL IIT
MANAGEMENT ENGINEERING AICTE
INTERMEDIATE UG & PG LAW
NCTE MBBS ANM & GNM
We here to help you...
House No. 01, Singh Mansion, Shanti Nagar, Hatia, Ranchi-03
+91 9431360101
info.jharkhandeducationcenter@gmail.com
www.jharkhandeducationcenter.com



हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रवेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.